jftLVªh laö Mhö ,yö&33004@99 REGD. NO. D. L.-33004/99

vlk/kj.k

Hkkx III—[k.M 4

PART III—Section 4

izkf/dkj ls izdkf'kr

la- 91] ubZ fnYyh] lkseokj] ekpZ 6] 2017@iQkYxqu 15]1938

No. 91] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 6, 2017/PHALGUNA 15, 1938

िसिकम िविव ालय

अयादेश

िसिकम, 31 जनवरी, 2017

िसिकम िविव ालय के थम अयादेश 2016

िवभाग एवं िव ापीठ पर अयादेश-ए शृंखला

सं. एसयु/2007/आए ई जी-03/जीएन-025/923/1728.-िन निलिखत को सवसाधारण क जानकारी हेतु काशित िकया जाता है:— ओए-1

िवभाग पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 क धारा 15(5) (बी) के अंतगत]

गठन1. 1येक िवभाग का गठन िवभाग के संकाय सद5य6 तथा ऐसे 9यि:य6 ;ारा होगा िज<ह= संबि<धत िवभाग क िसफ़ा?रश6 के आधार पर िव&ापीठ बोड ;ारा सद5य के Cप म= नािमत िकया जाए।

िवभाग का कत34य2. िवभाग6 के कत9य ह6गे :

i.िवभाग ;ारा संचाित िविभ<न पाठ्यJम6 म= के<Kीय वेश सिमित ;ारा चुने गए छाM6 को वेश देना तथा क= Kीय वेश सिमित के समN पयवेOण के अधीन ऐसे दाखले के िलए िJया िनधा?रत करना।

ii.िवभाग ;ारा संचाित 1येक पाठ्यJम के िलए कOाओं तथा िनरंतर मूRयांकन क समय-सूची अनुमोिदत करना।

iii.िशOण पद6 के सृजन तथा पद6 क समाU पर शैOिणक प?रषद के समO 5तुत करने हेतु 5ताव बनाना; iv.एमिफ़ल एवं पीएचडी िडNी के िलए शोध 5ताव पर िवचार करना तथा अYययन बोड को िसफ़ा?रश करना;

v.िविभ<न पाठ्यJम6 के िलए पाठ्यJम िववरिणका बनाना तथा उस पर समय-समय पर सुझाव देना; vi.िवभाग के सुचा\ संचालन हेतु इसके सद5य6 म= से सिमित का गठन करना तथा इन सिमितय6 को िवशेष भूिमका दान करना;

vii.इसके िशOक6 म= से छाM6 के सलाहकार/म=टर िनयु: करना;

viii.संबि<धत िवषय म= िशOण एवं शोध काय के 5तर6 म= सुधार लाने हेतु योजना 5ताव करना; और ix.संबि<धत अYययन बोड, डीन अथवा कुलपित ;ारा सbपे जाने वाले ऐसे अ<य कायc का िनdपादन

सम5 काय3भार3. 1येक संकाय के िलए शैOिणक कायभार एक सेमे5टर म= 90 िशOण िदन से कम नहf होगा। एक िशOक िशOण, परामश अथवा

अYयO ;ारा उनको सbपे गए िकसी अ<य काय के िलए िव%िव&ालय/महाि व&ालय म= कम से कम 5 घंटे उपि5थत ह6गे।

काय3 इकाई4. 1येक 9याhयान एक घंटे के िलए होगा। 90 िमिनट क 9यावहा?रक कO ाएं एक घंटे क ड्यूटी के Cप म= िगने जाएंगे।

एमिफ़ल और 5. एक िनधा?रत समय म= िकसी भी पयवेOक के पास 5 एमिफ़ल 5कॉलर से अिधक नहf ह6गे। ोफेसर,सह पीएचडी ाIयापक और सहायक ाIयापक को उनक प?रवीOा अविध पूरा होने के बाद अिधकतम Jमश: 8, 6, और छ= क> सं?या 4 पीएचडी 5कॉलर आवंिटत िकए जा सकते ह m अथवा जैसा िक समय समय पर यूजीसी ;ारा िनधा?रत िकया जाए।

गणपूि त6. बैठक के िलए गणपूि त कुल सद5य6 म= से एक ितहाई होगी, िवभाग म= बहoत कम संकाय सद5य होने क ि5थित म= नू<यतम दो सद5य6 से गणपूि त होगी िजनम= से एक संबि<धत िव&ापीठ के डीन ह6गे।

अयादेश ए-2
िवभाग के
अयB पर

[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30 (1) के अधीन]

1.1येक िवभाग म= एक अYयO ह6गे, िज<ह= िव&ापीठ के डीन के परामश से तथा व?रpता से रोटेशन के आधार पर तीन वष क अविध के िलए कुलपित ;ारा िनयु: िकया जाएगा। अYयO कम से कम सह ाIयापक के 5तर के ह6गे। जहां िकसी िवभाग म= ाIयापक अथवा सह ाIयापक नहf ह m, वहाँ सहायक

ाIयापक को व?रpता के आधार पर िवभाग के भारी के Cप म= िनयु: िकया जाएगा।

2.िवभाग के अYयO/भारी संबंिधत डीन के सामा<य मागदशन म= िननिलिखत काय कर=गे :

i.िवभाग क बैठक बुलाना तथा उसक अYयOता करना, कायवृr तैयार करना, िवभाग के िनणय6 को कायाि<वत करना तथा अगली बैठक म= ली गई कारवाई क ?रपोट 5तुत करना;

ii.िवभाग के ि शOण एवं शोध काय को 9यवि5थत करना;

iii.िवभाग के ि शOक6 के बीच ि शOण काय आवंिटत करना तथा उ<ह= िवभाग के सुचा\ संचालन हेतु आवsयक होने पर कुछ ऐसे अ<य काय भी सbपना; iv.िवभाग क ओर से सभी अ<य िवभाग6 और िव%िव&ालय ाि धकार के साथ संपक करना ;

v.ि विशt योजन हेतु उनके ;ारा िनयु: िवभागीय सिमित के काम काज का संयोजन करना; और

vi.डीन और कुलपित ;ारा दान िकए गए कुछ अ<य कत9य6 का पालन करना।

3.अYयO/भारी अपने आकि5मक अवकाश और िवशेष आकि5मक अवकाश के िलए आवेदन उनके संबि<धत डीन को 5तुत कर=गे। अ<य सभी अवकाश के िलए वे उनके आवेदन डीन के माIयम से कुलपित को द=गे।

4.अYयO/भारी मुhयालय से बाहर जाने और कत9य िनभाने म= असमथ या अिनuछुक होने पर कायभार उनके त1काल किनp सहयोगी को सbपना होगा। अयादेश ए-3
अययन बोड3 पर

[िसिकम िव%िव&ालय संि विध, 2006 के धारा 16 के अधीन]

गठन 1. 1येक िवभाग के अYययन बोड म= शाि मल ह6गे :

i. िवभाग के अYयO;

ii. ि◌वभाग के सभी ◌ाIYयापक;

iii. व?रpता Jम के अनुसार रोटेशन के आधार पर एक सह ◌ाIYयापक और दो सहायक ◌ाIYयापक; iv. ि◌व&◌ापीठ के अंतगत अ<य 1येक ि◌वभाग6 से संबि<धत ि◌वभाग क ि◌सफ़ा?रश पर एक-एक ि◌श◌ाOक; और

v. ि◌नदेशक, महाि◌व&◌ालय ि◌वकास प?रषद के ि◌सफ़ा?रश के आधार पर सबv महाि◌व&◌ालय6 के संबि<धत

ि◌वषय पढ़ाने वाले ि◌श◌ाOक6 म= से कुलपित ;◌ारा नाि◌मत अिधक से अिधक तीन ि◌श◌ाOक

vi.

ि◌सिकम के बाहर के महाि◌व&◌ालय6/ि◌व%◌ि◌व&◌ालय6 से कुलपित ;◌ारा नाि◌मत xयादा से xयादा तीन

ि◌श◌ाOक, परंतु, ऐसे ि◌श◌ाOक6 म= से कम से कम एक ि◌श◌ाOक इसी O◌ेM से ह6गे और अ<य देश के बाक

ि◌ह5स6 से ह6गे।

काय3काल 2. ि◌वभाग के अYयO और ◌ाIYयापक6 को छोड़कर सद5य6 का कायकाल तीन वष क अविध के ि◌लए होगा। जबिक, यिद ि◌वभाग के ि◌श◌ाOक6 क संhया रोटेशन के ि◌लए पयाU नहf है, तो ि◌वभाग के सद5य6 को पुन: नाि◌मत ि◌कया जा सकता है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

अयB 3. ि◌वभाग के अYयO बोड के संयोजक तथा पदेन अYयO ह6गे। कुलपित उन ि◌वषय6 के ि◌लए ि◌जनक पढ़ाई ि◌व%◌ि◌व&◌ालय 5तर पर नहf होती, ि◌कसी ि◌श◌ाOक को बोड के संयोजक और अYयO के Cप म= ि◌नयु: कर सकते है तथा ि◌कसी भी ि◌व&◌ापीठ को, ि◌जसे वे उपयु: समझे, बोड का काय सbप सकते hm।

काय3 4. बोड के काय ह6गे :

i. ि◌व%◌ि◌व&◌ालय म= संबि<धत ि◌वषय म= संचा◌ि◌लत 5नातक एवं 5नातकोrर अYययन पाठ्यJम6 से संबि<धत

सभी मामल6 पर ि◌व&◌ापीठ बोड को ि◌सफ़ा?रश करना;

ii. ि◌व&◌ापीठ बोड को 5नातक, एककृत, 5नातकोrर, एमिफ़ल और पीएचडी पाठ्यJम6 के ि◌लए परी◌ाOक6 क पैनल क ि◌सफ़ा?रश करना;

iii. ि◌व&◌ापीठ बोड को एमिफ़ल और पीएचडी उपा◌ि◌ध के ि◌लए शोध 5ताव क ि◌सफ़ा?रश करना; iv. ि◌व&◌ापीठ बोड को 5नातक और 5नातकोrर ि◌श◌ाOण म= सुधार लाने हेतु उपाय6 क ि◌सफ़ा?रश करना; और

v. ि◌व&◌ापीठ बोड, शै◌ाO◌ि◌णक प?रषद, कायका?रणी प?रषद और कुलपित ;◌ारा सbपे गए अ<य काय का

ि◌नdपादन

गणपू◌ि◌त3 5.बोड क बैठक क गणपू◌ि◌त कुल सद5य6 के एक ि◌तहाई सद5य6 से बनेगी।

बैठक 6. बोड ि◌त सेमे5टर म= कम से कम एक बैठक आयो◌ि◌जत करेगा। बोड क बैठक क सूचना बैठक क ि◌तिथ ि◌नधा?रत होने से 14 ि◌दन पहले जारी क जाएगी।

काय3वृF 7. बोड के अYयO बोड क बैठक का कायवृr रख=गे और बैठक के िनणयो को कायाि<वत कर=गे और अगली बैठक म= कारवाई ?रपोट 5तुत कर=गे।

अयादेश

ए-4

िव

ापीठ

बोड3

पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 15(3) के अधीन]

िव ापीठ बोड3 का गठन 1. िव&ापीठ बोड म= शाि◌मल ह6गे :

i. िव&ापीठ के डीन;

ii.िवYयापीठ के अंतगत िवभाग6 के अYयO/भारी;

iii.िव&ापीठ के सभी ाIYयापक;

iv.व?रpता Jम के अनुसार रोटेशन के आधार पर 1येक िवभाग से एक सह ाIYयापक और एक सहायक ाIYयापक;

v.संबि<धत डीन के िसफ़ा?रश6 के आधार पर इस िव&ापीठ के साथ िनकटता से संबि<धत दो िव&ापीठ6 म= कुलपित ;ारा नाि◌मत एक-एक ितिनिध; और

vi.कुलपित ;ारा नाि◌मत सेवािनवृr ि◌शOक6 सिहत अिधक से अिधक तीन ि◌शOक जो उन िवषय6 के ि◌वशेषz हm, ि◌जन ि◌वषय6 को संबि<धत िव&ापीठ के िवभाग6 म= पढ़ाये जाते हm, और जो िव%िव&ालय अथवा इसके सबv िकसी महाि◌व&ालय6/सं5थान6 का कमचारी नहf है। परंतु, सामा<यत: कम से कम एक 9यि: इस ओ◌ेM से ह6गे और शेष देश के शेष भाग6 से ह6गे।

काय3काल2. डीन, िवभाग6 के अYयO एवं ाIYयापक6 को छोड़कर सद5य6 का कायकाल तीन वष क अविध के िलए होगा।

अयB 3. िव&ापीठ के डीन बोड के अYयO ह6गे।

शिG एवं काय3 4. बोड क शि: एवं काय इस कार ह6गे :

i. शैO◌िणक प?रषद को िवभाग6 ;ारा उनके अYययन बोड के माIयम से ि◌विभ<न ि◌डNी के िलए ि◌विभ<न अYययन पाठ्यJम संचाि◌लत िकए जाने के ि◌वषय पर िसफ़ा?रश करना,

ii. शैO◌िणक प?रषद को ि◌शOण पद6 के सृजन अथवा समाU करने पर िसफ़ा?रश करना तथा िव&ापीठ के अधीन अYययन बोड से पीएचडी पंजीकरण हेतु ाIU शोध 5ताव6 पर ि◌वचार करना;

iii.ि◌शOण एवं शोध के मानदंड क उ<नित के िलए योजनाओं पर ि◌वचार करना तथा उसे शैO◌िणक प?रषद के समकषा उसके ि◌वचाराथ 5तुत करना।

iv.ि◌वभाग ;ारा संचाि◌लत शोध ि◌डNी सिहत सभी पाठ्यJम6 के िलए संबि<धत ि◌वभाग के अYययन बोड क िसफ़ा?रश के आधार पर परीOक6 क िनयु◌ि: करने हेतु िसफ़ा?रश करना;

v.परीOाथय6 को, िज<ह= यो{य पाया गया है और जो ऐसे िडNी ाIU करने हेतु यो{य है, शोध िडNी दान करने हेतु शैOिणक प?रषद को िसफ़ा?रश करना;
vi.िव&ापीठ के छाM6 के कRयाण के संबंध म= िकसी कार के 5ताव6 पर िवचार करना तथा उस पर अमल करना;
vii.अिधिनयम, संिविधय6 और अYयादेश6 ;ारा िनधा?रत िकए जाने वाले अ<य सभी काय का िनdपादन करना तथा शैOिणक प?रषद, कायका?रणी प?रषद तथा कुलपित ;ारा सbपे जाने वाले सभी िवषय6 पर िवचार करना, और
viii.समय समय पर बोड ;ारा िनधा?रत िकए अनुसार डीन अथवा बोड के अ<य सद5य अथवा िकसी सिमित को ऐसी शि:, सामा<य अथवा िवशेष शि: सbपना।

बैठक 5. i. बोड 1येक सेमे5टर म= कम से कम एक बैठक आयोिजत करेगा।
ii.डीन अपनी पहल से अथवा कुलपित के सुझाव से अथवा बोड के एक-ितहाई सद5य6 के िलिखत अनुरोध पर िवशेष बैठक बुला सकते हm।

गणपूित3 6. बोड क बैठक के िलए गणपूित बोड के कुल सद5य6 के एक-ितहाई सद5य6 से बनेगी।

सूचना 7. बोड क िकसी भी बैठक क सूचना बैठक क िनधा?रत ितिथ से कम से कम 14 िदन पहले भेजी जाएगी। जबिक, िकसी त1काल मह1वपूत िवषय पर िवचार करने के िलए कुलपित के अनुमोदन से 3 िदन क सूचना पर आपातकालीन बैठक बुलाई जा सकती है।

ओए-5
िव ापीठ
के डीन पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के उपबंध 5 के तहत]

िवभाग के एक िशOक के तौर पर संबि<धत िव&ापीठ के डीन के अपने सामा<य कत9य6 के अलावा िननिलिखत कत9य ह6गे :
i.संबि<धत िवभाग के अYयO और भारी के माYयम से सामा<य तौर पर िव&ापीठ के िशOण और शोध कायc का संयोजन और पयवेOण करना; ii.िवभाग6 के अYयO के माYयम से कOाओं म= अनुशासन बनाए रखना;
iii.समय समय पर शैOिणक प?रषद ;ारा िदये जाने वाले इस तरह के िदशा-िनद}श6 के अनुसार िव&ापीठ के अंतगत िवभाग6 म= परीOाओं के भारी बनना। iv.िव&ापीठ बोड क बैठक बुलाना और उसक अYयOता करना, बैठक के कायवृr रखना और बोड के िनणय6 को कायाि<वत करना। वे ली गई कारवाई क ?रपोट भी तैयार कर=गे और बोड क अगली बैठक म= 5तुत कर=गे।
v.शैOिणक प?रषद, कायका?रणी प?रषद और कुलपित ;ारा समय-समय पर उ<ह= सbपे गए ऐसे अ<य शैOिणक और शासिनक कायc का िनdपादन करना।

ओए-6
िव ापीठ के
िवभाग पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 15 के अधीन]

िव&ापीठ के अंतगत िननिलिखत िवभाग खोले जाएंगे। भिवdय म= िकसी िव&ापीठ के अंतगत

िकसी नया िवभाग यूजीसी के पूवानुमोदन से ारभ िकया जाएगा। 1.सामाजिक िवzान िव&ापीठ

अथशा~ िवभाग
इितहास िवभाग
िविध िवभाग
सामाजिक काय िवभाग
समाजशा~ िवभाग
अंतराd्रीय संबंध िवभाग
राजनीित िवzान िवभाग
शांित एवं ;ं; अYययन एवं बंधन िवभाग

2.जीवन िवzान
िवभाग
वनsपित िवzान
(बॉटनी) िवभाग
जैव ौ&ोिगक
िवभाग
उ&ािनक
िवभाग
सू म जीव
िवzान िवभाग
ाणिवzान
िवभाग

3.भौितक
िवzान
िव&ापीठ
रसायन
िवzान
िवभाग
कं यूटर
अनुयोग
िवभाग
भूिवzान
िवभाग
गिणत
िवभाग
भौितक
िवzान
िवभाग

4.भाषा एवं
साि1य
िव&ापीठ

भू◌टया
◌वभाग
चीनी ◌वभाग
अंN◌ेजी
◌वभाग
◌ह<दी
◌वभाग
लेपचा ◌वभाग
◌लबू ◌वभाग
भाषा ◌वz◌ान
◌वभाग
नेपाली
◌वभाग

5.मानव
◌वz◌ान
◌व&◌ापी
ठ
मानवशा~
◌वभाग
भूगोल
◌वभाग
मनो◌वz◌ा
न ◌वभाग

6.9यावसा◌ियक अYययन ◌व&◌ापीठ
वा5तुशा~ ◌वभाग
बंधन ◌वभाग
वा◌िणxय ◌वभाग
संगीत ◌वभाग
◌शO◌ा ◌वभाग
पु5तकालय एवं सूचना ◌वz◌ान ◌वभाग
जनसंचार ◌वभाग
पयटन ◌वभाग

ओए-

7

डीन क> सिमित पर

[◌सिकम ◌व%◌व&◌ालय सं◌विध, 2006 के धारा 22 के अधीन]

◌व%◌व&◌ालय के डीन को लेकर ◌व%◌व&◌ालय एक सिमित का गठन करेगा ◌जसे डीन सिमित के नाम से जाना जाएगा।

सिमित का गठन 1. डीन सिमित का गठन ◌ननकार से होगा :

i. कुलपित -

अYयO, पदेन अथवा

उप कुलपित, यिद कोई हो

ii.सभी ि◌व&◌ापीठ के डीन - सद5य,

पदेन

iii.कुलसिचव - सद5य-

सिचव

iv.ि◌वr अिधकारी - 5थायी

आमं◌ित

काय 2. सिमित का काय ि◌ननानुसार ह6गे :

i. रा◌ीय और अंतरा◌ीय समेलन म= भाग लेने हेतु ि◌वr◌ीय सहायता दान करने के ि◌लए ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌शO क6 के आवेदन के सब<ध म= नीि◌तय6 पर ि◌वचार करना।

ii. 5नातक, एककृत, 5नातको rर, एमिफ़ल और पीएचडी छाM6 के ि◌लए परीO◌ा का आयोजन, प?रणाम आिद से उ1प<न मामल6 म= नीि◌तय6 पर ि◌वचार करना;

iii. ि◌व&◌ापीठ6 एवं ि◌वभाग6 म= पु5तक6 एवं शोध पिMकाओं , योगशालाओं, ि◌वभाग6 को ि◌दये गए अनुदान का रखरखाव और ि◌वशेष आवंटन, यिद कोई हो, के ि◌लए ि◌निधय6 के ि◌वतरण पर ि◌वचार करना तथा उसके ि◌लए ि◌वr सिमित को ि◌सफ़ा?रश करना;

iv. यूजीसी ;◌ारा 5वीकृ◌ित ि◌शO ण/गैर-ि◌शO ण पद6 के आवंटन पर ि◌वचार करना तथा उसके ि◌लए शै O ि◌णक प?रषद/कायका?रणी प?रषद को ि◌सफ़ा?रश करना;

v. ि◌व&◌ापीठ एवं ि◌वभाग6 के सुचा\ संचालन से संबि<धत सामा<य शासिनक एवं ि◌वr◌ीय मामल6 पर ि◌वचार करना; और

vi. कायका?रणी प?रषद अथवा कुलपित ;◌ारा दान ि◌कए जाने वाले ऐसे अ<य मामले।

बैठक 3. सिमित क बैठक सद5य-सिचव ;◌ारा बुलाई जाएगी।

गणपू◌ित3 4. सिमित क बैठक के ि◌लए गणपू◌ित कुल सद5य6 के एक ि◌तहाई सद5य6 से बनेगा।

ि◌शB क, अिधकाIरय और कम3चाIरय पर ओबी शृंखला

ओबी-1

आवेदन प= क> जांच एवं चयन पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय संि◌विध, 2006 के धारा 18 के अधीन]

आवेदन क> जांच :

i. ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा सभी आवेदन-पM ऑनलाइन ◌ाIU ि◌कए जाएंगे और पारदश□ तरीके से उस पर कारवाई क जाएगी।

ii. थम ि◌वz◌ापन म= सा O◌ातकार हेतु यिद यो{य ◌ाि◌थय6 क संhया कुल ि◌मलाकर तीन से कम होती है, तो उ: पद6 के ि◌लए ि◌जन लोग6 ने पहले आवेदन ि◌कया था, ि◌फर से आवेदन करने क आवsयकता नहf है, इस शत के साथ उ: पद6 के ि◌लए पुन: ि◌वz◌ापन

िदया जाएगा। ऐसे मामल6 म= कुलपित अ<य िव%िव&ालय के कुलपित सिहत अ<य िव;ान6 के साथ भी वैयि:क संपक के आधार पर यो{य ाि थय6 के िलए पहल कर सकते हm ताि क साOाI1कार का आयोजन िकया जा सके। य&ि प, उ: पद6 को पुन: िवzाि पत करने के बाद भी यिद पाM ाि थय6 क कुल संhया तीन से कम होती है तो तीन से कम पाM आवेदक6 के साथ ही साOाI1कार आयोिजत िकया जा सकता है।

iii. ाि थय6 क ारिभक जांच िकसी अिधकारी ;ारा जो सहायक कुलसिचव के पद से कम न हो, ;ारा क जाएगी, जो इस सब<ध म= संबि<धत िवभाग के कम-से-कम दो संकाय सद5य6 से सहायता ल=गे।

iv. सभी पाM ाि थय6 को उस सेमे5टर के िलए उनके पाठ्यJम िववरिणका से संबि<धत िकसी िवषय पर 10 से 20 िमिनट तक संबि<धत िवभाग के छाM6 को पढ़ाने तथा सामूिहक चचा म= भाग लेने के िलए आमंिMत िकया जाएगा। उ<ह= छाM6, संकाय सद5य6 ;ारा rmक िदया जाएगा और उनम= से शीष छ: ाि थय6 का साOाI1कार िलए जाएंगे और उ<ह= याMा भr ा का भुगतान िकया जाएगा। अनुसूिचत जाित, अनुसूिचत जनजाित अथवा अ<य पचड़े वग के पद6 के मामले म= िव%िव&ालय 1येक पद के िलए 10 पाM ाि थय6 को बुला सकता है।

v. साOाI1कार के िलए चयिनत सभी पाM ाि थय6 को ईमेल और एसएमएस ;ारा साOाI1कार क ितिथ तथा 5थान के बारे म= साOाI1कार क ितिथ से कम से कम दो सUाह पहले सूिचत िकया जाएगा। सूची िव%िव&ालय के वैबसाइट पर भी अपलोड क जाएगी।

vi. िकसी िवशेष मजबू?रय6 के दज होने क ि5थित म= कुलपित साOाI1कार के िलए िकसी एक अथवा अिधक नहf चुने गए परंतु पाM ाि थय6 को बुला सकते हm, अ<यथा नहf।

चयन सिमित :

i. चयन सिमित का गठन यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा समय-समय पर अिधसूिचत िकए जाने के अनुसार होगा;

ii. चयन सिमित के अYयO बैठक क ितिथ एवं 5थान िनधा?रत कर=गे।

iii. सामा<यत: सद5य6 को एक सUाह क सूचना दी जाएगी।

iv.

परंतु, केवल िविजटर ;ारा नाि मत 9यि: क सुिवधानुसार से ही चयन सिमित क बैठक िनधा?रत क जाएगी। v. परंतु आगे यह भी है िक िव%िव&ालय के संिविधय6 के अनुसार बैठक क गणपूित जब तक नहf बनेगी तबतक चयन सिमित क कायवाही मा<य नहf होगी।

vi. चयन सिमित ाि थय6 क उपयु:ता के िलए कायका?रणी प?रषद के िवचाराथ िसफ़ा?रश 5तुत करेगी। ।

vii. चयन सिमित का िनणय बहoमत से Nहण िकया जाएगा। बराबरी क ि5थित म= अYयO अपना िनणायक मत का योग कर=गे।

viii. अYयO को इन अYयादेश6 म= िनिदt नहf िकए गए िवषय6 म= िJया िनधा?रत करने का अिधकार होगा।

ix. चयन सिमित अ<य ाि थय6 के साOाI1कार लेने से पहले अनुसूिचत जाित, अनुसूिचत जनजाित और अ<य िपछड़ी जाित के ाि थय6 का साOाI1कार लेगी। चयन सिमित म= यिद पहले से आरिOत वग से कोई सद5य नहf है तो आरिOत वग से भी एक

सद5य होगा।

x. चयन सिमित दज िकए जाने वाले कारण6 के साथ िकसी ाथ□ क अनुपि5थित म= उनके कायवृr िवचार कर सकती है और कायका?रणी प?रषद के
िवचाराथ िसफ़ा?रश= भेज सकती है।

xi. 1येक चयन सिमित इसके समO 5तुत ाि◌थय6 क आकलन िविध से संबि<धत अपनी िJया अपनाने के िलए सOम होगी।

xii. यिद ?र: पद6 क संhया से अिधक ाथ□ चुने जाते हm तब चयन सिमित वरीयता Jम के अनुसार ाि◌थय6 के नाम से यु: एक पैनल बनाएगी। उपयु:
पाये गए अित?र: ाि◌थय6 क एक आरिOत सूची बनेगी। आरिOत सूची इसके योग के िलए कोई अवसर आने तक अथवा साOा1कार क ितिथ से
एक वष तक गोपनीय रखी जाएगी और इसे उन िवzाि◌पत पद6 के िसवा अ<य पद6 क िनयुि:य6 के िलए िलए यु: नहf िकया जाएगा। xiii. चयन सिमित क कायवाही को कायका?रणी प?रषद ;ारा उस पर िनणय लेने तक गोपनीय माना जाएगा।

ओबी -2

िशBक क> सेवा शतJ, वेतनमान,
वगKकरण एवं योLयता पर

[िसिकम िव%िव&ालय सिविध, 2006 के धारा 23 के अधीन]

िशBण कम3चाIरय िनननानुसार पदनाि◌मत िकया जाएगा : 1.िशOण कमचा?रय6 को के सदMय

i. ाIयापक
ii.सह ाIयापक
iii.सहायक ाIयापक

वेतनमान समय-समय पर िनधा?रत िकए 2.िशOण कमचा?रय6 के वेतनमा यूजीसी/एमएचआरडी,भारत सरकार ;ारा अनुसार तथा िव%िव&ालय ;ारा अपनाए गए के अनुसार होगा। वेतन के अलावा यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा समय-समय पर अिधसूिचत के अनुसार कुछ अ<य भrे, वेतन वृि◌v, सुिवधाएं और भrे िशOक6 के िलए 5वीकाय ह6गे।

योLयता समय-समय पर यूजीसी ;ारा िनधा?रत 3.ाIयापक, सह ाIयापक और सहायक ाIयापक के पद क यो{यता िकए अनुसार होगी।

िशBक पूण3काि◌लक 4. i. इस अYयादेश के उ□ेsय के िलए "िशOक" अथात िव%िव&ालय का एकपूणकाि◌लक वेतनभोगी कम3चारी हगे
िशOक और उनका पूरा समय िव%िव&ालय के िलए समिपत ह6गे।
ii.िव%िव&ालय के िकसी भी पूणकाि◌लक वेतनभोगी िशOक कायका?रणी प?रषद क अनुमित के िबना िकसी कार के 9यापार अथवा 9यवसाय, जो भी हो, अथवा िकसी िनजी ट्यूशन अथवा अ<य काय
िजसम= िकसी कार के वेतन अथवा मानदेय िदये जाते हm, के साथ त□य अथवा परोO Cप से नहf जुड़=गे।
परंतु, िव%िव&ालय अथवा िशOण िनकाय6 अथवा लोकसेवा आयोग क परीOाओं से संबि<धत काय अथवा िकसी साि◌हि1यक कायc अथवा काशन अथवा रेि◌डयो वाता अथवा 9याhयान दान करना

अथवा कुलपित क अनुमित से िकसी भी अ<य काय करने पर यह अYयादेश लागू नहf ।

कत34य क> कृ◌ित 5. i. 1येक ि◌शOक ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ऐसी गितिविधय6 म= भाग ल=गे और ि◌व%◌ि◌व&◌ालय म= ऐसे कत9य6 का ि◌नवहन कर=गे जैसा ि◌क इस अिधिनयम के अधीन अपेि◌Oत हो और समय समय पर ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ◌ाि◌धका?रय6 ;◌ारा ि◌नद}ि◌शत हो।

ii.ि◌शOण और परीO◌ा □पM6, गृह कायc का मूRयांकन करना, □पM तैयार करना, और 9यावहा?रक परीO◌ाओं के आयोजन करने के साथ-साथ छाM6 के पेपर6/छाM6 ;◌ारा 5तुत शोध पM6 का मूRयांकन करना ि◌शOक के कत9य ह6गे। इसके अलावा, उनसे शोध काय करना, से◌िमनार और कायशाला म= भाग लेना और ि◌तिpत पिMकाओं और पु5तक6 म= अपने ि◌नdकष□ को का◌िशत करने क उमीद क जाती है।

iii.एक ि◌शOक से यह भी अपेO◌ा क जाती है ि◌क वे ि◌बना ि◌किसी अित?र: पा?र□◌िमक से ि◌विभ<न सिमितय6 म= तथा अYयO अथवा डीन और कुलपित ;◌ारा ि◌नद}ि◌शत गितिविधय6 म= भाग ल=।

पारवीB◌ा 6.सभी ि◌शOक6 के ि◌लए प?रवीO◌ा अविध पदभार Nहण करने क ि◌तिथ से एक वष क अविध के ि◌लए होगी। परंतु, कायका?रणी प?रषद ि◌किसी अिभले◌खित कारण6 से प?रवीO◌ा क शत से मु: कर सकती है अथवा ि◌किसी ि◌शOक को एक वष से अिधक अविध के ि◌लए प?रवीO◌ा पर रख सकती है।

पुO◌ीकरण 7. i. प?रवीO◌ा म= रहे ि◌शOक6 के पुि◌tकरण के मामले को कायका?रणी प?रषद के समO 5तुत करना कुलसिचव का कत9य होगा।

ii.कायका?रणी प?रषद ि◌किसी ि◌शOक क पुि◌t कर सकती है अथवा उसे पुि◌t नहf करने का ि◌नणय ले सकती है। जब कायका?रणी प?रषद ि◌किसी ि◌शOक को पुि◌t नहf करने का ि◌नणय लेती है, तब प?रवीO◌ा अविध समाU होने से कम से कम 30 ि◌दन पहले उ<ह= ि◌लिखत तौर पर सू◌िचत ि◌कया जाएगा। परंतु, ि◌किसी ि◌शOक को पुि◌t नहf ि◌कए जाने के ि◌नणय पर कायका?रणी प?रषद के उपि5थत और मतदान करने वाले दो-ि◌तहाई सद5य6 के बहoमत क आवsयकता होगी।

iii.कायका?रणी प?रषद ;◌ारा सं◌िविध 19 के अधीन ि◌नयु: ि◌किसी ि◌शOक क पुि◌t उनके कायNहण क ि◌तिथ से भावी समझा जाएगा।

वेतनवृ◌िP 8. 1येक ि◌शOक अपने वेतनमान के अनुसार तबतक वेतनवृ◌िv आहरण कर=गे जबतक कुलपित ;◌ारा 5तुत संदभ के आधार पर और ि◌शOक को अपने ि◌लिखत अ□यावेदन 5तुत करने के ि◌लए पयाU अवसर दान करने के बाद कायका?रणी प?रषद के 5ताव ;◌ारा 5थिगत नहf कर ि◌दया जाता है।

परंतु, यूजीसी ;◌ारा समय- समय पर जारी ि◌दशा-ि◌नद}श ;◌ारा ि◌नधा?रत पैमाने और मानदंड म= और उसके ि◌लए ि◌नधा?रत ऐसी ि◌तिथ से अिNम वेतनवृ◌िv उनके ि◌लए 5वीकाय होगी जो ि◌व%◌ि◌व&◌ालय णाली म= ि◌वशेष 9यावसा◌ियक ि◌डN◌ी, एमिफ़ल और पीएचडी ि◌डN◌ी के साथ वेश ि◌कया है अथवा बाद म= हा◌िसल ि◌कया है। सेवा◌िनवृ◌िF क> आयु 9.ि◌शOक के ि◌लए सेवा◌िनवृ◌िr क आयु 65 वष होगी अथवा समय-समय पर जारी यूजीसी/एमएचआरडी के आदेश के अनुसार होगी।

पदQयाग 10. कोई ि शOक कुलपित को तीन महीने पहले ि लिखत सूचना देकर अपना कायभार समाU कर सकते ह m। परंतु, यिद सूचना अविध ि कसी सेमे5टर के मYय पड़ती है तो संबि<धत ि शOक को सेमे5टर के अंत म= कायमु: ि कया जा सकता है।

अनुबंध 11. i. ि शOक और ि व%ि व&ालय के बीच एक ि लिखत अनुबंध पर ह5ताOर ि कया जाने क आवsयकता होगी। यिद ि कसी कारण से ि कसी ि शOक ;ारा अनुबंध का ि नdपादन नहf ि कया जाता है तो <याय संगतता, उिचत 9यवहार, छाM6 के समN शैO िणक ि हत6, सं5थान के सामंज5य पूण कामकाज और ि व%ि व&ालय के 5व5थ ि वकास जैसे सामा<य ि सvा ंत6 ;ारा उ<ह= ि नयं Mत ि कया जाएगा।

ii.ि वशेष अनुबंध : इस अYयादेश म= ि निहत होने के बावजूद, ि कसी ि वशेष मामले म= कायका?रणी प?रषद उिचत समझे जाने पर ऐसे ि नयम और शतc पर अनुबंध पर ि शOक6 क ि नयुि: कर सकती है। परंतु, इस उपबंध के अधीन ि कसी भी ि नयुि: एक साथ पाँच वषc से अिधक समय के ि लए नहf क जाएगी।

सेवाि नवृि F लाभ 12.ि व%ि व&ालय के ि शOक यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा समय-समय पर ि नधा?रत सेवाि नवृि r लाभ और अवकाश नकदीकरण के हकदार ह6गे।

ओबी-3

ि विव ालय के ि शBक के ि लए

शासक>य अवकाश

[ि सिकम ि व%ि व&ालय सं ि विध, 2006 के धारा 21 के अधीन]

क. Mथायी

ि शBकअवकाश के कार 1. i. 5थायी ि शOक6 के ि लए ि ननिलिखत अवकाश 5वीकाय ह6गे : क.कत9य के Cप म= माना जाने वाले अवकाश

(i) आकि5मक अवकाश

(ii) ि वशेष आकि5मक अवकाश, और

(iii) काय अवकाश

ख.कत9य के ;ारा अिजत अवकाश

(i) अिजत अवकाश

(ii) अv-वेतन अवकाश, और

(iii) प?रणत अवकाश

ग.कत9य के ;ारा अनाि जत अवकाश

(i) असाधारण अवकाश, और

(ii) अजन शोYय अवकाश

घ.अवकाश खाते म= अवकाश क ि विt नहf होती है :

(i) शैO िणक गितिविधय6 के ि लए अवकाश

(क) अYययन अवकाश, और

(ख) अYययन

ो1साहन अवकाश (ii) 5वा5□य आधा?रत अवकाश

(क) मातृ1व अवकाश

(ख) ि◌पतृ1व अवकाश, और

(ग) ि◌शशु देखभाल अवकाश

ii.असाधारण मामल6 म= शै◌ि◌णक प?रषद, जैसा ि◌क उिचत समझे, ऐसे कुछ ि◌नयम एवं शत c के आधार पर अ<य कार के अवकाश दान कर सकती है।

आकि◌Mमक 2. i. एक ि◌श◌ि◌क को ि◌दये गए आकि5मक अवकाश एक सेमे5टर म= 4 ि◌दन और एक शै◌ि◌णक वष म= 8 ि◌दन अवकाश से अिधक नहf होगा।

ii.आकि5मक अवकाश को ि◌वशेष आकि5मक अवकाश को छोड़कर ि◌कसी तरह के अ<य अवकाश के साथ संयु: नहf ि◌कया जा सकता। हालांि◌क, ऐसे अवकाश शिनवार और रिववार के सिहत अवकाश के ि◌दन के साथ संयु: ि◌कया जा सकता है। आकि5मक अवकाश के दौरान अवकाश अथवा रिववार पड़ने से उसे आकि5मक अवकाश के C प म= ि◌गना नहf जाएगा।

ि◌वशेष आकि◌Mमक 3. i. ि◌वशेष आकि5मक अवकाश एक सेमे5टर म= 5 ि◌दन और एक वष म= 10 से अिधक अविध के ि◌लए अवकाश नहf होगा जो (क) अ<य ि◌व%ि◌व&◌ालय, लोक सेवा आयोग, परी◌◌ा बोड अथवा अ<य स□श ि◌मकाय6/सं5थान6 क परी◌◌ा के आयोजन करने तथा (ख) सांि◌विधक ि◌नकाय6 से संल{न शै◌ि◌णक सं5थान6 के ि◌नरी◌ण करने के ि◌लए दान ि◌कया जा सकता है। अवकाश क गणना म= वा5तिवक या◌◌ा क ि◌तिथय6 को ि◌नकाल ि◌दया जाएगा.

ii.इसके अित?र: आकि5मक अवकाश (क) प?रवार कR याण काय म के अंतगत नसबंदी ऑपरेशन (पु\ष नसबंदी अथवा से◌िRपंगेटोमी) करने के ि◌लए ि◌दया जाता है, इस मामले म= अवकाश 6 कायिदवस तक सी◌ि◌मत होगा; और (ख) यह अवकाश एक मिहला ि◌श◌ि◌क को ि◌दया जाता है जो गैर- ज u चा नसबंदी कराती है। इस मामले म= अवकाश 14 ि◌दन तक सी◌ि◌मत होगा।

iii.ि◌वशेष आकि5मक अवकाश सं◌ि◌चत नहf ि◌कया जा सकता और न ही उसे आकि5मक अवकाश को छोड़कर ि◌कसी अ<य अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है। इसे अवकाश अथवा अवकाश के जोड़ा जा सकता है।

काय3 अवकाश 4. i. काय ि◌दवस क अविध एक सेमे5टर म= सामा<यत: 7 ि◌दन (अवकाश और या◌◌ा के ि◌दन6 को छोड़कर) से अिधक नहf होगी और सभी अवसर6 पर मंजूरी ◌ा◌ि◌धकारी ;◌ारा आव sयक समझा जाना चा◌ि◌हए।

ii.काय अवकाश ि◌ननिलिखत उ□े◌sय से ि◌दया जाता है :

क.ि व%ि व&ालय क तरफ से अथवा ि व%ि व&ालय क अनुमित के साथ समेलन, कॉNेस, संगोpी, कायशाला और सेिमनार म= भाग लेना;

ख.सं5थान6 अथवा ि व%ि व&ालय6 के आमंMण पर 9याhयान देना;

ग.भारत सरकार, राxय सरकार, ि व%ि व&ालय अनुदान आयोग अथवा अ<य ि कसी शैOि णक सं5थान ;ारा ि नयु: ितिनिधमंडल म= भाग लेना अथवा ि कसी सिमित म= काय करना और यूजीसी, एमएचआरडी आिद क बैठक म= भाग लेना;

घ.कुलपित ;ारा सbपे गए ि व%ि व&ालय के अ<य काय ि नdपादन करना ।

iii.काय ि दवस अवकाश कुलपित ;ारा 5वीकृत ि कया जाएगा।

iv.काय अवकाश का आवेदन ि वभाग क शैOि णक आवsयकता को Yयान रखते हoए ि वभाग के अYयO ;ारा सं5तुत ि कया जाएगा और उसे कुलपित क सेवा म= ि व&ापीठ के डीन ;ारा अNेि षत ि कया जाएगा।

आवेदन को सं5तुत करते समय ि वभाग के अYयO यह ि निदt कर=गे ि क ि वकRप/अित?र: शैOि णक 5थान क मांग ि कए ि बना संबि<धत संकाय सद5य6 के शैOि णक कायc के ि लए वैकि Rपक 9यव5था ि कया गया है।

v.काय अवकाश अिजत अवकाश, अv वेतन अवकाश अथवा असाधारण अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है।

अिज3त अवकाश 5. i. अिजत अवकाश एक ि शOक के ि लए 5वीकाय होगा जो, अवकाश क अिध, यिद कोई हो, ि जसके दौरान उसे आकाश के दौरान काय करने क आवsयकता होगी, क एक ि तहाई के सिहत वा5तिवक सेवा के 1/30 ि दन होगा।

वा5तिवक सेवा क गणना करने के ि लए आकि5मक, ि वशेष आकि5मक और काय ि दवस को छोड़कर सभी अवकाश अिध को ि नकाल ि दया जाएगा।

ii.एक ि शOक के अिजत अवकाश 300 ि दन से अिधक जमा नहf होगा। सामा<यत: एक समय म= अिजत अवकाश 60 ि दन से अिधक सं5तु ित नहf दी जा सकती। य&ि प, उuच ि शO ा अथवा ि शOण अथवा ि चिक1सा माणपM पर अवकाश क ि 5थित म= अथवा जब पूरे अवकाश अथवा उसके कुछ अंश भारत के बाहर ि बताए जाने पर 60 ि दन से अिधक अिजत अवकाश क मंजूरी दी जा सकती है। अP3-वेतन अवकाश 6.

अv वेतन अवकाश एक 5थायी ि शOक के ि लए 5वीकाय होगा जो सेवा के 1येक पूरे वष के ि लए 20 ि दन के ह6गे। ऐसे अवकाश ि चिक1सा माण-पM, ि नजी मामले अथवा शैOि णक उ□ेsय के ि लए दान ि कया जाता है।

ि टTपणी: एक "सेवा का पूरा वष" अथात ि व%ि व&ालय के अधीन ि निदt अविध के दौरान ि नरंतर सेवा

ि जसम= ड्यूटी म= ि बताई गई अविध के साथ-साथ असाधारण अवकाश सिहत अवकाश शाि मल हm।

पारणत अवकाश 7. िकसी 5थायी िशOक को िदये जाने वाले प?रणत अवकाश अv वेतन अवकाश के आधे िदन से अिधक नहf होगा िजसे िचिक1सा माणपM के आधार पर िननिलिखत शतc पर दान िकया जाएगा :

i. पूरे सेवाकाल के दौरान प?रणत अवकाश अिधकतम 240 िदन तक सीिमत होगा

ii.जब प?रणत अवकाश दान िकया जाता है, तब ऐसे अवकाश के दुगुना देय अv वेतन अवकाश म= से डेिबट िकया जाएगा।

iii.एक साथ िलए गए अिजत अवकाश और प?रणत अवकाश क कुल अविध एक ही समय म= 240 िदन से अिधक नहf होगी।

परंतु, इस अYयादेश के अधीन प?रणत अवकाश तब तक नहf िदया जाएगा जब तक मंजूरी देनेवाले सOम ाधिकारी को यह िव%ास नहf होता िक िशOक अवकाश समाU होने के बाद िशOक अपने काय म= वापस आएंगे।

असाधारण अवकाश 8. i. एक 5थायी िशOक को असाधारण अवकाश दान िकया जा सकता है :

क)जब अ<य कोई अवकाश 5वीकाय नहf होता है; अथवा

ख)जब अ<य अवकाश 5वीकाय हm िक<तु कोई िशOक असाधारण अवकाश के िलए िलिखत

तौर पर आवेदन करते हm;

ग)िशOक को िव%िव&ालय के बाहर एक साथ तीन महीने क अविध के िलए िकसी वेतन

यो{य िनयुि: अथवा िकसी फ़ेलोिशप के िलए काय करने के िलए असाधारण अवकाश दान िकया जाता है।

ii.इस अवकाश क अनुमित केवल ऐसे िशOक को दी जा सकती है िज<ह= उनके पद पर पुit क गई है और िज<ह6ने कम से कम तीन वष क अविध के िलए िव%िव&ालय म= सेवा दान िकया है।

परंतु आगे यह भी है िक िशOक6 को ऐसे अवकाश तब तक नहf िदया जाएगा जब तक एक िशOक पहले िदये गए असाधारण अवकाश से वापस नहf लौटे और कुछ महीनो/वषc तक सेवा दान नहf िकए है।

इस तरह के अवकाश के िलए आवेदन संबि<धत िव&ापीठ के डीन के माYयम से भेजा जाएगा जो िवभाग के िशOण 5टाफ क शि: के अनुसार उनक सं5तुित द=गे। िवशेष ि5थित को छोड़कर िकसी भी समय म= िवभाग म= 10% िशOक6 क संhया से अिधक िशOक6 को असाधारण अवकाश अYययन अवकाश और अYययन अवकाश पर अनुपि5थत रहने के िलए तभी अनुमित दी जा सकती है।

सं5तुत अवकाश अविध क समाiU के बाद िकसी िशOक के काय म= वापस लौटने िवफल होने क ि5थित म= एक िशOक उनको दान िकए गए अवकाश ारभ होने क ितिथ से उनक सेवाएँ समाU िकए जाने के िलए उrरदाई ह6गे। इसी उ□ेsय से उनको मंजूर िकए गए अवकाश (िनरंतरता म= िलए गए अ<य कार के अवकाश

सिहत) के दौरान यिद उनके ;ारा िकसी कार के वेतन और भर्े ाIU िकया गया है, तो वे उसे भी िव%िव&ालय को वापस कर=गे।

iii.क. कायका?रणी प?रषद भी अपने िववेकानुसार िकसी 5थायी िशOक, जो भारत अथवा देश के बाहर िकसी िव%िव&ालय, शोध सं5थान अथवा अ<य स□श मह1वपूण सं5थान6 म= िशOण अथवा शोध काय करने के िलए चयिनत हoए है, को असाधारण अवकाश दान कर सकती है। इस शत के अधीन उ<ह6ने िव%िव&ालय म= कम से कम तीन वष क अविध के िलए सेवा दान िकया है और उनका आवेदन डीन ;ारा िनयत Cप से अNेिषत िकया गया है;

ख.ऐसे मामले म= अवकाश अिधकतम दो वषc क अविध से अिधक नहf होगा;

ग.अ<य िकसी अवकाश होते हoए िकसी िशOक को िव%िव&ालय के बाहर काय करने के िलए िदये जानेवाली पूरी अविध वेतन रिहत होगा;

घ.िबताई गई ऐसी अविध को वेतनवृिv के िलए नहf िगना जाएगा िक<तु व?रpता के िलए िगना जाएगा। इस अविध को प=शन/अंशदायी भिवdय िनिध लाभ के िलए भी तब तक नहf िगना जाएगा जब तक िशOक अथवा िवदेशी िनयो:ोI ;ारा प=शन/अंशदायी भिवष िनिध का भुगतान नहf िकया जाता है।

iv.िशOक को िदये जाने वाले कुल असाधारण अवकाश उनके पूरे कायकाल के दौरान पाँच वष से अिधक नहf होगा।

v.असाधारण अवकाश हमेशा वेतन रिहत होगा।

vi.असाधारण अवकाश को आकि5मक अवकाश और िवशेष अवकाश को छोड़कर अ<य िकसी भी अवकाश के साथ संयु: िकया जा सकता है, परंतु, िचिक1सा के आधार पर िलए गए अवकाश के मामले को छोड़कर काय से िनरंतर अविध के िलए अनुपि5थित अथवा अवकाश (अवकाश क अविध सिहत) अिधकतम तीन वष से अिधक नहf होगा। सेवा से लगातार अनुपि5थित क कुल अविध िकसी भी ि5थित म= सब िमलाकर पाँच वषc से अिधक नहf होगी।

vii.अवकाश दान करने हेतु सOम ाधिकारी अवकाश के िबना अनुपि5थित क अविध को पूव9यापी Cप से असाधारण अवकाश म= प?रवितत कर सकते हm।

अज3न शोय 9. i. अजन शोYय अवकाश कुलपित के िववेकानुसार 5थायी िशOक6 को िदया जा सकता है जो उनके पूरे अवकाश कायकाल के दौरान 360 िदन क अविध से अिधक नहf होगा िजनम= से ऐसे अवकाश एक साथ 90 िदन से और सब िमलाकर 180 िदन से अिधक नहf होगा, अ<यथा िचिक1सा माणपM के आधार पर ऐसे अवकाश िदया जा सकता है। ऐसे अवकाश6 को उनके ;ारा अिजत अv-वेतन अवकाश म= से बाद

म= डेिबट िकया जाएगा।

परंतु, िजन िशOक6 को मूल पद6 म= प?रवीOा पर िनयु: िकया जाता है, उ<हे अजन शोYय अवकाश दान करने के िलए "प?रवीOाथ□" के Cप म= माना जाएगा।

ii.अजन शोYय अवकाश तब तक दान नहf िकया जाएगा जब तक कुलपित को यह सतुि◌t नहf होती िक िशOक अवकाश के बाद काय पर वापस लौट=गे और िदये गए अवकाश अिजत कर=गे।

iii.िजस िशOक को अजन शोYय अवकाश दान िकया जाता है उ<ह= तब तक कायभार 1याग करने क अनुमित नहf दी जाएगी जब तक सिJय सेवा के ;ारा अवकाश खाते के डेिबट अवकाश पूरा नहf िकया जाता है अथवा उसे अिजत नहf करने पर उनको िदये गए वेतन अथवा भrे को वापस नहf िकया जाता है। जहां िकसी िशOक के िलए अ5व5थता के कारण आगे क सेवा दान करने म= असमथता के कारण सेवािनवृr होना अप?रहाय हो जाता है, वहाँ अवकाश के दौरान अिजत िकए जाने वाले अवकाश वेतन क वापसी को कायका?रणी प?रषद ;ारा मु: िकया जा सकता है।

परंतु, कायका?रणी प?रषद अिभलेिखत िकए जाने वाले कारण6 हेतु अवकाश अिध के दौरान अभी भी अिजत िकए जाने वाले अवकाश वेतन क वापसी मु: कर सकती है।

अययन अवकाश 10. i. अYययन अवकाश क योजना संकाय6 को, जो नूतन zान अथवा िव□ेषण कौशल6 म= सुधार करने के िलए इuछुक है, छाIMवृिr/अYयेतावृित का लाभ उठाने के िलए एक अवसर दान करता है। जब एक िशOक को आगे के अYययन के िलए पीएचडी/पो5ट डॉटरल यो{यता हाि◌सल करने अथवा िवदेश के उuच िशOण सं5थान6 म= शोध प?रयोजना शुC करने के िलए छाIMवृिr अथवा वजीफा दान िकया जाता है, तब छाIMवृिr/फ़ेलोिशप क राि◌श को उनके मुhय सं5थान ;ारा ◌ाIUकताओं को भुगतान िकए गए वेतन के साथ जोड़ा नहf जाएगा। ◌ाIUकताओं को फ़ेलोिशप/छाIMवृिr क पूरी अविध के िलए वेतन का भुगतान िकया जाएगा, इस शत के अधीन वे आयोजक देश म= िशOण जैसे िकसी भी रोजगारो<मुख काय म= िनयु: नहf हो।

ii. अYययन अवकाश पर रहनेवाले िशOक अवकाश के दौरान भारत म= अथवा िवदेश क िकसी भी सं5था म= िकसी कार क िनयिमत अथवा अंशकालीन िनयुि◌: नहf कर सक= गे। हालांि◌क, भारत म= अथवा िवदेश के िकसी भी सं5थान म= िनयिमत िनयुि◌: को छोड़कर मानदेय अथवा अ<य िकसी कार क आिथक सहायता पर अYयेतावृिr अथवा शोध छाIM वृिr Nहण करने अथवा िकसी तदथ िशOण और शोध काय करने के िलए अनुमित दी जा सकती है। परंतु, यिद यह बहoत अपेि◌Oत हो, तो उनके मुhय कायालय क कायका?रणी प?रषद इस संबंध म= ◌ाIU रसीद के संदभ म= िशOण आिद के 5थान पर कम िकए गए वेतन और भrे पर अYययन अवकाश क मंजूरी दी जा सकती है, जैसा िक उनके िनयो:◌ा दारा िनधा?रत िकया जाए।

iii.अYययन अवकाश शारी?रक िशO◌ा और खेलकुद डीपीई एवं

एस (ि व%ि व&ालय/महाि व&ालय सह ाIयापक अथवा ाIयापक6 को छोड़कर, जो अYययन अवकाश के यो{य हो) के सहायक ाIयापक/सहायक पु5तकालयाIयO/ सहायक ि नदेशक के Cप म= वेश-5तर पर ि नयु: को ि व%ि व&ालय/ महाि व&ालय/ सं5थान म= नू<यतम तीन वष क ि नरंतर सेवा दान करने पर उनके काय से सीधे संबि<धत ि वशेष अYययन अथवा शोध काय करने अथवा काय क पूण योजना 5तुत करते हoए ि व%ि व&ालय संगठन6 क ि विभ<न पहलुओं और ि शOा क पvि त के अYययन के ि लए दान ि कया जा सकता है।

iv.अYययन अवकाश संबि<धत ि वभाग के अIयO क सं5तु ि त पर कायका?रणी प?रषद ;ारा दान ि कया जाता है। यह अवकाश एक साथ तीन वष से अिधक अविध के ि लए नहf ि दया जाएगा, पर ि कसी ि वशेष ि 5थित म=, ि जससे कायका?रणी प?रषद को यह संतु ि t होती है ि क ऐसे अवकाश का ि व5तार शैO ि णक □ि t से अप?रहाय है और ि व%ि व&ालय/महाि व&ालय/सं5थान के ि हत म= आवsयक है, तो इससे बचा जा सकता है।

v.अYययन अवकाश ऐसे ि शOक नहf ि दया जाएगा जो अवकाश समाU होने के बाद काय म= वापस लौटने क 1याि शत ि तिथ से पाँच वषc के अंदर सेवाि नवृr होने वाले है।

vi.अYययन अवकाश ि कसी ि शOक के कायकाल के दौरान दोबार से अिधक नहf ि दया सकता है। हालांि क, ि कसी भी प?रि 5थित म= 5वीकाय अYययन अवकाश क अिधकतम अविध पूरे कायकाल म= पाँच वष से अिधक नहf होगी।

vii.अYययन अवकाश एकबार से अिधक दान ि कया जा सकता है, वशत} ि क ि कसी ि शOक को ि दये गए अYययन अवकाश क पूव अविध समाU होने के बाद काय पर वापस लौटने क ि तिथ से लेकर पाँच वष से कम नहf ि बताई है और संबि<धत ि शOक पूव अवकाश क अविध के दौरान ि कए गए काय को 5तुत कर=गे और 5ताि वत अYययन अवकाश क अविध म= ि कए जाने वाले काय का ि ववरण भी द=गे।

viii.ि जन ि शOक6 को अYययन अवकाश दान ि कया गया है, उ<ह= अYययन पाठ्यJम अथवा शोध कायJम कायका?रणी प?रषद क अनुमित के ि बना काफ हद तक बदलने क अनुमित नहf दी जाएगी। 5वीकृत अYययन अवकाश क अविध से अYययन पाठ्यJम के कायJम कम पड़ जाने क ि 5थित म= ि शOक अYययन पाठ्यJम क समाि U पर काय Nहण कर=गे, नहf तो कायका?रणी प?रषद के पूव अनुमोदन को ि गरावट क अविध को असाधारण अवकाश के Cप म= माना जाता है।

ix.काय से अवकाश पर अिधकतम अविध के ि लए अनुपि5थत रहने क ि 5थित म=, जो ि क तीन वष से अिधक न हो, अYययन अवकाश को अिजत अवकाश, अv वेतन अवकाश, अवकाश के असाधारण अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है । इस शत के अधीन ि शOक के अवकाश खाते म= जमा अिजत अवकाश का ि शOक के

ि◌ववेकानुसार लाभ उठाया जाएगा। जब अYययन अवकाश ि◌कसी अवकाश क ि◌नरंतरता म= ि◌लया जाता है, तब अYययन अवकाश क अविध को अवकाश समाU होने क ि◌तिथ से ◌ारभ माना जाएगा। ि◌कसी ि◌शO◌क यिद अYययन अवकाश के दौरान ि◌कसी उuच पद के ि◌लए चयिनत होते हm, तो उ<ह= उस पद म= रखा जाएगा और उ<ह= पदभार Nहण करने के बाद ही केवल उuच वेतनवार ◌ाIU ह6गे।

x.अYययन अवकाश क अविध को सेवाि◌नवृि◌r लाभ (प=शन/अंशदायी भिवdय ि◌निध) के उ□◌ेsय से सेवा के Cप म= ि◌गना जाएगा, वशत} ि◌क उनके अYययन अवकाश समाU होने के बाद ि◌व%ि◌व&◌ालय/महाि◌व&◌ालय/सं5थान म= पुन: कायभार Nहण करते हm और वे उस अविध के ि◌लए सेवा दान कर=गे ि◌जसके ि◌लए अनुबंध ि◌कया गया था।

xi.अYययन अवकाश क मंजूरी होने के बाद 12 महीन6 तक यु: नहf करने क ि◌5थित म= अYययन अवकाश को र□ माना जाएगा, परंतु, जहां अYययन अवकाश र□ ि◌कया गया है, वहाँ ि◌शO◌क पुन: ऐसे अवकाश के ि◌लए आवेदन कर सकते हm।

xii.अYययन अवकाश ◌ाIU करनेवाले ि◌शO◌क यह वचन द=गे ि◌क वे अYययन अवकाश समाU होने के बाद कायNहण करने क ि◌तिथ से कम-से-कम तीन वषc क अविध के ि◌लए ि◌व%ि◌व&◌ालय/ महाि◌व&◌ालय/सं5थान म= ि◌नरंतर सेवा दान कर=गे।

xiii.एक ि◌शO◌क –

क)जो ि◌शO◌क उनको दान ि◌कए गए अYययन अवकाश क अविध के दौरान अपना अYययन पूरा करने म= असमथ है, अथवा

ख)जो ि◌शO◌क अपने अYययन अवकाश समाU होने के बाद ि◌व%ि◌व&◌ालय म= पुन: कायNहण करने म= ि◌वफल होता है, अथवा

ग)जो ि◌शO◌क ि◌व%ि◌व&◌ालय म= तो कायNहण करता हm ि◌क<तु सेवा म= पुन: कायNहण करने के बाद

ि◌नधा?रत अविध को पूरा ि◌कए ि◌बना ही कायभार 1याग करते है, अथवा

घ)ि◌जसको ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा उं: अविध के दौरान सेवा से बखा5त ि◌कया जाता है अथवा हटाया जाता है,

ि◌व%ि◌व&◌ालय/महाि◌व&◌ालय/सं5थान को उनके अYययन पाठ्यJम के स बंध उनको अथवा उनके वा5ते भुगतान ि◌कए गए अवकाश वेतन और भr◌े और उस ि◌शO◌क पर हoए अ<य 9यय रा◌ि◌श को वापस करने के ि◌लए उrरदायी ह6गे।

MपO◌ीकरण:

यिद कोई ि◌शO◌क अYययन अवकाश क समय सीमा बढ़ाने क मांग करता है और उ<हे विधत समय सं5तुत नहf ि◌कया जाता

है, ि क<तु जो ि शOक मूल Cप से सं5तुत अवकाश समाU होने के बाद पुन: कायNहण नहf करता है, तब इन ि दशाि नद}श6 के तहत देय रा ि श वापस ◌ाIU करने के उ□ेsय से उ<ह=

उनके अवकाश समाU होने के बाद कायNहण करने के ि लए ि वफल माना जाएगा।

उपरो: के होते हoए भी, कायका?रणी प?रषद यह आदेश दे सकती है ि क ये ि दशा-ि नद}श उस ि शOक पर लागू नहf ह6गे, ि ज<ह= अYययन अवकाश से लौटकर काय Nहण करने के बाद तीन वष के अंदर ि चिक1सा के आधार पर सेवाि नवृr होने क अनुमित दी जाती है, परंतु आगे यह भी है ि क कायका?रणी प?रषद ि कसी भी ि वशेष ि5थित म= अिभलेि खत ि कए जाने वाले कारण6 के ि लए इन ि दशा-ि नद}श6 के तहत ि शOक ;◌ारा वापस क जानेवाली रा ि श को मु: अथवा कम कर सकती है। xiv.अवकाश सं5तुत होने के बाद ि शOक को अवकाश ि लए जाने से पहले ि व%ि व&◌ालय/ महाि व&◌ालय/सं5थान के नाम पर एक बंधपM का पालन करना होगा, ि जसम= वे उपरो: पैरा सं. 11 म= उRलेि खत शतc को उनके ;◌ारा ि विधवत पूरा करने के ि लए बाYय ह6गे और ि वr अिधकारी क संतु ि t हेतु उनके अचल सपिrय6 क सुरO◌ा दान कर=गे अथवा उपरो: पैरा सं. 11 के अनुसार ि व%ि व&◌ाल/महाि व&◌ालय/सं5थान को वापस ि कए जानेवाली रा ि श के ि लए ि कसी बीमा कंपनी अथवा ि कसी अनुसूि चत बmक ;◌ारा दी गई ि तभूि त अथवा दो 5थायी ि शOक6 क सुरO◌ा दान करनी होगी।

xv.अYययन अवकाश म= रहने वाले ि शOक6 को उनके मुhय ि व%ि व&◌ालय/महाि व&◌ालय/ सं5थान के कुलसिचव/◌ाचाय को 1येक छ:माह म= उनके पयवेOक/सं5थान के अYयO से ◌ाIU उनके अYययन क गित ?रपोट 5तुत करना होगा। यह ?रपोट अYययन अवकाश के 1येक छमाही समाU होने के बाद एक महीने के अंदर कुलसिचव/◌ाचाय को 5तुत करना होगा।

xvi.अYययन अवकाश म= रहने वाले ि शOक उनके अYययन अवकाश अविध समाU होने के बाद एक ि व5तृत ?रपोट 5तुत कर=गे। अYययन अवकाश अविध के दौरान 5तुत ि कए गए शोध द5तावेज़/पा□डु ि लिप/शैO ि णक □पM क एक ि त सावजिनक डोमेन पर, खास तौर पर ि व%ि व&◌ालय/महाि व&◌ालय/सं5थान के वैबसाइट पर 5तुत करना होगा,

xvii.संकाय सद5य6 को ि वशेषत: सहायक ◌ाIYयापक पद के किनp संकाय6 के z◌ान और कौशल को बढ़ाने क ि दशा म= ि व%ि व&◌ालय6/महाि व&◌ालय6/सं5थान6 और उसके अधीन ि वभाग6 के अYयO को संकाय सद5य6 के ि हत म= उदार बनकर अYययन अवकाश दान कर= ताि क ि व%ि व&◌ालय6/

महाि व&ालय6/सं5थान6 के शैOि णक मानक6 को दीघकालीन Cप से भाि वत कर=।

अययन अवकाश 11. i. ि व%ि व&ालय के पूणकालीन 5थायी ि शOक6 को, ि ज<ह6ने छ: वषc क सेवा पूरी ि कया है, अपनी दOता और ि व%ि व&ालय के ि लए उपयोि गता बढ़ाने के उ□ेsय से अYययन अथवा शोध अथवा अ<य शैOि णक गितिविधयां शुC करने के ि लए अYययन अवकाश ि दया जा सकता है। यह अवकाश उन ि शOक6 को नहf ि दया जा सकता ि जसके पास सेवाि नवृत होने के ि लए तीन वष से कम सेवाविध शेष है।

ii.अवकाश क अविध एक वष से अिधक नहf होगी और पुन: छ: वषc क ि नरंतर सेवा पूरी करने के बाद ही केवल ऐसे अवकाश के यो{य ह6गे।

iii.ि शOक को अYययन अवकाश के मामले म= एक ऐसे अनुबंध का उिचत ि न□यता के साथ पालन करना होगा ि क अYययन अवकाश समाU होने के बाद वे ि व%ि व&ालय के काय म= वापस लौट=गे और उसके बाद कम से कम तीन वषc तक सेवा दान कर=गे और ऐसा करने म= ि वफल होने पर वे अवकाश वेतन, भrे और उनके ऊपर ि कए गए 9यय अथवा उनके नाम से हoए अ<य ि कसी 9यय अथवा कायका?रणी प?रषद ;ारा समय समय पर ि नधा?रत ऐसी रा ि श वापस कर=गे।

परंतु, कायका?रणी प?रषद अिभिलखत ि कए जाने वाले कारण के ि लए इस अYयादेश के अंदर ि कसी ि शOक ;ारा वापस ि कए जाने वाली रा ि श को मु: कर सकती है अथवा कम कर सकती है। iv.अYययन अवकाश क अविध के दौरान ि कसी ि शOक को उनके अYययन अवकाश के तुरंत पहले लागू दर पर पूण वेतन और भrे (ि नधा?रत शतc को पूरा ि कए जाने क ि 5थित म=) का भुगतान ि कया जाएगा। जबिक, ि व%ि व&ालय उस पद पर भत□ अथवा अित?र: 9यय लगाकर अ<य वैकि Rपक 9यव5था नहf करेगा।

v.अYययन अवकाश म= रहनेवाले कोई ि शOक उस अवकाश अविध के दौरान भारत और ि वदेश के कोई अ<य सं5थान6 म= ि कसी कार के ि नयिमत ि नयु ि: नहf ले सक= गे, जबिक, उuच अYययन के ि कसी सं5थान म= ि नयिमत रोजगार को छोड़कर मानदेय अथवा सहायता के अ<य ि कसी Cप म= अYयेतावृ ि r अथवा ि कसी शोध छाIMवृ ि r अथवा तदथ ि शOण और शोध काय 5वीकार करने क अनुमित दी जाएगी, इस शत के अधीन ऐसे मामल6 म= यिद यह ऐसा अिधक वां ि छत है, तो कायका?रणी प?रषद कम वेतन और भrे पर सं5तु ि त से सकती है।

vi.अYययन अवकाश के दौरान ि शOक को ि नयत ि तिथ म= वेतनवृ ि vत आहरण करने के ि लए अनुमित दी जाएगी। अवकाश क अविध को प=शन/अंशदायी भिवdय ि निध के उ□ेsय से सेवा के Cप म= भी ि गना जाएगा, इस शत के अधीन ि शOक उनके अवकाश समाU होने के बाद ि व%ि व&ालय म= पुन: कायNहण कर=। अवकाश से वापसी पर ि शOक अवकाश अविध के दौरान ि कए गए उनके

अYययन, शोध और अ<य काय क कृ◌ित पर ि◌व%◌व&◌ालय को एक ?रपोट 5तुत कर=गे। वे ि◌वभाग के अYयO ;◌ारा ि◌वशेषत: उसी उ□◌ेsय से आयोि◌जत ि◌व&◌ापीठ 5तर के सेि◌मनार म= अपने कायc का एक ि◌ववरण भी 5तुत कर=गे।

मातृQव अवकाश 12. i. एक मिहला ि◌शOक को दो से कम जीि◌वत बuच6 के ि◌लए अिधकतम 180 ि◌दन क अविध के मातृ1व अवकाश दान ि◌कया जा सकता है और ि◌जसका लाभ वे उनके पूरे कायकाल म= दो बार उठा सकती है।

मातृ1व अवकाश गभपात सिहत अकाल सव के मामले म= भी इस शत पर दान ि◌कया जा सकता है ि◌क आवेदन ि◌कए गए ऐसे अवकाश कुल ि◌मलकर 45 ि◌दन से अिधक नहf हो और अवकाश के ि◌लए आवेदन ि◌कसी ि◌चिक1सा माणपM ;◌ारा समिथत हो।

ii.मातृ1व अवकाश अिजत अवकाश, अv वेतन अवकाश अथवा असाधारण अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है, ि◌क<तु मातृ1व अवकाश के साथ लगातार ि◌कसी अ<य अवकाश के ि◌लए ि◌दए गए आवेदन पर तभी सं5तुि◌त दान क जा सकती है जब उस ि◌नवेदन ि◌कसी ि◌चिक1सा माणपM ;◌ारा समिथत हो।

ि◌पतृQव अवकाश 13. i. ि◌कसी पु\ष ि◌शOक को उनक प1नी क सू◌ित के दौरान 15 ि◌दन के ि◌पतृ1व अवकाश ि◌दया जा सकता है, इस शत के अधीन यह अवकाश दो बuच6 तक सी◌मित होगा।

ii.द5तक Nहण अवकाश क= K सरकार के ि◌नयम6 के अनुसार ि◌दया जा सकता है।

ि◌शशु देखभाल 14. छोटे बuच6वाली मिहला ि◌शOक6 को उनके ि◌शशुओं क देखभाल करने के ि◌लए दो वषc तक अवकाश ि◌दया अवकाश जा सकता है। मिहला ि◌शOक6 को उनके पूरे कायकाल म= क= K सरकार के मिहला कमचा?रय6 क तरह अिधकतम दो वषc (730 ि◌दन) के ि◌शशु देखभाल अवकाश दान ि◌कया जा सकता है। ि◌शशु देखभाल अवकाश क अविध 45 ि◌दन से अिधक होने क ि◌5थित म= ि◌व%◌व&◌ालय यूजीसी को सू◌चित करते हoए ि◌कसी अंशकालीन/अितिथ ि◌वकRप ि◌शOक6 को ि◌नयु: कर सकता है।

अवकाश 15. i. अनुसंधान ि◌वभाग6 म= ि◌नयु: ि◌शOक6 को छोड़कर सभी ि◌शOक अवकाश के हकदार ह6गे। यह अवकाश आकि5मक अवकाश और ि◌वशेष आकि5मक अवकाश को छोड़कर ि◌कसी कार के अवकाश के साथ जोड़कर ि◌लया जा सकता है, इस शत के अधीन अवकाश के साथ अवकाश के पहले और बाद म= दोन6 तरफ से जोड़ा नहf जाएगा।

ii.ि◌वशेष प?रि5थित को छोड़कर एकसाथ ि◌लए गए अवकाश और अिजत अवकाश6 को ि◌कसी शैO◌िणक वष म= छ: महीने से अिधक बढ़ाया नहf जाएगा।

iii.अवकाश क दो अविधय6 के बीच जब छु□◌ी पड़ती है और ि◌जसके प?रणाम 5वCप पूरे अविध के दौरान काय से ि◌नरंतर अनुपि5थित होती है तो ऐसी अवकाश को अवकाश के भाग के Cप म= माना जाएगा।

iv.अवकाश क अविध के दौरान ि◌शOक ड्यूटी म= रहते समय ◌ाIU ि◌कए जाने वाले वेतन क तरह एक जैसे वेतन ◌ाIU करने के ि◌लए हकदार

ह6गे। य&िप, यिद िकसी िशOक को इ5तीफा देने के िलए सूचना दी जाती है और ऐसी सूचना क अविध अवकाश के दौरान अथवा उसके अंितम िदन से एक महीने के अंदर समाU होती है तो, वे अपने वेतन के केवल आधे वेतन ाIU करने के िलए हकदार ह6गे।

ख. पारवीBा आधारित िशBक

16. िकसी मौिलक ?रि:य6 पर प?रवीOाधीन के Cप म= प?रवीOा के िलए िनधा?रत िनयम और शतc के साथ िनयु: िशOक6 को प?रवीOा अविध के दौरान 5थायी िशOक6 के िलए 5वीकाय अवकाश दान िकया जाएगा।

ग. अMथायी िशBक

17. अ5थायी िशOक के Cप म= िनयु: िकसी िशOक को िननिलिखत शतc पर 5थायी िशOक6 के िलए 5वीकाय अवकाश के अनुCप अवकाश दान िकया जाएगा:

i. अ5थायी िशOक6 को तबतक िकसी कार के अv वेतन अवकाश नहf िदया जाएगा जबतक अवकाश मंजूर करनेवाले ाधिकार6 को यह िव%ास नहf होता है िक ऐसे अवकाश क समाU होने के बाद िशOक अपने काय पर वापस लौट=गे।

ii. अ5थायी िशOक अv वेतन अवकाश के िकसी भी अंश को बदलने के िलए हकदार नहf ह6गे। iii.अ5थायी िशOक के मामले म= िकसी भी अवसर पर िलए गए असाधारण अवकाश क अविध िननिलिखत सीमा से अिधक नहf होगी :

क)एक समय म= तीन माह;

ख)छः माह, जहां एक िशOक ने तीन वष के सतत सेवा पूरी कर िलया है और अवकाश के आवेदन िकसी िचिक1सा माणपM ;ारा समिथत होता है;

ग)अठारह महीने, जब एक िशOक के टीबी, कक रोग अथवा कुp रोग क िचिक1सा चल रहा है; घ) i. उन मामल6 म= चौबीस िदन, जहां िव%िव&ालय के िहत म= होना माणित होने पर अYययन के िलए अवकाश क आवsयकता हो, बशत□ िक। वह िशOक ने असाधारण अवकाश के ारभ क ितिथ को तीन वष क सतत सेवा पूरी कर ली हो। कुछ मामल6 म= जहां यह शत नहf होती है, वहाँ उनको देय और आवेदन िकए गए िकसी अ<य कार के अवकाश (उपरो: (क) के तहत तीन महीने के असाधारण अवकाश सिहत) के Cपा<तरण म=, यिद वह िशOक ने ऐसे अवकाश के समाU होने क ितिथ को तीन वषc क सतत सेवा पूरी करते है, तो उनको असाधारण अवकाश क मंजूरी दी जा सकती है । ii.जब कभी िकसी अ5थायी िशOक उनको दान िकए गए असाधारण अवकाश क अधिकतम अविध के समाU होने के बाद पुन: कायभार Nहण करने म= िवफल होता है अथवा जब

कभी एक ि◌शOक, ि◌ज<ह= कम से कम अवकाश दान ि◌किया जाता है, और कत9य6 से उनक अनुपि5थित क अविध उपरो: (क) के तहत ऐसे अवकाश दान ि◌कए जा सकने वाली अविध समाU हो जाती है, यह माना जायेगा ि◌क ि◌शOक ने 1यागपM दे ि◌दया है. कायका?रणी प?रषद असाधारण प?रि5थित के मामल6 को देखते ह◌ुए ि◌वपरीत ि◌निणय ले सकती है और उ: ि◌शOक क सेवा ले सकती है ।

iii.अ5थायी ि◌शOक अजनशोYय अवकाश, अYययन अवकाश और अYययन ि◌व□◌ाम अवकाश जैसे अवकाश के अिधकृत नहf ह6गे ।

iv.एक अ5थायी ि◌शOक को केवल इस शत पर शीतकालीन अवकाश के भुगतान के ि◌लए हकदार माना जाएगा, यिद उ<ह6ने शैO◌िणक वष ◌ारभ होने क ि◌तिथ से लेकर दो महीन6 के अंदर काय Nहण ि◌किया है और कायNहण क ि◌तिथ से सM के अं◌ितम काय ि◌दवस तक ि◌निरंतर और संतोषपूवक ढंग से काय ि◌किया है।

v.अ5थायी ि◌शOक6 को अवकाश के दौरान वेतन का भुगतान ि◌किया जा सकता है, यिद उनक ि◌नयु◌ि: अगले सेमे5टर के कुछ ि◌ह5से अथवा पूरे सेमे5टर के ि◌लए जारी रहती है और ि◌शOक6 ने ◌ारभ के ि◌दन को ही कायNहण ि◌किया है और अवकाश से पहले अं◌ितम काय ि◌दवस तक भी सेवा दान क है।

घ.अनुबंध आधाIरत ि◌शBक

18. अनुबंध के आधार पर ि◌नयु: ि◌शOक6 को अनुबंध के शतc के अनुसार अवकाश दान ि◌किया जाएगा

ङ. मानद एवं अंशकाि◌लक ि◌शBक

19. ि◌व%ि◌व&◌ालय के मानद और अंशकाि◌लक ि◌शOक ि◌व%ि◌व&◌ालय के पूणकाि◌लक अ5थायी ि◌शOक6 के ि◌लए लागू एक जैसे शतc के आधार पर अवकाश के ि◌लए हकदार ह6गे।

च.सामाIXय

अवकाश कैसे ि◌वदेश सेवा म= ि◌बताई गई अविध के दौरान अिज3त अवकाश वेतन के ि◌लए अंशदान का भुगतान ि◌किया जाता है तो, उस अविध को ड्यूटी के Cप म= ि◌गना जाता है।

20. i. अवकाश केवल कत9य6 के ;◌ारा ही अिजत ि◌किया जाता है। यिद अवकाश ि◌किया जा सकता है, जब यिद ऐसी कारवाई ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌हत म= होती है।

ii. क. अवकाश6 को अिधकार के Cप म= दावा नहf ि◌किया जा सकता है। ि◌किसी भी कार के अवकाश6 को सOम अिधकारी ;◌ारा ि◌बना ि◌किसी कारण दशाये तभी अ5वीकार अथवा रोका जा सकता है।

ख. जब सOम अिधकारी ;◌ारा ि◌किसी ि◌शOक को सेवा से खा?रज ि◌किए जाने, हटाये जाने अथवा

अिनवाय Cप से सेवाि◌नवृr ि◌कए जाने का ि◌नणय ि◌लया जाता है

और जब वे ि◌नलं◌बत रहते है, तो संबि<धत ि◌शO क6 को

ि◌कसी कार का अवकाश नहf ि◌दया जाएगा।

अवकाश के ि◌लए iii.अवकाश के ि◌लए हमेशा अिNम Cप से आवेदन ि◌कया जाना

चाि◌हए और आपातकालीन और आवेदन संतोषजनक कारण6 के

मामल6 को छोड़कर अवकाश पर जाने से पहले सOम अिधकारी क सं5तु◌त

◌ाIU करनी चाि◌हए।

अवकाश क> समाि◌Y iv.अवकाश म= रहनेवाले ि◌कसी ि◌शO क उनको दी गई अवकाश अविध के

समाU होने से पहले काय पर

से पहले वापस नहf आ सकते हm, जब तक अवकाश मंजूरी अिधकारी ;◌ारा उ<ह=

ऐसा करने के ि◌लए अनुमित

पुन: काय35हण नहf दी जाती है।

करना

ि◌चिकQसा आधाIरत v. ि◌शO क जो ि◌चिक1सा के आधार पर अवकाश के ि◌लए आवेदनकरता

है, वे उनेक आवेदनके साथ

अवकाश ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ि◌चिक1सा अिधकारी अथवा जहां ऐसे ि◌चिक1सा

अिधकारी ि◌नयु: नहf ि◌कया गया

है, वहाँ ि◌कसी ◌ाि◌धकृत ि◌चिक1सक ;◌ारा जारी समिथत माणपM संल{न कर=गे।

हालां◌ि◌क, अवकाश

मंजूर करनेवाले सOम अिधकारी को एक ि◌चिक1सा बोड के समO 5तुत करने के ि◌लए

आवेदनकारी

क आवsयकता हो सकती है। ि◌कसी ि◌चिक1सा अिधकारी अथवा बोड ;◌ारा ि◌कसी ि◌शO क

को आगे

क सेवा दान करने के ि◌लए 5थायी Cप से असमथ होने के ि◌लए दी गई 5पt ि◌तिथ के बाद

ि◌चिक1सा

माणपM के आधार पर ि◌शO क को अवकाश दान अथवा अवकाश का ि◌व5तार नहf ि◌कया

जाएगा।

ि◌चिकQसा आधाIरत vi.कोई भी ि◌शO क,ि◌ज<ह=ि◌चिक1सा माणपM के आधार पर अवकाश

(आकि5मक अवकाश को

अवकाश छोड़कर) दान ि◌कया गया है, 5व5थता माणपM 5तुत ि◌कए ि◌बना काय

पर वापस लौटने क अनुमित

के बाद पुन: नहf दी जाएगी।

काय35हण

अवकाश के दौरान vii.अवकाश म= रहनेवाले ि◌शO क ि◌व%◌ि◌व&◌ालय क ि◌लिखत अनुमित के

ि◌बना ि◌कसी भी 9यापार अथवा

रोजगार कारोबार म=, ि◌जसम= वेतन अथवा मानदेय जुड़ा हoआ है, 1यO अथवा

परोO Cप से ि◌नयु: नहf ह6गे

परंतु यह ि◌नषेध ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अथवा लोक सेवा आयोग, ि◌शO◌ा बोड अथवा स□श

ि◌नकाय6/सं5थान6

क परीO◌ा से संबि<धत काय अथवा सा◌ि◌हि1यक काय अथवा काशन, अथवा रे◌ि◌डयो अथवा

9याhयान दान अथवा कुलपित क अनुमित से अ<य िकसी शैOिणक काय करने के िलए लागू नहf होगा।

अवकाश के दौरान िकसी भी 9यवसाय 5वीकार करने हेतु अनुमित दान िकए जाने वाले िशOक6 को कुछ ितबंध6 के शतc के आधार पर अवकाश वेतन िदया जाएगा, जैसा िक कायका?रणी प?रषद ;ारा िनधा?रत िकया जाए।

अवकाश के िबना अनुपिMथित या कार के अवकाश भrे

viii. जो िशOक अवकाश के िबना अनुपि5थत रहता है अथवा उनको िदये गए अवकाश समाU होने के बाद भी अनुपि5थत रहता है, तो वे अनुपि5थित क ऐसी अविध के दौरान िकसी अवकाश के खाते से हटाया जाएगा। काय अQयावMथान से इuछापूवक अनुपि5थित को कदाचार के Cप म= माना जाएगा।

अवकाश के दौरान अवकाश,काय अवकाश वेतन वृिP के दौरान पड़ता है, तो उन

ix.यिद वेतन वृिv क ितिथ आकि5मक अवकाश,िवशेष आकि5मक अथवा अYययन िव□ाम अवकाश को छोड़कर िकसी अ<य अवकाश मामल6 को छोड़कर, जहां वेतनवृिv के िलए अवकाश को नहf िगना जाता है, िशOक क वेतन वृिv क सामा<य ितिथ पर ितकूल भाव डाले िबना िशOक ;ारा कायNहण करने क ितिथ से वेतन वृिv दान क जाएगी।

अवकाश वष

x. इस अYयादेश के उ□ेsय से जब तक अ<यथा िनधा?रत नहf िकया जाता है,"वष" श□द का अथ शैOिणक सM ारभ होने से लेकर शैOिणक सM के अंत तक चलनेवाला एक शैOिणक वष होगा।

अवकाश संMतुत करने का अिधकार

21. i. िवभाग के अYयO को इस अYयादेश के ासंिगक धारा म= िनधा?रत सीमाओं के अंदर िशOक6 को आकि5मक अवकाश और िवशेष आकि5मक अवकाश क मंजूरी दान करने का अिधकार होगा।

ाIY अिधकाIरय

ii.िव&ापीठ के डीन को इस अYयादेश के ासंिगक धाराओं म= िनधा?रत सीमाओं के अंदर रहकर िवभाग के अYयO और भा?रय6 को आकि5मक अवकाश और िवशेष आकि5मक अवकाश क मंजूरी देने का अिधकार होगा।

iii.कुलपित को इस अYयादेश के तहत 5वीकाय के अनुसार डीन को आकि5मक अवकाश और िवशेष

आकि5मक अवकाश तथा सभी कमचा?रय6 को अ<य सभी अवकाश क मंजूरी देने का अिधकार

होगा।

ओबी-4

कैIरयर ोIXनित योजना पर

[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30 (पी) के अधीन]

1.िव%िव&ालय के िशOक6 क सहायक ोIYयापक 5तर I से 5तर II, III और IV/सह ोIYयापक तक, सह ोIYयापक (5तर IV) से ोफेसर (5तर V) तक और

पोरफेसर (5तर वी से 5तर VI (एचएजी) तक िनयु:/पदो<नित के िलए एक कै?रयर ो<नित योजना (कैस) होगी।

2.कै?रयर ो<नित योजना के िलए चयन सिमित ूजीसी ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िकए अनुसार होगी।

3.अ<य शैOिणक कमचा?रय6 के िलए कै?रयर म= <नित क मौजूदा योजना जारी रहेगी।

4.कै?रयर <नित योजना के तहत पदो<नित क यो{यता एवं आवsयकताएं िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर अपनाए गए यूजीसी के िविनयम6 के अनुसार ह6गी

ओबी-5

कुलपित क> सेवा के

िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम 2006 के धारा 2 और 3 के अधीन]

1.कुलपित को भारत सरकार/यूजीसी ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िकए जाने के अनुसार वेतन ोIU ह6गे और उसके साथ समय-समय पर 5वीकाय इस तरह के कुछ अ<य भrे ोIU ह6गे।

2.कुलपित अपने कायकाल के दौरान िव%िव&ालय ;ारा रखरखाव िकए गए िकराए मु: सुसिxजत अवसीय आवास ोIU करने के िलए हकदार ह6गे।

3.कुलपित आिधका?रक योजन से िव%िव&ालय का एक वाहन इ5तेमाल करने के िलए हकदार ह6गे। वे िव%िव&ालय के वाहन6 को िनजी योजन तथा कुछ ऐसी याMाओं के िलए इ5तेमाल करने के िलए भी यो{य ह6गे, िजसके िलए वे अिधका?रय6 ;ारा सरकारी वाहन6 को िनजी काय के िलए इ5तेमाल करने के िलए िनजी इ5तेमाल म= सिमिलत वाहन िकलोमीटर के आधार पर सरकार ;ारा िनधा?रत शुRक6 के भुगतान करने के िलए उrरदायी ह6गे।

4.यिद कुलपित उनके कायकाल ारभ होने से पहले अिधविषता क सामा<य आयु ोIU नहf क है तो वे िव%िव&ालय क सामा<य भिवdय िनिध प=शन उपदान योजना को चुनने के यो{य ह6गे, वशत} िक उ<ह6ने कुलपित के Cप म= िव%िव&ालय म= कायNहण करने से पूव क= K/रIxय सरकार अथवा िकसी क= Kीय/रIxय 5वाय1व िनकाय अथवा िकसी क= Kीय/रIxय िव%िव&ालय के एक कमचारी के Cप म= प=शन योजना के िलए पाMता हािसल क है। यिद वे िव%िव&ालय के जीपीएफ़-सह-प=शन उपदान योजना के सिमिलत होते hm, तो कुलपित प=शन के उ□ेsय से उनक अिधविषता क सामा<य आयु तक कुलपित के Cप म= दी गई उनक सेवाओं के साथ उनके पूव सेवा को जोड़ने का लाभ ोIU करने के िलए हकदार ह6गे। इसी उ□ेsय से िव%िव&ालय को पूव सं5थान6 से प=शन/अंशदायी भिवष िनिध के उrरदाियव ोIU होगा। अिधविषता क सामा<य आयु के बाद उनके ;ारा िव%िव&ालय को दी गई सेवाओं क अविध प=शन यो{य लाभ के यो{य नहf होगी। प=शन-सह-उपदान लाभ अिधविषता क सामा<य आयु क

ितिथ तक देय होगा। यिद कुलपित उनक अिधविषता के बाद अथवा कायकाल के दौरान सेवािनवृr होने पर भी काय करते रहे और यिद वे पहले ही सेवािनवृr हoए hm अथवा उनके कायकाल के दौरान हoए सेवािनवृr क ितिथ से 5वीकाय के अनुसार पदभार Nहण करने क ितिथ से अंशदायी भिवdय िनिध- उपदान योजना म= शािमल होने के िलए वे हकदार ह6गे।

5.i. कुलपित को एक कैलंडर वष म= 30 िदन के िहसाब से पूण वेतन पर अवकाश दान िकया जाएगा। अवकाश6 को उनके अवकाश खाते म= अिNम Cप से 15 िदन के दो अधवािषक िकsत6 म= 1येक वष जनवरी के पहले िदन को और जुलाई के पहले िदन को जमा िकया जाएगा, परंतु, यिद कुलपित अvवष के दौरान कुलपित के कायभार Nहण/1याग करते hm तो सेवा के 1येक माह पूरे होने पर 21/2 िदन के दर के अनुपात पर अवकाश जमा िकए जाएंगे।

ii.िपछले अv वष क समािU म= जमा िकए गए अवकाश6 को नए अv वष म= इस शत पर अNेनीत िकया जाएगा िक अNेनीत िकए गए अवकाश समय समय पर भारत सरकार ;ारा िनधा?रत अिधकतम सीमा को पार नहf करे।

iii.कुलपित अपने कायभार समाU िकए जाने पर कायभार 1याग करते समय भारत सरकार ;ारा समय समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अिधकतम िदन क संhया के शत के आधार पर पूण वेतन पर देय अवकाश हेतु 5वीकाय अवकाश वेतन के समतुRय रािश ाIU करने के िलए हकदार ह6गे।

iv.कुलपित 1येक सेवा वष पूरे होने पर 20 िदन क दर से अv वेतन अवकाश के िलए भी हकदार ह6गे। इस अv वेतन अवकाश का लाभ केवल िचिक1सा माणपM के आधार पर पूण वेतन पर प?रणत अवकाश के Cप म= ही उठाया जा सकता है। जब प?रणत अवकाश िलया जाता जाता है, तो देय अv वेतन अवकाश से अv वेतन अवकाश के दुगुना अवकाश डेिबट िकए जाएंगे।

v.कुलपित िचिक1सा के आधार पर पाँच वषc के पूण कायकाल के दौरान अिधकतम तीन महीने क अविध के िलए वेतन रिहत असाधारण अवकाश ाIU करने के िलए भी हकदार ह6गे।

6.कुलपित को िकसी आिधका?रक दौरे के दौरान िनयमानुसार हकदारी यामा भrे/महंगाई भrे के अित?र: उनके ;ारा िकए गए वा5तिवक 9यय क ितपूित क जाएगी।

7.इसके अलावा, कुलपित के साथ जाने वाले कमचारी के हकदारी के अनुसार आवास उपल□ध नहf होने क ि5थित म= कुलपित उ<ह= आवास एवं अ<य सुिवधा दान कर सकते hm, िजसे उ<ह= ितपूित क जाएगी और कमचा?रय6 को केवल एक चौथाई महंगाई भrे िदये जाएंगे।

8.कुलपित के अिधका?रक आवास म= आवंिटत अ<य कमचारी के अित?र: कुलपित एक िनजी अदल□ रखने के िलए अिधकृत ह6गे।

9.कुलपित अ<य िव%िव&ाIRय के अ<य कमचा?रय6 के िलए 5वीकाय अ<य सभी लाभ जैसे, िचिक1सालय उपि5थित और अवकाश यामा ?रयायत ाIU करने के िलए होकदार ह6गे।

10.कुलपित कुलपित के Cप म= उनके िनयुि: और अपना कायभार 1याग करने के बाद यामा भrे ाIU करने के िलए अिधकृत ह6गे।

ओबी-6

कुलसिचव क> सेवा के

िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम 2006 के धारा 6 के अधीन]

इस अYयादेश को कुलसिचव, िसिकम िव%िव&ालय क सेवा के िनयम एवं शतc पर आधा?रत अYयादेश के नाम से जाना जाएगा।

1. i. कुलसिचव को िव%िव&ालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन िवकास मंMालय, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत तथा िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर

5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और भrे का भुगतान िकए जाएंगे।

ii. थम कुलसिचव, िज<ह= िविजटर ;ारा केवल 3 वष क कायाविध के िलए िनयु: िकया जाएगा, को छोड़कर कुलसिचव के पद क सभी िनयुि:यां िवzापन और साOा1कार के माYयम 5 वषc क कायाविध के िलए होगी, िजसे समान शतc पर नवीकृत िकया जा सकता है।

2. कुलसिचव के पद के िलए नू<यतम यो{यता िननानुसार होगी :

क. िकसी मा<यताU िव%िव&ालय से िकसी भी िवषय म= कम से कम 55% अंक के साथ मा5टर िडNी अथवा इसके समकO

ख. िकसी िव%िव&ालय म= सहायक ाIयापक के Cप म= कम से कम 15 वषc का अनुभव अथवा िकसी समकO पद पर, िजसम= से शैOिणक शासन म= अनुभव के साथ सह ाIयापक Nेड पर कम से कम 8 वषc का अनुभव।

अथवा

उuच िशOा के ितpान6 और अ<य सं5थान6 म= तुलनायो{य अनुभव।

अथवा

15 वषc के शासिनक अनुभव िजनम= से उपकुलसिचव के Cप म= अथवा िकसी समकO पद पर 8 वषc का अनुभव

िटTपणी: म= उRलेिखत 55% क नू<यतम आवsयकता को एससी/एसटी/ओबीसी ाथिय6 अथवा िव%िव&ालय णाली म= पहले से कायरत ाथिय6 के िलए 5% कम क जाएगी।

3. कुलसिचव िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर िव%िव&ालय के कमचा?रय6 के िलए िनधा?रत िकए अनुसार अवकाश, अवकाश-वेतन, भrे, भिवdय िनिध

और अ<य लाभ उठाने के िलए हकदार ह6गे।

4.िव%िव&ालय उनको असुिxजत िनवासीय आवास दान करेगा िजसके िलए वे िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत दर पर िकराए का भुगतान कर=गे।

5. इन अYयादेश6 म= िनिहत सब कुछ के होते हoए कुलसिचव को कुछ ऐसे िनयम एवं

ओबी-7

िवF अिधकारी क> सेवा के

िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 7 के अधीन]

1.इस अYयादेश को 'िवr अिधकारी, िसिकम िव%िव&ालय क सेवा के िनयम एवं शतc पर आधा?रत अYयादेश' के नाम से जाना जाएगा।

2.िवr अिधकारी के पद के िलए नू<यतम यो{यता िन नानुसार होगी:

क.कम से कम 55% अंक के साथ मा5टर िडNी अथवा यूजीसी के 7 सूMी पैमाने म= 'बी' के समकO Nेड

ख.\. 7000 और उससे अिधक शैOिणक Nेड वेतन म= सहायक ाIयापक के Cप म= कम से कम 15 वष का अनुभव अथवा \। 8000 और उससे अिधक शैOिणक Nेड वेतन म= शैिOक शासन के अनुभव सिहत सह ाIयापक के Cप म= 8 वषc क सेवा।

अथवा

शोध ितpान और/अथवा उuच िशOा के अ<य सं5थान6 म= तुलनायो{य अनुभव।

अथवा

15 वषc का शासिनक अनुभव िजनम= से 8 वष उप कुलसिचव के Cप म= अथवा िकसी समकO पद पर ह6गे।

िटTपणी: उपरो: (क) म= उRलेिखत 55% क नू<यतम आवsयकता को एससी/एसटी/ओबीसी ाथ□ अथवा िव%िव&ालय णाली म= पहले से

कायरत ाि◌थय6 के िलए 5% क छुट दी जाएगी।

3. i. िवr अिधकारी को िव%िव&ालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन िवकास मंMालय, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और िव%िव&ालय ;ारा समय-समय

पर 5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और भrे का भुगतान िकया जाएगा।

ii. िवr अिधकारी िव%िव&ालय ;ारा िव%िव&ालय के कमचा?रय6 के िलए समय समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अवकाश, वेतन, भrे, भिवdय िनिध और अ<य लाभ उठाने के िलए हकदार ह6गे।

परंतु, ितिनयुि: पर िवr अिधकारी के Cप म= िनयु: एक 9यि: समय-समय पर बनाए गए भारत सरकार िनयम6 म= उRलेिखत के अनुसार सामा<य ितिनयुि: िनयम6 के तहत लाभ उठाने के िलए हकदार ह6गे।

iii िवr अिधकारी क िनयुि: िवzापन के माYयम से होगी और उसके िलए िननिलिखत नू<यतम यो{यता क आवाशयकता होगी:

(क)एक ही वेतन 5केल म= िकसी भी के<Kीय लेखा सेवा के सद5य अथवा उसके अगली नीचेवाले Nेड म= 5 वषc क सेवा, अथवा

(ख)चाटड अकाउंट=ट के Cप म= 10 वषc का अनुभव रखनेवाले चाटड अकाउंट=ट।

4.िव%िव&ालय उ<ह= असुिxजत आवासीय िनवास दान करेगा िजसके िलए वे िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत दर पर िकराए का भुगतान कर=गे।

5.िवr अिधकारी कुलपित के त1काल िनद{शन म= अपनी शि:ओं का योग और कत9य6 का िनवहन कर=गे।

ओबी-8

परीBा िनयं=क क> सेवा के िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 8 के अधीन]

1.इस अYयादेश को परीOा िनयंMक, िसिकम िव%िव&ालय क सेवा के िनयम एवं शतc पर अYयादेश के नाम से जाना जाएगा:

2. i. परीOा िनयंMक को यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर 5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और

भrे का भुगतान िकया जाएगा।

ii. परीOा िनयंMक िव%िव&ालय ;ारा िव%िव&ालय के कमचा?रय6 के िलए समय समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अवकाश, अवकाश वेतन, भrे, भिवdय िनिध तथा अ<य लाभ उठाने के िलए अिधकृत ह6गे।

iii. िव%िव&ालय उ<ह= असुिxजत आवासीय िनवास दान करेगा िजसके िलए वे सामा<य दर पर िकराए का भुगतान कर=गे।

iv. परीOा िनयंMक क िनयुि: िवzापन और चयन के माYयम से 5 वष के कायकाल के िलए होगी, िजसे समान शतc पर नवीकृत िकया जा सकता है। नू<यतम यो{यता िननानुसार पढ़ी जाने

चाि◌हए :

a.55% अंक अथवा इसके समकO N◌ेड के साथ मा5टर ि◌डN◌ी ।

b.ि◌व%ि◌व&◌ालय अथवा 5नातकोrर महाि◌व&◌ालय म= सहायक ◌ाIYयापक के Cप कम से कम 15 वषc का अनुभव ि◌जसम= से 8 वष शै◌ि◌Oक शासन के अनुभव के साथ साथ सह ◌ाIYयापक के N◌ेड म= ह6गे।

अथवा

शोध ि◌तp◌ान अथवा उuच ि◌शO◌ा सं5थान6 म= तुलनायो{य अनुभव।

अथवा

15 वषc का शासिनक अनुभव ि◌जनम= से 8 वष उप कुलसिचव के Cप म= अथवा ि◌कसी समकO पद पर ह6गे।

ि◌टTपणी: उपरो: (क) म= उRलेि◌खत 55% अंक क नू<यतम आवsयकता को एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 अथवा ि◌व%ि◌व&◌ालय णाली म= पहले कायरत ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% छुट दी जाएगी।

3.अिधिनयम, सं◌ि◌विधय6 और अYयादेश6 के ◌ावधान6 के तहत परीO◌ा ि◌नयंMक परीO◌ा के आयोजन से संबि<धत कत9य6 तथा कायका?रणी प?रषद ;◌ारा समय- समय पर उ<ह= दान ि◌कए जाने वाले ऐसे कत9य6 और कायc का ि◌नवहन कर=गे।

4.परीO◌ा ि◌नयंMक कुलपित के त1काल ि◌नद}शन म= अपनी शि:य6 का योग तथा कत9य6 का ि◌नवहन कर=गे।

ओबी-9

पुMतकालयायB क> सेवा के ि◌नयम एवं शतJ पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय सं◌ि◌विधय6 के धारा 24 के अधीन]

1.इस अYयादेश को 'पु5तकालयाYयO, ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय क सेवा के ि◌नयम6 एवं शतc पर अYयादेश' के Cप म= जाना जाएगा ।

2.i. पु5तकालयाYयO को यूजीसी/एमएचआरडी ;◌ारा ि◌नधा?रत और ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा समय समय पर 5वीकृत के अनुसार मा◌िसक वेतन और भrे◌ का भुगतान ि◌कया जाएगा।

ii. पु5तकालयाYयO ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा ि◌व%ि◌व&◌ालय के कमचा?रय6 के ि◌लए समय-समय पर ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार अवकाश, अवकाश वेतन, भrे◌, भिवdय ि◌निध और अ<य लाभ उठाने के ि◌लए हकदार ह6गे।

iii. ि◌व%ि◌व&◌ालय उ<ह= असु◌ि◌xजत आवासीय ि◌नवास दान करेगा ि◌जसके ि◌लए वे सामा< य दर पर ि◌कराए का भुगतान कर=गे।

3.अिधिनयम, सं◌ि◌विधय6 और अYयादेश6 के ◌ावधान6 के तहत पु5तकालयाYयO पु5तकालय से संबि<धत कत9य6 का ि◌नवहन तथा समय-समय पर कायका?रणी प?रषद ;◌ारा उनको दान ि◌कए जाने वाले कत9य6 और कायc का ि◌नdपादन कर=गे।

4.कुलपित के त1काल ि◌नद}शन म= पु5तकालयाYयO अपनी शि:य6 का योग तथा अपने कत9य6 का ि◌नवहन कर=गे।

5.ि◌व%ि◌व&◌ालय के पु5तकालयाYयO क नू<यतम यो{यताएं ि◌ननानुसार ह6गी :

i. पु5तकालय ि◌वz◌ान/सूचना ि◌वz◌ान/लेखन म= कम से कम 55% अंक के साथ अथवा समकO N◌ेड म= मा5टर ि◌डN◌ी तथा ि◌नरंतर अuछे शै◌Oि◌णक अिभलेख। एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छुट।

ii. ि◌कसी ि◌व%ि◌व&◌ालय के पु5तकालय म= उप पु5तकालयाYयO के Cप म= कम से कम 13

वष और िकसी 5नातकोrर महाि&ालय के पु5तकालय म= 18 वषc का अनुभव।

iii.

नवीन पु5तकालय सेवा तथा संगठन और/अथवा काि◌शत कायc का सा□य।

वांछनीय : पु5तकालय ि◌वzान/सूचना ि◌वzान/लेखन/अिभलेखागार और पा□डुिलिप रखरखाव म= एमिफ़ल/पीएचडी ि◌डNी

ओबी-10

ि◌विव ालय के 5ुप ए से सी तक गैर-ि◌शBण (सांि◌विधक पद को छोड़कर) कम3चाIरय के वेतनमान और भFे और सेवा शतJ पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&ालय संि◌विधय6, 2006 के धारा 24 के अधीन]

1.यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा ि◌नधा?रत और ि◌व%ि◌व&ालय ;ारा समय समय पर 5वीकृत के अनुसार ि◌व%ि◌व&ालय के Nुप ए से सी तक गैर- ि◌शOण कमचा?रय6 (सांि◌विधक को छोड़कर) के वेतनमान, भrे और सेवा शत□ एक जैसे ह6गे।

2.ऐसे कमचा?रय6 क सेवाि◌नवृि◌r क ि◌तिथ यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा ि◌नधा?रत और ि◌व%ि◌व&ालय ;ारा समय-समय पर 5वीकृत ि◌कए अनुसार जैसी होगी।

3.वे भारत सरकार/यूजीसी/ि◌व%ि◌व&ालय ;ारा समय-समय पर ि◌नधा?रत ि◌कए जाने वाले भrे और अनुलि□धय6 के ि◌लए हकदार ह6गे।

4.ऐसे पद6 के संबंध म= भत□ और पदो<नित नीि◌त भारत सरकार ;ारा बनाई गई नीि◌तय6 और ि◌व%ि◌व&ालय दावरा समय-समय पर अपनाई गई नीि◌तय6 के अनुसार ह6गी।

5.कमचा?रय6 के इस वग क अ<य सेवाशत□ जैसे अवकाश, वेतन ि◌नधारण, प?रवीOा अविध, सेवाि◌नवृि◌r लाभ आिद भारत सरकार ;ारा समय-समय पर ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार ह6गी।

6.प?रवीOा अविध कायNहण क ि◌तिथ से एक वष क अविध के ि◌लए होगी।

ओबी-11

उप पुMतकालयायB, सहायक पुMतकालयायB, उप कुलसिचव, सहायक कुलसिचव, भौि◌तक ि◌शBा के ि◌नदेशक, उप ि◌नदेशक और भौि◌तक ि◌शBा के सहायक ि◌नदेशक के पद क> सीधी भतK के ि◌लए नूXयतम योLयताओं पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&ालय क संि◌विधय6, 2006 के धारा 24 के अधीन]

ि◌विव ालय के उप पुMतकालयायB	1.	नू<यतम यो{यताएँ :
	i.	पु5तकालय ि◌वzान/सूचना ि◌वzान/लेखन म= कम से कम 50% अंक अथवा इसके समक O Nेड के साथ मा5टर ि◌डNी और ि◌नरंतर अuछी शैO◌िणक अिभलेख। एससी/एसटी/ओबीसी के ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छूट।
	ii.	ि◌व%ि◌व&ालय सहायक पु5तकालयायYयO/महाि◌व&ालय पु5तकालयायYयO के Cप म= पाँच वषc का अनुभव।
	iii.	नवीन पु5तकालय सेवाओं, काि◌शत काय, 9यावसाि◌यक ि◌तबvता और पु5तकालय के कं□यूटरीकरण के सा□य।

वांछनीय : पु5तकालय ि◌वzान/सूचना

ि◌वz◌ान/लेखन/अिभलेखागार और पा□डुि◌लिप रखरखाव,
पु5तकालय का कं□यूटरीकरण पर एमिफ़ल/पीएचडी।

ि◌विव ◌ालय सहायक पुMतकालयायB/ लेखन अिधकारी
उप कुलसिचव
2. नू<यतम यो{यता :
i.पीएचडी अथवा यूजीसी ;◌ारा इसी उ□े◌sय से आयोि◌जत रा◌d◌ीय 5तर क परी◌ा म= उr◌ीण
ii.पु5तकालय ि◌वz◌ान/सूचना ि◌वz◌ान/लेखन म= मा5टर ि◌डN◌ी अथवा 55% अंक6 अथवा इसके समक◌O महाि◌व ◌ालय N◌े◌ड के साथ ि◌कसी समक◌O 9यावसाि◌यक ि◌डN◌ी।
एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छूट।

3. नू<यतम यो{यता :
i. कम से कम 55% अंक6 अथवा उसके समक◌O N◌े◌ड के साथ मा5टर ि◌डN◌ी। एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छूट।
ii.ि◌कसी ि◌व%ि◌व&◌ालय अथवा महाि◌व&◌ालय म= शै◌ि◌Oक शासन के अनुभव के साथ ि◌कसी सहायक ◌IYयापक के Cप म= 8 वष◌c का अनुभव।

अथवा

शोध ि◌त◌p◌ान और/अथवा उ◌uच ि◌श◌O◌ा के अ<य सं5थान6 म= तुलनायो{य अनुभव।

अथवा

सहायक ◌IYयापक के Cप म= अथवा ि◌कसी समक◌O पद पर 8 वष◌c के शासिनक अनुभव।

सहायक कुलसिचव
4. नू<यतम यो{यता :
अ◌uछी शै◌Oि◌णक ?रकॉड के साथ-साथ कम से कम 50% अंक6 अथवा इसके समक◌O N◌े◌ड के साथ मा5टर ि◌डN◌ी। एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छूट।

शारी◌Iरक ि◌श◌B◌ा और खेल के ि◌विव ◌ालय सहायक ि◌नदेशक और शारी◌Iरक ि◌श◌B◌ा के महाि◌व ◌ालय ि◌नदेशक (सहायक ◌ायापक के वेतनमान)
5. नू<यतम यो{यता :
i. शारी?रक ि◌श◌O◌ा म= मा5टर ि◌डN◌ी (दो वष□य पाठ्यJम) अथवा खेल म= मा5टर ि◌डN◌ी अथवा कम से कम 55% अंक6 अथवा इसके समक◌O N◌े◌ड के साथ ि◌कसी समक◌O ि◌डN◌ी के साथ अ◌uछे शै◌Oि◌णक अिभलेख। एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के ि◌लए 5% क छूट।
ii.अंतिव%ि◌व&◌ालय/अंतर महाि◌व&◌ालय ि◌तयोि◌गता अथवा रा◌Iय/रा◌d◌ीय ि◌तयोि◌गता म= ि◌व%ि◌व&◌ालय/ महाि◌व&◌ालय का ि◌तिनिध1व करना।
iii.शारी?रक 5व5थता परी◌O◌ा म= उr◌ीण।

iv.पीएचडी अथवा इसके उ□ेsय से यूजीसी ;ारा आयोिजत रा d्ीय परीOा म= उrीण माणपM

शारीIरक िशBा के िवि ालय महाि व&ालय शारी?रक िशOा के सहायक िनदेशक (वार_ता Mकेल)

6. नू<यतम यो{यता :

i.ि व%ि व&ालय शारी?रक िशOा के सहायक िनदेशक/ महाि व&ालय शारी?रक िशOा के िनदेशक के Cप म= दो वषc के पीएचडी धारक6 अथवा एक वष के एमिफ़ल िडNी धारक6 के लाभ के साथ छ: वषc क सेवा पूरी क जानी चाि हए।

ii.शारी?रक 5व5थता परीOा म= उrीण।

iii.संतोषजनक 5व-मूRयांकन ?रपोट का धारण।

iv.उपयु: और सु-9यवि5थत ि Jया के साथ लगभल तीन-चार सUाह क अविध का कम से कम एक अिभमुखी पाठ्यJम और एक नवीकरण पाठ्यJम म= भाग लेने चाि हए (पीएचडी ि डNी धारक6 को एक नवीकरण पाठ्यJम से छूट दी जाती है)

शारीIरक िशBा के िवि ालय महाि व&ालय शारी?रक िशOा के सहायक िनदेशक/ महाि व ालय िनदेशक (चयन 5ेड)

7. नू<यतम यो{यता :

i. ि व%ि व&ालय शारी?रक िशOा के सहायक िनदेशक/महाि व&ालय शारी?रक िशOा के िनदेशक के Cप म= व?रp 5केल म= पाँच वषc क सेवा पूरी क।

ii.व?रp वेतन मान म= िनयु ि: के बाद उपयु: और सु-9यवि5थत मूRयांकन णाली के साथ लगभग तीन-चार सUाह क अविध के कम से कम दो नवीकरण पाठ्यJम म= भाग िलया।

iii.अuछी टीम/अथलेट्स क पेशगी और कम से कम दो सUाह क अविध के िलए िशOण कm प6 का आयोजन और संचालन के सा□य 5तुत करना।

iv.शारी?रक 5व5थता परीOा म= उrीण।

v.संतोषजनक 5व-मूRयांकन ?रपोट का धारण करना।

शारीIरक िशBा के िवि ालय के उप महाि व ालय शारीIरक िशBा के िवि ालय के सहायक िनदेशक/ महाि व&ालय शारी?रक िशOा के िनदेशक के Cप म= 5 वषc का अनुभव।

8. नू<यतम यो{यता :

i. शारी?रक िशOा म= पीएचडी। इसके अलावा ि व%ि व&ालय णाली के बाहर के ाि थय6 को मा5टर ि डNी 5तर पर 55% अंक अथवा उसके समकO Nेड हाि सल करना होगा। एससी/एसटी/ओबीसी ाि थय6 के िलए 5% क छूट।

ii.पीएचडी और एमिफ़ल ि डNी धारक6 को Jमश: दो वष और एक वष का लाभ के साथ शारी?रक िशOा के ि व%ि व&ालय सहायक िनदेशक/शारी?रक िशOा के िनदेशक के Cप म= 5 वषc का अनुभव।

iii.ितयोिगता के आयोजन और कम से कम दो सUोह क अविध के िलए िशOण िशिवर के आयोजन

करने का सा□य।

iv.राि◌xयक/राd◌ीय/अंतर िव%िव&ालय/संयु: िव%िव&ालय 5तर आिद म= टीम/एथलीटो ;ारा 5तुत

अuछे दशन िदखानेवाले सा□य।

v. शारी?रक 5व5थता परीOण म= उr◌ीण।

vi.संतोषजनक 5व-मूRयांकन ?रपोट का धारण।

शारीIरक िशBा के िविव ालय उप िनदेशक अथवा शारी?रक िशOा के िव%िव&ालय सहायक िनदेशक/महाि◌व&ालय

9. नू<यतम यो{यता :

i. शारी?रक िशOा म= पीएचडी।

ii.िव%िव&ालय उप िनदेशक के Cप म= 10 वषc का अनुभव अथवा शारी?रक िशOा के िव%िव&ालय सहायक िनदेशक (चयन N◌ेड) के Cप म= 15 वषc का अनुभव।

iii.कम से कम दो राd◌ीय/अंतराd◌ीय सेिमनार/समेलन6 म= ितभिगता।

iv.संतोषजनक 5व-मूRयांकन ?रपोट।

v.ितयोिगताओं का आयोजन और कम से कम दो सUोह क अविध के िलए िशOण िशिवर6 के आयोजन का सा□य।

vi.राि◌xयक/राd◌ीय/अंतराd◌ीय/संयु: िव%िव&ालय आिद म= ितयोिगताय6 के िलए टीम/एथलीट6 के अuछे दशन 5तुत करने का सा□य।

छा= पर ओसी Ük`aखला

ओसी-1

िविव ालय के स`बP महाि◌व ालय सिहत िविव ालय मa छा= के वेश पर [िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xx) के अधीन]

1.िव%िव&ालय के अिधिनयम, संि◌विधय6 और अYयादेश6 के ावधान6 के ित िबना िकसी पूवाNह से एक छाM िव%िव&ालय के अधीन 5नातक, एककृत, 5नातकोrर, एमिफ़ल अथवा पीएचडी पाठ्यJम6 म= वेश हेतु यो{य ह6गे, यिद वह यो{यता परीOा उr◌ीण क है अथवा िव%िव&ालय ;ारा संबि<धत पाठ्यJम अथवा कायJम म= वेश हेतु िनधा?रत अंक6 के नू<यतम ितशत के साथ उस िवषय क परीOा म= उr◌ीण क है।

2.सबv महाि◌व&ालय6 के सिहत िव%िव&ालय के िकसी अYययन कायJम/पाठ्यJम म= वेश पाने क इuछुक छाM6 को िव%िव&ालय के िनयम6 को पूरा करना होगा।

3.िवदेशी छाM6 को भी िविभ<न अYययन पाठ्यJम6 म= अित?र: सं◌hयाय के आधार पर वेश िदया जा सकता है, जो कुल सीट के 10% से अधीन नहf होगा, बशत} िक वे आवsयक वीजा हाि◌सल करने तथा अ<यथा वेश के िलए पाMता हाि◌सल करने के िलए समथ हो। वे भारतीय छाM6 क तरह समान शुRक6 का भुगतान कर=गे और उ<ह= अ<य भारतीय छाM6 को दान क जानेवाली सुि◌वधा के अनुCप समान सुि◌वधा दान क जाएगी।

ओसी-2

ि◌शB◌ा और परीB◌ा के मायम पर

[ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xx) के अधीन]

ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के शोध और अYययन कायJम म= अंN◌ेजी ही ि◌शO◌ा और परीO◌ा के माYयम होगी।

परंतु, ि◌ह<दी, चीनी, नेपाली, लेपचा, भू◌ि◌टया और ि◌लबू कुछ ि◌वशेष ि◌वषय6 के ि◌लए ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के शोध और अYययन पाठ्यJम म= ि◌शO◌ा और परीO◌ा का माYयम संबि<धत भाषा म= हो सकता है।

ओसी-3

छा= c◌ारा देय

शुdक पर

[ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xxi) के अधीन]

1.ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा अपने प?रसर म= दान ि◌कए गए आYययन के ि◌विभ<न पाठ्यJम6 म= वेश ि◌लए छाM6 को 2% गैर-संचयी वृ◌ि◌v के साथ ि◌ननानुसार ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार शुRक6 का भुगतान करना होगा। महाि◌व&◌ालय6 के छाM6 के ि◌लए शुRक6 का ि◌नधारण सरकारी महाि◌व&◌ालय6 के मामले म= रा◌xय सरकार और ि◌मशनरी/ि◌नजी महाि◌व&◌ालय6 के मामले म= शासकय ि◌नकाय6 ;◌ारा ि◌कया जाएगा। जबिक, वेश ि◌लए ह◌ुए महाि◌व&◌ालय के छाM6 को उनके संबि<धत महाि◌व&◌ालय6 के माYयम से ि◌व%◌ि◌व&◌ालय को पंजीकरण शुRक, अंकपM शुRक, माण-पM शुRक और परीO◌ा शुRक6 का भुगतान करना होगा।

2.क. सभी छाM6 ;◌ारा केवल वेश के समय म= ही एककालीन भुगतान ि◌कया जाएगा।

J.सं.	शुRक6 का कार	यूजी (लैब ि◌	यूजी (लैब	पीजी(लैब	पीजी (लैब	एमि फ़ल/	माणप M/ि◌
1	वेश	500	200	1000	500	1500	300
2	अंक पM	200	200	200	200	200	200

3	माण-पM	300	300	300	300	300	300
4	परीO◌ा	2000	1000	2000	1000	8000	1000
5	पंजीकरण	200	200	200	200	200	200
6	प5तकालय	500	500	500	500	500	200
7	ि◌चिक1सा	300	300	300	300	300	300
8	छाM प?रषद	200	200	200	200	200	200
9	पहचान पM	100	100	100	100	100	100
10	छाM◌ावास	500	500	500	500	500	500
	कल	4800	3500	5300	3800	11800	3300

ख.सभी छाM6 ;◌ारा 1येक सेमे5टर के ◌ारभ म= भुगतान ि◌कया जाएगा।

J. सं.	शुRक6 का कार	यूजी (लैब सिहत	यूजी (लैब रिहत)	पीजी (लैब सिहत)	पीजी (लैब रिहत)	एमिफ़ल और पीएचडी	एमिफ़ल और	माण-पM/ि◌ड □लोमा
1	गैर-9यावसा◌ियक छाM6 के ि◌लए	1000	600	1000	600	3000	1000	1200
2	9यवसियक छाM6 के ि◌लए	6000	4000	8000	6000	10,000	8,000	10,000

3	छाM◌ावास आवास(1/2/3/4 ि◌व5तर यु:)	1800/ 900/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450	1800 / 900/ 600/	1800 / 900/ 600/	1800 / 900/ 600/	1800 / 900/ 600/	180 0/ 900/ 600/

ि◌टTपणी: समय समय पर ि◌व%ि◌व&◌ालय और कैटरर के बीच दर पर हoई सहमित के अनुसार छाM6 ;◌ारा भोजन शुRक6 का भुगतान ि◌कया जाएगा।

3.ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा ि◌न निलिखत पाठ्यJम6 को 9यावसाि◌यक पाठ्यJम के Cप म= वग□कृत ि◌कया जाएगा :

i.ि◌शO◌ा 5नातक (बी.एड) और ि◌शO◌ा ि◌नdणात (एम.एड)

ii.ि◌विध 5नातक (बीए.एलएल.बी.) और ि◌विध ि◌नdणात (एलएल.एम)

iii.बी।एससी निस□ग

iv.9यवसाय शासन 5नातक (बीबीए) और 9यवसाय शासन ि◌नdणात (एमबीए)

v.कं□यूटर अनुयोग 5नातक (बीसीए) और कं□यूटर अनुयोग ि◌नdणात (एमसीए)

vi.इंजी<य?रंग 5नातक और ि◌नdणात

vii.मेि◌डिसन 5नातक और ि◌नdपाद

viii.वा5तुकला 5नातक और ि◌नdणात

ix.सामाि◌जक काय 5नातक (बीएसडबRयू) और सामाि◌जक काय ि◌नdणात (एमएसडबRयू)

x.उ&◌ाि◌नक 5नातक और ि◌नdणात

xi.पयटन 5नातक और ि◌नdणात

xii.फाम}सी 5नातक और ि◌नdणात

4.शुRक सेमे5टर के दौरान ि◌कसी भी समय, ि◌क<तु सेमे5टर समाि◌U से ठीक 30 ि◌दन पहले ि◌कसी माि◌नत बmक/बmक6 म= नगद भुगतान अथवा ि◌वभाग के अYयO के कायालय म= चेक/ ◌ा¡ट ;◌ारा भुगतान ि◌कया जाए। हालांि◌क क के अंतगत उRलेि◌खत शुRक6 का भुगतान वेश के समय ही ि◌कया जाना चाि◌हए और उसे छाM6 के सभी वगc ;◌ारा भुगतान ि◌कया जाना अिनवाय है।

5.ि◌कसी परीO◌ा म= बैठने क अनुमित सभी शुRक6 के भुगतान करने और कम से कम 75% क उपि5थित रहने क शतc पर दी जाएगी, ि◌जसे उपि5थित क कमी के वैध कारण को ि◌सv करने वाली द5तावेज़ 5तुत ि◌कए जाने पर संबि<धत अYयO/डीन ;◌ारा 5% क कमी तक उपि5थित माफ ि◌कया जा सकता है।

6.ि◌स.ि◌व. कमचा?रय6, ि◌स.ि◌व. के कमचा?रय6 क संतान6 और यांगयांग के N◌ामीण6 के ि◌लए ि◌शOण शुRक 50% तक कम ि◌कए जाएंगे। ि◌व%ि◌व&◌ालय प?रसर के ि◌लए राxय सरकार को अपनी जमीन ि◌वJ करनेवाले यांगयांग के लोग6 के ि◌वकलांग छाM6 और ि◌सिकम के "आिदवासी जनजाि◌त" के लोग6 के ि◌लए ि◌शOण शुRक म= 100% क छूट दी जाएगी।

7.शुRक6 के भुगतान ि◌कए जाने के बाद यिद कोई ◌ाथ□ पाठ्यJम ◌ारभ होने से पहले अपना ◌ाि◌थ1व वापस लेना चाहता है, तो ि◌दनांक 23 अैल 2007 को इस संदभ म= जारी यूजीसी क सावजिनक सूचना के अनुसार ◌ोसे◌िसंग शुRक के Cप म= \.1000/- क रा◌ि◌श घटाने के बाद शेष सभी शुRक उसे वापस और जमा ि◌कए जाएंगे।

ओसी-4

कला, ि◌वeान, ि◌विध, औषिध, ि◌शBो◌I, गृह ि◌वeान, वा◌ि◌णfय,

4यावसाियक और 4यावसाियक पाठ्यhम (एकक और एक>कृत) के
Mनातक पाठ्यhम पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(ख) के अधीन]

कला 5नातक, ि◌वz◌ान 5नातक, ि◌विध 5नातक, मे◌िडिसन 5नातक, ि◌शO◌ा 5नातक, गृह ि◌वz◌ान 5नातक, वा◌ि◌णx य 5नातक, 9यवसाय 5नातक और 9ययसाि◌यक पाठ्यJम6 (एकक और एककृत) के 5नातक ि◌डN◌ी के ि◌लए अYययन पाठ्यJम ह6गे।

पा=ता 1. ि◌कसी भी मा<यताU ि◌व%ि◌व&◌ालय/बोड से बारहवf कO◌ा उr◌ीण करनेवाले छाM ि◌डN◌ी पाठ्यJम के थम वष म= वेश मांगने के ि◌लए पाM ह6गे। जबिक, जो ◌ाथ□ ऑनस चुनना चाहता है, उसे संबि<धत ि◌वषय म= अथवा हर एक ि◌वषय म=, यिद वह ि◌वशेष ि◌वषय बारहवf कO◌ा अथवा उसके समकO कO◌ा म= नहf पढ़ाया जाता है, नू<यतम 45% अंक ◌ाU करना आवsयक होगा।

अविध एवं संरचना 2. ऑनस के साथ अथवा ऑनस के ि◌बना ि◌डN◌ी पाठ्यJम के ि◌लए अविध सामा<यत: छ: सेमे5टर अथवा तीन वषc क होगी। हालां◌ि◌क, 9यावसाि◌यक पाठ्यJम6 के मामले म= यह अविध तीन से पाँच वष तक बादल सकती है। छाM6 क गित का ि◌नरंतर मूRयांकन शैO◌ि◌णक प?रषद ;◌ारा अनुमो◌ि◌दत तरीके से पूरे सेमे5टर म= होगा और 1येक सेमे5टर के अंत म= एक सM◌ां◌ंत परीO◌ा होगी।

i◌ेणी के साथ ि◌ड5◌ी 3. एक छाM ;◌ारा ◌ाU सीजीपीए के अनुसार ि◌ननिलिखत □◌ेि◌णयाँ दान क जाएगी।

दान i.उr◌ीण : ऑनस म= 4.0 और पास म= 3.5 ।
ii.ि◌;तीय □◌ेणी : 5.0-5.9
iii.थम □◌ेणी : 6.0-6.9
iv.ि◌वशेष यो{यता के साथ थम □◌ेणी : 7.0 और इससे अिधक
इसके अलावा, 1येक ि◌वषय म= थम □◌ेणी के थम और थम □◌ेणी के ि◌;तीय को Jमश: 5वण और रजत मेडल दान ि◌कया जाएगा।
उपरो: के अलावा, छाM6 क सु◌ि◌वधा के ि◌लए अंकपM और माणपM म= भी वणमाला1मक N◌ेड और 10 सूM◌ीय पैमाने पर संhया1मक N◌ेड ि◌ब<दु दी जाएगी।

पाठ्यhम क> 4. पM6 का ि◌वतरण ि◌ननानुसार होगा :

संरचना

टेबल1. कला, वा◌ि◌णf य, 4यवसाय, ि◌वe◌ान, ि◌विध, गृह ि◌वe◌ान और अXय 4यावसाि◌यक पाठ्यhम (पास और ऑनस3) िअट के Mनातक पाठ्यhम के ि◌लए प= का ि◌वतरण

सेमे5टर/ि◌वषय/	सेमे5टरI	सेमे5टर II	सेमे5टर III	सेमे5टर IV	सेमे5टर V	सेमे5टर VI	कल अंक
अंN◌ेजी	100	-	-	-	-	-	100
जीएफ़सी	-	100	-	-	-	-	100
ईएच/एचआर/जी	-	-	100	-	-	-	100
वैकि◌Rपक-	100	100	100	200	200	200	900
वैकि◌Rपक -2	100	100	100	-	-	-	300
वैकि◌Rपक -3	-	-	-	100	100	100	300
कल अंक	300	300	300	300	300	300	1800

ि◌टTपणी: अंN◌ेजी और जीएफ़सी सभी 5नातक पाठ्यJम के ि◌लए सामा<य ि◌वषय ह6गे। वैकि◌Rपक -2 और वैकि◌Rपक-3 5नातक पाठ्यJम के सभी छाM6 के ि◌लए

सामा<य िवषय ह6गे।

एक छाM को िकसी िवषय म= पास और ऑनस और िननिलिखत वैकिRपक िवषय6 के संयोजन N◌ुप (क अथवा ख तथा क और ख दोन6 म= से एक नहf) म= से िकसी एक को चुनना होगा :

पास/ऑनस (वैकिRपक	समूह - क वैकिRपक 2	समूह – ख वैकिRपक 2
रसायन िव◌ज्ञान	भौितक िव◌ज्ञान, गिणत	वन◌ःपित िव◌ज्ञान (बॉटनी),
भौितक िव◌ज्ञान	गिणत, रसायन िव◌ज्ञान	गिणत, कं□यटर िव◌ज्ञान

गिणत	भौितक िव◌ज्ञान, रसायन	भौितक िव◌ज्ञान,
कं□यटर िव◌ज्ञान	इले◌ॉिनस, भौितक	भौितक िव◌ज्ञान, गिणत,
अथशा~	गिणत, वा◌िणx य	इितहास, राजनी◌ित
भ◌ूिव◌ज्ञान	भौितक िव◌ज्ञान, गिणत	रसायन िव◌ज्ञान, गिणत
भगोल	रसायन िव◌ज्ञान, भौितक	समाजशा~, इितहास
वन◌ःपित िव◌ज्ञान	रसायन िव◌ज्ञान,	भगोल, पयटन
ा◌िणिव◌ज्ञान	रसायन िव◌ज्ञान, वन◌ःपित	भगोल, मानवशा~
अंN◌ेजी	वैकिRपक भाषा, ि◌शO◌ा	राजनी◌ित िव◌ज्ञान,
नेपाली	वैकिRपक भाषा, ि◌शO◌ा	इितहास, राजनी◌ित
लेपचा	वैकिRपक भाषा, ि◌शO◌ा	इितहास, राजनी◌ित
ि◌लब	वैकिRपक भाषा, ि◌शO◌ा	इितहास, राजनी◌ित
भ◌ूिटया	वैकिRपक भाषा, ि◌शO◌ा	इितहास, राजनी◌ित
ि◌शO◌ा	इितहास, राजनी◌ित िव◌ज्ञान	वैकिRपक भाषा,
इितहास	समाजशा~, राजनी◌ित	वैकिRपक भाषा,
राजनी◌ित िव◌ज्ञान	वैकिRपक भाषा, भगोल	इितहास, समाजशा~
अथशा~	राजनी◌ित िव◌ज्ञान, इितहास	राजनी◌ित िव◌ज्ञान,
समाजशा~	अथशा~,राजनी◌ित िव◌ज्ञान	वैकिRपक भाषा, भगोल
वा◌िणx य	लेखा और ि◌वr समह	बंधन समह
पयटन	अंN◌ेजी, भगोल	इितहास, भगोल
शारी?रक ि◌शO◌ा	इितहास, वैकिRपक भाषा	ि◌शO◌ा, भगोल
पMका?रता और	इितहास, वैकिRपक भाषा	ि◌शO◌ा, भगोल
सां◌िhयक	गिणत, अथशा~	भौितक िव◌ज्ञान, रसायन
स□म जीव िव◌ज्ञान	वन◌ःपित िव◌ज्ञान (बॉटनी),	भगोल, मानवशा~

ि◌टTपणी: वैकिRपक भाषा यानी अंN◌ेजी, नेपाली, लेपचा, भू◌ूिटया और ि◌लबू, परंतु, एक ही भाषा को दो वैकिRपक पM6 के Cप म= नहf ि◌लया जा सकता है।

उ&◌ाि◌नक, संगीत और ि◌विध जैसे ि◌वषय6 के ि◌लए वैकिRपक 2 अथवा 3 नहf ह6गे, चूंि◌क ये 5व-समाि◌हत ि◌वषय ह◌m।

ओसी-5

कला, ि◌व◌e◌ान, ि◌विध, मे◌ि◌डिसन, ि◌शB◌ो◌I, गृह ि◌व◌e◌ान, वा◌ि◌णf य और 4यावसा◌ियक पाठ्य◌hम (एकक और एक>कृत) के ि◌नk◌णात ि◌ड5◌ी पाठ्य◌hम पर

[◌ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(ख) के अधीन]

ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के अधीन कला, ि◌व◌z◌ान, ि◌विध, मे◌ि◌डिसन, ि◌शO◌ो◌I, गृह ि◌व◌z◌ान, वा◌ि◌णx य और 9यावसा◌ियक पाठ्य◌J◌म6 (एकक अथवा एककृत) म= ि◌न◌d◌णात ि◌ड◌N◌ी पाठ्य◌J◌म चार सेमे5टर अथवा दो शै◌O◌ि◌णक वष◌c तक 9या◌U पूणका◌ि◌लक पाठ्य◌J◌म ह6गे।

1. i. ि◌कसी भी पाठ्य◌J◌म म= वेश लेने के ि◌लए इ◌u◌छुक ि◌कसी ◌ाथ□ को ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा समय-समय पर इसके ि◌लए ि◌नधा?रत यो{यताएँ रखना अिनवाय होगा।

ii. शै◌O◌ि◌णक प?रषद ;◌ारा ि◌कसी पाठ्य◌J◌म के ि◌लए ि◌वशेष Cप से ि◌नधा?रत नहf ि◌कए जाने तक ि◌विभ<न पाठ्य◌J◌म म= 1येक शै◌O◌ि◌णक वष के थम सेमे5टर म= वेश ि◌लया जाएगा।

iii. जो ाथ इस िव%िव&ालय अथवा अ<य िकसी मा<यताU िव%िव&ालय के से 5नातक (ऑनस अथवा एककृत) क उपाि ध ाIU क है, वह ाथ पूवापेOत, यिद कोई हो, से संबि<धत ावधान6 के तहत िवभाग ;ारा दान िकए गए पाठ्यJम6 म= वेश पाने के यो{य होगा। िविभ<न पाठ्यJम6 म= वेश पाने के िलए नू<यतम अंक और िवषय पाठ्यJम िववरिणका म= िनधा?रत िकए जाएंगे।

iv. िकसी पाठ्यJम म= वेश भारत सरकार के िनयम6 और समय समय पर जारी क गई अिधसूचनाओं के अनुसार के अलावा पाMता परीOा और संबि<धत िवभाग ;ारा आयोिजत वेश परीOा, यिद कोई हो, म= ाथ ;ारा ाIU अंक6 और िवषय6 के आधार पर िदया जाएगा।

2. i. डीन के सामा<य िदशाि नद}श के अधीन होते हoए 1येक पाठ्यJम म= िशOा और दैनंिदनी संबि<धत िवभाग के अYयO के िनयंMण और िनद}शन म= रहेगा।

ii. 1येक छाM पाठ्यJम म= अपने काय और िव%िव&ालय म= उसके सामा<य आचरण के संबंध म= िव&ापीठ के िनयंMण और संबि<धत िवभाग के अनुशासन म= रहेगा।

3.साम<यत: एक छाM को चार सेमे5टर के दौरान 64 Jेिडट ाIU करना होगा । इसम= से 56 Jेिडट कायJम के मुhय पाठ्यJम से, िजसम= वह वेश िलया है, ाIU करना होगा। शेष 8 Jेिडट छाM ;ारा केवल ि;तीय सेमे5टर (4 Jेिडट) और तृतीय सेमे5टर (4 Jेिडट) के दौरान अ<य िवभाग6 ;ारा संचाि लत पाठ्यJम6 से ाIU िकया जा सकता है। जबिक, एक छाM छ: सेमे5टर क अिधकतम अविध के दौरान 64 Jेिडट ाIU करेगा।

4.सेमे5टर समाि U परीOा म= बैठने के यो{य होने के िलए एक छाM को एक सेमे5टर के दौरान नू<यतम 75% 9याhयान म= उपि5थत होना अिनवाय है। उपि5थित म= अिधकतम 5% क कमी को संबि<धत िवभाग के िवभागाYयO/भारी क िसफ़ा?रश पर और वैध द5तावेज 5तुत िकए जाने पर, िजससे यह मा िणत हो िक कुछ वा5तिवक कारण6 से ही उपि5थित म= कमी हoई थी, संबि<धत डीन ;ारा माफ िकया जा सकता है।

5.िव&ापीठ के डीन अथवा िकसी महाि व&ालय के ाचाय संबि<धत िवभाग के अYयO क िसफ़ा?रश पर असाधारण मामल6 म= उपि5थित क 5% क कमी ?रयायत कर सकते हm।

6.िकसी एक सेमे5टर म= एक अथवा पूरे पाठ्यJम म= िवफल होने वाले छाM, जो भी कारण के िलए हो, अगले शैOिणक वष के दौरान उन पाठ्यJम6 के िलए पुन: परीOा म= सिमिलत हो सकता है। यिद िकसी एससी/एसटी/ओबीसी छाM छ: सेमे5टर के दौरान नू<यतम 50% के साथ सभी मुhय पाठ्यJम म= उrीण नहf होगा है, वह उन पाठ्यJम6 के िलए, िजनम= उसे 50 ितशत से कम ितशत ाIU हoआ है, िव%िव&ालय ;ारा िनधा?रत शुRक6 का भुगतान करने के बाद िनधा?रत ितिथ के अंदर अपनी उrर पु5तकाओं के पुनमूRयांकन हेतु आवेदन कर सकता है, िक<तु वह िकसी भी समान, पुर5कार, मेडल आिद ाIU करने के यो{य नहf होगा।

7.i. 1येक सेमे5टर म= परीOा के िदन सिहत कम से कम 90 काय िदवस ह6गे।

ii. 1येक सेमे5टर के ारभ और समाU होने क ितिथ शैOिणक प?रषद ;ारा िनधा?रत क जाएगी।

8.1येक अYययन पाठ्यJम के िलए परीOक6 को अYययन बोड और शैOिणक प?रषद ;ारा अनुमोिदत पैनल क िसफ़ा?रश6 के आधार पर परीOा िनयंMक ;ारा िनयु: िकया जाएगा

9.सMाऺत परीOा म= वेश के िलए एक ाथ िनधा?रत पM म= िवभाग के अYयO/भारी के माYयम से संबि<धत िव&ापीठ के डीन को आवेदन करेगा। िवभाग के अYयO/भारी ;ारा यह मा िणत िकया जाएगा िक :

i. ाथ□ ने ि;तीय और तृतीय सेमे5टर म= मुhय पाठ्यJम और साथ-ही-साथ पूरे पाठ्यJम म= नू<यतम 9याhयान आिद म= भाग िलया है।

ii. िनधा?रत परीOा शुRक सिहत सभी देय रा‍िश जमा क गई है।

10.सेमे5टर समाि‍U परीOा का प?रणाम कुलपित क अYयOता और परीOा ि‍नयंMक ;ारा बुलाये गए प?रणाम मॉडरेशन बोड ;ारा संचा‍लित िकया जाएगा।

11.ि‍ननिलखत सीजीपीए के साथ सफल ाि‍थय6 को ि‍ननिलखत वगc के अंतगत ि‍डNी दान िकया जाएगा:

थम □ेणी : 6.0 और इससे अिधक

ि‍वशेष यो{यता के साथ थम □ेणी : 7.0 और इससे अिधक

ि;तीय □ेणी : 5.0 से 5.9 तक उrीण:4.0 से 4.9 तक

इसके अलावा, नू<यतम 6.0 के साथ सबसे अिधक सीजीपीए ाIU करनेवाले परीOाि‍थय6 को एक 5वण पदक दान िकया जाएगा और नू<यतम 6.0 के साथ ि;तीय सबसे अिधक सीजीपीए ाIU करनेवाले परीOाि‍थय6 को एक रजत पदक दान िकया जाएगा।

उपरो: के अलावा, छाM6 क िसिवधा के िलए अंकपM6 और माणपM6 म= भी वणमाला1मक Nेड और 10 सूMीय पैमाने पर संhया1मक Nेड ि‍ब<दु दशाये जाएंगे।

ओसी-6

दश3न शा‍l के ि‍नkणात पाठ्यhम पर

[ि‍सिकम ि‍व%ि‍व&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(घ) के अधीन]

उmेnय 1. i.ि‍व%ि‍व&ालय म= संबि<धत ि‍वषय म= गहन अंत□ि‍t दान करने, zान का ि‍व5तार करने, सामा<यत: असंhय ि‍वषय6 म= ि‍वभाि‍जत सभी zान6 के एककरण म= बल देने, शोधाि‍थय6 को आवsयक उपकरण6 से समृv करने तथा ि‍विभ<न Oेम6 म= आगे शोध के िलए 9यावहा?रक अनुभव दान करने के उ□ेsय से एमिफ़ल पाठ्यJम है। एमिफ़ल पाठ्यJम ि‍व%ि‍व&ालय क थम शोध ि‍डNी है।

ii.एम।ि‍फल पाठ्यJम म= दो भाग ह6गे : (क) कोस वक , और (ख) शोध-ि‍नबंध/प?रयोजना काय। दोन6 भाग समान Cप से मह1वपूण ह6गे, अथात 1येक भाग म= 12 Jेि‍डट ह6गे।

कोस3 वक3 2. i.एक सेमे5टर के कोस वक म= ि‍व%ि‍व&ालय ;ारा संचा‍लित तीन □पM ह6गे ि‍जनम= से एक पेपर शोध पvि‍त पर होगा। इस ि‍व%ि‍व&ालय के एम।ि‍फल/पीएचडी ि‍डNी धारी ि‍शOक एम।ि‍फल पाठ्यJम म= पढ़ाने के यो{य ह6गे। कोस वक केवल एक सेमे5टर के िलए होगा।

ii.एम ि‍फल शोधाि‍थय6 को ि‍वभाग ;ारा आयोि‍जत सेि‍मनार म= नए प?रणाम6 पर ि‍वचार-ि‍वमश करने, ि‍वषय म= ि‍वकास और/अथवा त□य6 के 9याhयान के उ□ेsय से उपि5थत रहना और भाग लेना आवsयक होगा। 1येक शोधाि‍थय6 को दो सेि‍मनार म= 5तुत करना अिनवाय होगा, एक उनके शोध ि‍नबंध/प?रयोजना काय के ारिभक चरण म= और एक उनके शोध ि‍नबंध जमा करने के तुरंत बाद।

वेश 3. i.एम.ि‍फल कायJम म= वेश ि‍व%ि‍व&ालय के अ<य कायJम6 म= वेश के साथ-साथ वष म= एक बार िकया जाएगा।

ii.संबि<धत ि◌वषय अथवा ि◌नकट ि◌वषय म= कम से कम 55%(एससी/एसटी/ओबीसी ◌ाि◌थय6 के मामल6 म= 50%) अंक6 के साथ मा5टर ि◌डN◌ी धारी ◌ाि◌थय6 को ि◌वभाग ;◌ारा आयोि◌जत ि◌कए जानेवाली एक ि◌लिखत परीO◌ा और एक साO◌ा1कार म= बैठना अिनवाय होगा। ◌ाि◌थय6 को ि◌निलिखत आधार पर ि◌वचार करने के बाद ि◌नधा?रत यो{यता के आधार पर चयन ि◌कया जाएगा :

(i) मा5टर ि◌डN◌ी अथवा समकO म= सीजीपीए अथवा अंक6 का ि◌तशत (ii) वेश परीO◌ा और साO◌ा1कार म= दशन। वेश ि◌J या उपल□ध सीट6 क संhया और ◌ाि◌थय6 के दशन के आधार पर अंि◌तम Cप ि◌दया जाएगा। सफलतापूवक कोस वक पूरा करने तथा उस म= आवsयक सीजीपीए ◌IU करने के बाद ि◌वभाग ;◌ारा एक ◌ाथ□ को एक पयवेOक ि◌दया जाएगा

iii.ि◌जन ◌ाि◌थय6 ने यूजीसी/सीएसआईआर (जेआरएफ़) परीO◌ा/5लेट/गेट परीO◌ा /ि◌शOक फ़ेलोि◌शप क यो{यता हाि◌सल ि◌कया है, उ<ह= वेश परीO◌ा म= बैठने से छूट दी जाएगी ि◌क<तु उ<ह= साO◌ा1कार म= उपि5थत रहना होगा।

पंजीकरण 4.एक ◌ाथ□ अपने शोध ◌ाCप के साथ अYययन बोड के माYयम से पंजीकरण के ि◌लए आवेदन कर=गे, ि◌जसे ि◌व&◌ापीठ बोड के अनुमोदन हेतु ि◌वचाराथ 5तुत ि◌कया जाएगा। पंजीकरण क ि◌तिथ ि◌व&◌ापीठ बोड ;◌ारा अनुमो◌दत ि◌तिथ होगी।

अविध5. i.एक शोधाथ□ आम तौर पर तीन सेमे5टर म= अपना एम.ि◌फल पूरा कर=गे। शोधिथय6 को पयवेOक क ि◌सफ़ा?रश पर ि◌कसी उपयु: कारण पर ही केवल एक सेमे5टर क विधत अविध दान करने क अनुमित दी जाएगी। महाि◌व&◌ालय6 के ि◌शOक6 ;◌ारा एम ि◌फल कायJम म= शाि◌मल होने के मामल6 म= पाठ्यJम पूरा करने के ि◌लए एक अित?र: सेमे5टर का समय दान ि◌कया जाएगा, ि◌जसके ि◌लए ि◌नयिमत ◌ाि◌थय6 को ही अनुमित दी जाएगी।

ii.एक सेमे5टर के कोस वक पूरा करने के बाद, ि◌जसम= से कम से कम एक □पM शोध पvि◌त पर हो, यिद ि◌कसी ◌ाथ□ कुछ अनदेखे कारण6 से शोध-ि◌नबंध का काय छोड़ देता है, ि◌व&◌ापीठ बोड उ<ह= अिधकतम दो सेमे5टर के समय दे सकता है, और ◌ाथ□ को पुन: काय करने क अनुमित दी जा सकती है। यिद 9यवधान दो सेमे5टर क अविध से अिधक होता है, शोधाथ□ नए ि◌सरे से एम।ि◌फल पाठ्यJम म= वेश क मांग कर=गे। अवरोध क अविध उनके कोस वक के प?रणाम का◌िशत होने क ि◌तिथ से ि◌गनी जाएगी।

उपिMथित 6.ि◌कसी एम।ि◌फल छाM6 से उनके कोस वक के सभी 9याhयान6 म= उपि5थत रहने क अपेO◌ा क जाती है। 1येक पाठ्यJम म= ◌ाथ□ क उपि5थित कम से कम 75 ि◌तशत होना आवsयक होगा। संबि<धत ि◌वभाग के ि◌वभागाYयO/भारी क ि◌सफ़ा?रश पर और उपि5थित क कमी के कारण6 को ि◌सv करनेवाली द5तावेज6 को 5तुत ि◌कए जाने पर संबि<धत डीन ;◌ारा उपि5थित क अधिकतम 5% क कमी को माफ कर सकते हm।

कोस3 वक3 के मू◌ांकन 7. i. कोस वक के मूRयांकन आंत?रक होगा।

ii.शोधाि◌थय6 का दशन ि◌ननिलिखत N◌ेड म= मूRयांि◌कत

िकए जाएंगे:

'ओ' (उ1कृt), 10 सूMीय पैमाने म= Nेड िब<दु मूRयांकन के साथ 'ए' और बी', यानी िक 'ओ' Nेड के िलए 7.0-10.0, ''ए' Nेड के िलए 6.0 से 6.9 तक, 'बी' Nेड के िलए 5.0 से 5.9 तक। िजन ाि◌थय6 ने 5.0 िब<दु से कम ाIU िकया है, उ<ह= 'सी' Nेड िदया जाएगा। एक पाठ्यJम पूरा करने के िलए ाथ□ को कम से कम 'ए' Nेड ाIU करना होगा।

एम.िफल ाि◌थय6 को भी वणमाला1मक Nेड और 10 सूMीय पैमाने पर संhयातम Nेड िब<दु दान क जाएगी।

पूव3-Mतुि◌त 8.जब पयवेOकका यह राय है िक शोध बंध पूरे होने क अंितम चरण म= है, शोधाथ□ को उनके शोध सेिमनार िनdकषc पर एक पूव-5तुि◌त सेिमनार देने क आवsयकता होगी। यह सेिमनार कम से कम तीन संकाय सद5य6 से, िजसम= से एक सद5य संबि<धत िवभाग से ह6गे, गिठत सिमित के समO िदया जाएगा। ाथ□ अपने शोध-िनबंध म= सिमित क िसफ़ा?रश6 को शाि◌मल कर=।

शोध िनबंध क> 9. i.िकसी एमिफल ाथ□ पयवेOक ;ारा िविधवत पुि◌t िकए गए और िवभाग ;ारा परीOा िनयंMक को Mतुि◌त अNेि◌षत उनके शोध िनबंध को सीडी/डीवीडी म= 1 सॉ¡ट कॉपी और 3 हाड कॉि◌पयाँ जमा कर=गे।

ii.शोध िनबंध म= ाथ□ और उनके पयवेOक ;ारा दी गई एक घोषणा शाि◌मल िकया जाएगा िजसम=

> यह उRलेख हो िक छाM के शोध िनबंध एक मौि◌लक शोध है और िजसे इस िव%िव&ालय अथवा िकसी अ<य िव%िव&ालय म= िकसी अ<य िडNी के िलए जमा नहf िकया गया है।
>
> iii.इसके अलावा वे मा◌िणत कर=गे िक यिद शोधाथ□ सा◌िहि1यक चोरी म= िलU हoए तो उनके शोध िनबंध को मूRयांकन हेतु परीOक6 के पास नहf भेजा जाएगा। इन ि◌5थितय6 म= एक ाथ□ को छ: महीने क अविध के दौरान उनके शोध िनबंध को पुन: िलखने का अवसर िदया जाएगा, और ऐसा करने म= िवफल होने पर उनके पंजीकरण र□ िकया जाएगा।

परीBक के पैनल10.शोध िनबंध जमा करने क 5ताि◌वत ितिथ से कम से कम दो महोने पहले पयवेOक शैOि◌णक प?रषद ;ारा पूव अनुमोि◌दत पैनल म= से मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ परीOक6 के चार नाम6 का एक पैनल परीOा िनयंMक क आवsयक कारवाई हेतु 5तुत कर=गे।

मूdयांकन11.शोध िनबंध का परीOण शैOि◌णक प?रषद और कायका?रणी प?रषद ;ारा अनुमोि◌दत पैनल से कुलपित ;ारा िनयु: िकए जाने वाले दो परीOक6 (िजनम= से एक पयवेOक ह6गे) ;ारा िकया जाएगा। परीOक6 म= से कम से कम एक परीOक राxय से बाहर से ह6गे, जहां िव%िव&ालय 5थाि◌पत है।

हालांि◌क, एक पयवेOक परीOक के Cप म= वहाँ काय नहf कर=गे जहां ाथ□ पयवेOक क प1नी अथवा पित, पुM अथवा पुMी, भाई अथवा बहन ह6गे/ह6गी। जब ाथ□ पयवेOक से संबि<धत होता/होती है, तब ाथ□ ;ारा एम।ि◌फल ि◌डNी के ि◌लए जमा िकए गए शोध िनबंध को परीOक6 के पैनल म= से चयिनत िकसी अ<य

परीOक के पास ेिषत िकया जाएगा। ऐसे मामल6 म= परीOक6 का पैनल िवभाग के
िवभागाYयO/भारी ;ारा 5तुत िकया जाएगा और यिद
िवभागाYयO/भारी पयवेOक बने, तो उसे िव&ापीठ के डीन ;ारा 5तुत िकया जाएगा।

िड5ी दान12. i.शोध िनबंध काय को दोन6 परीOक6 क सवसमत
िसफ़ा?रश6 के आधार पर एम।िफल िडNी
दान करने के िलए 5वीकृत िकया जाएगा;
ii.यिद दोन6 परीOक6 के बीच मतभेद होता है, तो मामले को
पहले से 5तुत पैनल म= से कुलपित ;ारा िनयु:
िकए जाने वाले तीसरे परीOक6 के पास ेिषत िकया जाएगा। तीसरे परीOक
अिधिनणयक के Cप म= काय कर=गे और उनका िनणय
अंितम होगा।
iii.यिद परीOक शोध िनबंध म= सुधार हेतु कुछ संशोधन का
सुझाव देते hm अथवा उसम= कुछ खाियां
िनकालते hm, तो ाथ को उrर देने अथवा सुझाव के तज पर शोध
िनबंध म= संशोधन करने और िनणय
सूिचत करने के बाद छ: महीने के अंदर शोध िनबंध पुन: जमा करने के िलए कहा
जाएगा। iv.दोन6 परीOक6 ;ारा सवसमत िसफ़ा?रश क जाने क ि5थित
म= कोस वक और शोध िनबंध क Nेड
िब<दु दोन6 के औसत को Yयान म= रखते hoए अंितम Nेड िब<दु क गणना क जा
सकती है। एक परीOक ;ारा िसफ़ा?रश नहf क जाने क ि5थित म= कोस वक
और तीसरे परीOक ;ारा ाथ को दी गई
Nेड िब<दु के औसत को Yयान म= रकते hoए अंितम Nेड िब<दु क गणना क जा
सकती है। v.परीOक6 क सभी ?रपोटc को िव&ापीठ बोड के समO 5तुत
िकया जाएगा, संतुt होने पर जो शैOिणक
प?रषद को यह िसफ़ा?रश कर सकता है िक ाथ को एम।िफल िडNी दान िकया
जा सकता है। िव&ापीठ बोड क िसफ़ा?रश क एक ित परीOा
िनयंMक को प?रणाम घोिषत करने हेतु भेजी
जाए।

किठनाइय का 13.इस अYयादेश म= कुछ भी शािमल होते hoए कुलपित किठनाइय6 के
िनवारण हेतु आवsयक समझे जाने िनवारण वाले उपाय Nहण कर सकते hm।

ओसी-7
दश3न के डॉटर काय3hम पर
[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(घ) के अधीन]

वेश एवं 1.पीएचडी कायJम म= वेश 1येक शैOिणक वष के ारभ म= होगा। कम
से कम 55% पा=ता (एससी/एसटी/ओबीसी के िलए 50%) अंक6 के साथ संबि<धत
िवषय अथवा िवभाग6 ;ारा संचािलत संयु:/संबि<धत िवषय म= मा5टर िडNी
धारी ाथय6 को िव%िव&ालय ;ारा आयोिजत होनेवाले एक िलिखत
परीOा और साOा1कार म= सिमिलत होने क आवsयकता होगी। ाथय6 को
िननिलिखत6 पर िवचार करने के बाद िनधा?रत यो{यता के अनुसार चयन िकया
जाएगा :

i.वेश परीOा और साOा1कार म= दशन।
ii.एमिफ़ल/नेट/सीएसआईआर (जेआरएफ़)/5लेट/गेट/िशOक

अYयेता के अहताU ा◌िथय6 को वेश परीO◌ा म= बैठने से छूट दी जाएगी, ि◌क<तु उ<ह= साO◌ा1कार का सामना करना होगा।

कोस3 वक3 2.कोस वक नू<यतम एक सेमे5टर और 12 J◌े◌िडट का होगा, ि◌जसम= से एक शोध पv◌ित पर होगा, जो ि◌कसी ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा नाि◌मत ि◌व%◌ि◌व&◌ालय से एम.◌ि◌फल ि◌डN◌ी पूरा करनेवाल6 को छोड़कर अ<य सभी के ि◌लए अिनवाय है।

पय3वेBक 3.ि◌वभाग एक पयवेO◌क ि◌नयु: करेगा।पयवेO◌क पीएचडी ि◌डN◌ी के साथ ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ि◌कसी ◌ा◌IYयापक, ि◌कसी सह ◌ा◌IYयापक अथवा सहायक ◌ा◌IYयापक ह6गे। इसके अित?र: और ि◌व&◌ापीठ बोड के अनुमोदन से ि◌वभाग उस मामल6 म= एक अथवा दो संयु: पयवेO◌क6 को ि◌नयु: करेगा, ि◌जस मामल6 म= पयवेO◌क पयवेO◌ण के समN भारी ह6गे। संयु: पयवेO◌क को ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ि◌शO◌क होना आवsयक नहf है परंतु वे एक डॉटरल काय के पयवेO◌ण करने के ि◌लए पयाU Cप से यो{य और जानकार के Cप म= ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा मा<यताU 9यि: ह6गे

पंजीकरण 4.पीएचडी के पंजीकरण शोध के शीषक, शोध के ि◌ववरण, उ□◌ेsय, शोध □◌ावली और शोध पv◌ितय6 को शा◌िमल करते हoए एक शोध 5ताव के साथ ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा ि◌नधा?रत ◌ा◌ICप म= संबि<धत ि◌वभाग म= आवेदन ि◌कया जाएगा। ि◌वभाग शोध 5ताव को अYययन बोड के माIYयम से ि◌व&◌ापीठ बोड को अN◌ेि◌षत करेगा। इस अYयादेश के उ□◌ेsय हेतु ि◌जस तारीख को ि◌व&◌ापीठ बोड पंजीकरण के ि◌लए 5तुत शोध 5ताव को 5वीकार करता है, वही तारीख शोधाथ□ के ि◌लए पंजीकरण क तारीख होगी। हालांि◌क, पीएचडी कायJम के ि◌लए वेश क ि◌तिथ और पंजीकरण क ि◌तिथ के बीच अिधकतम 3 सेमे5टर अथवा 18 महीने क अनुमेय अविध होगी।

अविध 5.यिद ि◌कसी शोधाथ□ ने ि◌व%◌ि◌व&◌ालय म= उनके शोध ◌ा◌ICप पंजीकृत ि◌कए जाने क ि◌तिथ से कम से कम दो वषc तक शोध काय चुका है, तो उस शोधाथ□ को पीएचडी ि◌डN◌ी के ि◌लए शोध बंध जमा करने के ि◌लए अनुमित दी जाएगी। यिद ि◌कसी शोधाथ□ अपने पंजीकरण क ि◌तिथ से चार वषc के अंदर अपना शोध-ि◌नबंध जमा करने म= ि◌वफल होता है तो उसका नाम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के नामांकन से हटा ि◌दया जाएगा।

परंतु, कुछ असाधारण ि◌5थितय6 म= अYययन बोड क ि◌सफ़ा?रश6 पर ि◌व&◌ापीठ बोड शोधाथ□ के शोध- बंध जमा करने क ि◌तिथ को और एक वष क अिधकतम अविध के ि◌लए बढ़ा सकता है। यिद शोधाथ□ विधत अविध के दौरान भी शोध-बंध जमा करने म= ि◌वफल होता है तो उसका पंजीकरण 5वत: समाU हो जाएगा।

गित क> 6.पयवेO◌क ◌ा◌ाथ□ के शोध काय क गित का ि◌नयिमत तौर पर देखरेख कर=गे। यिद पयवेO◌क को लगता है समीB◌ा ि◌क शोधाथ□ के शोध काय क गित संतोषजनक नहf है, तो उसके ि◌लए ि◌वभाग के माIYयम से ि◌व&◌ापीठ बोड को उिचत कारवाई हेतु एक ?रपोट 5तुत क जाएगी।

पूव3-Mतु◌ित 7.जब पयवेO◌क का यह राय है ि◌क शोध-बंध अं◌ितम चरण म= है, शोधा◌िथय6 को अपने शोध ि◌नd◌कषc पर से◌िमनार एक पूव-5तु◌ित से◌िमनार दान

करने क आवsयकता होगी। सेिमनार कम से कम तीन सद5य6 क मूRयांकन सिमित क उपि5थित म= िदया जाएगा, िजनम= से एक िवभाग के बाहर से ह6गे, िज<ह= संबि<धत िव&ापीठ के डीन ;ारा नािमत िकया जाएगा। ाथ अपने शोध-बंध म= सिमित क िसफ़ा?रश6 को शाि◌मल कर=गे।

शीष3क का संशोधन 8.यिद शोध शीषक6 म= संशोधन क आवsयकता हो, ाथ संबि<धत बोड के अनुमोदन के िलए शोध बंध जमा करने क ितिथ से कम से कम छ: महीने पहले अYयO/भारी के माYयम से डीन को आवेदन करेगा।

शोध बंध 9. i.एक ाथ अपने शोध बंध जमा कर=गे िजसम= वे इस िवषय पर काि◌शत िकए गए िकसी भी क> Mतुित कार के कायc को पाठ्य के Cप म= शाि◌मल कर सकते हm। िक<तु वे शोध बंध के Cप म= िकसी भी कायc को शाि◌मल नहf कर=गे िजसके िलए उ<ह= इस िव%िव&ालय अथवा अ<य िव%िव&ालय से पहले ही िडNी दान िकया जा चुका है।

ii.एक पीएचडी ाथ अपने शोध-बंध जमा करने से पहले िकसी संदिभत शोध-पिMका म= कम से कम एक शोध पM काि◌शत कर=गे और उसके सा◌य 5वीकृ◌ित पM अथवा पुनमुKण के Cप म= 5तुत कर=गे।

iii.शोधाथ यह संतुt कर=गे िक यह या तो नए त◌य6 के आिवdकार ;ारा अथवा त◌य6 अथवा िसvोिं◌त6 के नयी 9याhया के ;ारा िवशेषीकृत शोध काय का एक अंश है। िकसी अ<य मामल6 म= इसे मह1वपूण परीOण, मौिलक सोच और जांच क उनक Oमता का &ोतक होना चाि◌हए। इसक

साि◌हि1यक 5तुि◌त भी संतोषजनक होनी चाि◌हए।

iv.शोध बंध म= पयवेOक क ओर से एक माणपM और शोधाथ क ओर से एक घोषणा शाि◌मल क जाएगी िजसम= यह उRलेख हो िक शोध बंध छाM का एक मौिलक शोध है और उसे इस िव%िव&ालय अथवा अ<य िव%िव&ालय अथवा िकसी िशOण सं5थान म= िकसी भी िडNी के िलए 5तुत नहf िकया गया है।

v.शोध बंध जमा करने के िलए आवेदन को संबि<धत िवभाग के अYयO ;ारा ितह5ताO?रत िकया जाएगा। िवभाग के अYयO शोध बंध को पूव-5तुि◌त सेिमनार के िलए मूRयांकन सिमित ;ारा दी गई ि◌ट◌पिणय6 के साथ अगली आवsयक कारवाई हेतु परीOा िनयंMक के पास अNेि◌षत कर=गे।

vi.यिद परीOा िनयंMक को ढ़ िव%ास है िक शोध बंध म= साि◌हि1यक चोरी क गई है तो उसे परीOक6 के पास मूRयांकन हेतु नहf भेजा जाएगा। ऐसे ाि◌थय6 को उनेक शोध बंध पुन: िलखने के िलए िदया जा सकता है, ऐसा करने म= िवफल होने पर उनके पंजीकरण को र िकया जाएगा।

परीBक का पैनल 10.पयवेOक परीOा िनयंMक के अनुमोदन तथा 5तुित हेतु िनधा?रत ाICप म= आंत?रक परीOक के Cप म= अपना नाम को शाि◌मल करते हoए परीOक6 के डाक पते, ईमेल आईडी और मोबाइल फोन नंबर सिहत छ: परीOक6 का एक पैनल परीOा िनयंMक के अनुमोदन हेतु िवभाग के अYयO के माYयम से िव&ापीठ बोड म= 5तुत कर=गे। िव&ापीठ बोड शैOिणक प?रषद के अYयO को परीOक6 क पैनल क एक ित जमा करेगा।

मूdयांकन 11.पीएचडी के िलए ाथ□ ;ारा 5तुत शोध बंध शैOिणक प?रषद क िसफ़ा?रश6 पर कायका?रणी प?रषद ;ारा अनुमोिदत पैनल म= से कम से कम तीन परीOक6 ;ारा जांच क जाएगी। परीOक6 म= से दो परीOक ऐसे ह6गे जो िव%िव&ालय म= िकसी कार क भूिमका म= नहf ह6गे और उनम= से कम से कम एक राIय के बाहर से ह6गे, जबिक तीसरे परीOक पयवेOक ह6गे।

परंतु, जब ाथ□ पयवेOक प1नी अथवा पित, बेटा अथवा बेटी, भाई अथवा बहन हो, उस ि5थित म= पयवेOक परीOक के Cप म= काय नहf कर=गे। एसी ि5थित म= िवशेषzो क पैनल िवभाग के िवभागाYयO/भारी ;ारा 5तुत िकया जाएगा और यिद पयवेOक ऐसे पद6 पर कायरत हm, तो िव&ापीठ के डीन ;ारा पैनल 5तुत िकया जाएगा।

परीBक क> Iरपोट3 12. i. 1येक परीOक शोध बंध6 क जांच करने के बाद िव%िव&ालय ;ारा िनधा?रत ाICप म= यह 5पt और मौिखक करते हoए एक ?रपोट 5तुत कर=गे िक उनके मतानुसार (क) शोध बंध पीएचडी िडNी दान करने के िलए िसफ़ा?रश क जाती है, अथवा (ख) शोध बंध को संशोिधत/प?रवितत िकया जाना चाि◌हए, अथवा (ग) शोध बंध को अ5वीकार िकया जाए।

ii.यिद िकसी परीOक शोध बंध के कुछ संशोधन/सुधार करने का सुझाव देते हm अथवा शोध बंध म= कुछ खाि◌मयाँ बताते हm, ाथ□ को उrर देने अथवा िदये गए सुझाव के अनुसार संशोिधत करने के िलए बताया जा सकता है और िव%िव&ालय ;ारा संशोधन क आवsयकता क सूचना देने क ितिथ से एक वष क अविध के दौरान संबि<धत परीOक6 के पास शोध बंध को अNेिषत िकए जाने के िलए िफर से शोध बंध जमा करने के िलए कहा जा सकता है। िफर भी यिद परीOक संतुt नहf होते हm तो मामले को कुलपित ;ारा िनयु: िकए जानेवाली सिमित के िवशेषz6 के पास भेजा जाएगा।

iii.एक शोध बंध को दशनश~ के डॉटर िडNी दान करने के िलए परीOक6 ;ारा दी गई सवसमत िसफ़ा?रश6 के आधार पर 5वीकार िकया जाएगा। यिद दोन6 बा¢ परीOक शोध बंध को अ5वीकार करते हm, तो कोई भी िडNी नहf दी जाएगी। यिद बा¢ परीOक6 के बीच मतभेद होता होता है तो उसे शैOिणक प?रषद और कायका?रणी प?रषद ;ारा पूव अनुमोिदत पैनल म= से कुलपित महोदय ;ारा नाि◌मत

चौथे परीOक के पास भेजा जाएगा। चौथे परीOक का मत अंितम होगा।

iv.यिद ?रपोट संतोषजनक रहे तो उ<ह= एक मौिखक परीO◌ा देनी होगी जो खुले तौर पर रिOत होगा।

िड5◌ी दान करना 13.परीOक6 क ?रपोट और मौिखक के आधार पर िव&◌ापीठ बोड उपाि◌ध दान करने अथवा नहf करने के िलए शैOिणक प?रषद के माYयम से कायका?रणी प?रषद को िसफ़ा?रश करेगा।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 31

किठनाइय का िनवारण हेतु आवsयक समझे जाने पर िनवारण कुछ उपाय अथवा कुछ िविनयम लागू कर सकते हm।

ओसी-8

िड5◌ी, िडTलोमा और माणप= दान करने पर

[िसिकम िव%िव&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5(2) के अधीन]

िविनयम अथवा अ<य माYयम ;◌ारा समय समय पर 1येक मामले म= िनधा?रत शतc के अनुसार िव%िव&◌ालय ;◌ारा िननिलिखत िडिNयाँ, िड□लोमा और माणपM दान िकया जाएगा:

1.दशनशा~ के डॉटर, िवz◌ान के डॉटर, साि◌ह1य के डॉटर, िविध के डॉटर और औषिध के डॉटर क शोध िडिNयाँ;

2.कला, िवz◌ान, वाि◌णx य, िशO◌ा, गृह िवz◌ान, कृि◌ष, 9यावसाि◌यक पाठ्यJम, बंधन अYययन, फामाकोलॉजी, मेि◌डिसन और इंजी<य?रंग म= िनdणात िडN◌ी; 3.कला, िवz◌ान, वाि◌णx य, गृह िवz◌ान, फामाकोलॉजी, िशO◌ा, कृि◌ष, 9यावसाि◌यक पाठ्यJम, मैि◌डिसन, इंजी<य?रंग और िविध म= 5नातक िडN◌ी (पास और ऑनस);

4.िशOण अथवा 9यावहा?रक कौशल6 क िवशेष शाखाओं म= 5नातकोrर माणपM िड□लोमा;

5.िसिवल, मैकाि◌नकल और इलैि◌कल इंजी<य?रंग, इले◌ॉि◌नस, कृि◌ष और कुछ ऐसे O◌ेM6, िज<ह= समय समय पर शैOिणक प?रषद ;◌ारा अनुमोि◌दत िकया जाए, म= िड□लोमा;

6.िशOण अथवा 9यावहा?रक कौशल6 क िवशेष शाखाओं, तकनीक िवषय6, िवदेशी भाषा आिद म= माणपM और िड□लोमा;

7.मानद िडिNयाँ; और

8.िव%िव&◌ालय ;◌ारा समय-समय पर ◌ारभ िकए गए िविभ<न 9यावसाि◌यक पाठ्यJम6 म= िडिNयाँ, िड□लोमा और माणपM।

ओसी-9

डीन, छा= कdयाण क> शिGय और कायJ पर

[िसिकम िव%िव&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(पी) के अधीन]

डीन, छाM कRयाण :

1.कुलपित को 5नातक, एककृत और 5नातकोrर पाठ्यJम6, शोध िडिNय6, माणपM/िड□लोमा पाठ्यJम6 तथा समय समय पर िव%िव&◌ालय ;◌ारा अनुमोि◌दत अ<य पूणकालीन और अंशकालीन पाठ्यJम6 क नीि◌त और ि◌Jया पर सुझाव द=गे

2.◌ावो5ट के माYयम से िव%िव&◌ालय के छाM◌ावास6 म= वेश का संयोजन कर=गे।

3.कुलपित को ◌ावो5ट और वाडन क िनयुि◌: और उनक शि:य6 और कायc पर सलाह द=गे।

4.समN अनुशासन और िव%िव&◌ालय ;◌ारा अनुरिOत िनवास कO म= रहने क ि◌5थित से संबि<धत मामल6 का समाधान कर=गे।

5.छाM6 के संघ/प?रषद तथा गितिविधयां सिहत छाM6 से संबि<धत सभी मामल6 म= कुलपित को सलाह द=गे।

6.ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा ि◌विधवत मा<यताIU छाM संघ6 के चुनाव का संयोजन कर=गे।

7.ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌विभ<न ि◌नकाय6 के ि◌लए छाM ि◌तिनिधय6 के नामांकन पर कुलपित को सलाह द=गे।

8.छाM6 और शोध छाM6 के ि◌विभ<न सह पाठ्यJम6 और खेल गितिविधय6 का पयवेOण और ि◌वr दान कर=गे।

9.छाM6 के ि◌लए याM◌ा ?रयायत पM जारी कर=गे और छाM6 के ि◌लए भारत के ि◌विभ<न ◌ा<त6 क शै◌ि◌Oक याM◌ा/£मण के ि◌लए ि◌सफ़ा?रश कर=गे। 10.छाM6 के कRयाण हेतु कै?ररयर के ि◌लए मागदशन और परामश दान गितिविधय6 का पयवेOण कर=गे।

11.ऐसे कायJम6 और गितिविधय6 का आयोजन कर=गे जो छाM-ि◌शOक, छाM-शासन और छाM-समाज के सब<ध6 को सु□ढ़ कर=गे।

12.छाM6 के कRयाण हेतु वांछनीय अथवा कुलपित ;◌ारा समय-समय पर ि◌नद}ि◌शत ि◌कए अनुसार ऐसी अ<य गितिविधय6 को ◌ारभ कर=गे।

ओसी-10

अयेता वृ◌ि◌F, छा=वृ◌ि◌F, पदक और पुरMकार दान करने पर

[ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xiii) के अधीन]

उm◌ेnय 1.इस ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌विभ<न ि◌वभाग6 म= अYययन कर रहे गरीब और मेधावी छाM6 क किठनाइय6 का ि◌नवारण करना।

पा=ता 2. ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌विभ<न ि◌वभाग6 म= वेश पाने हेतु यो{यता परी◌Oा◌ओं म= ि◌जन छाM6 ने 55% (एससी/एसटी/ओबीसी के ि◌लए 50%) अंक ◌ाIU ि◌कया है, वे एसयू अYयेता वृ◌ि◌r, छाMवृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप ◌ाIU करने के यो{य ह6गे।

ि◌जन छाM6 ने 1येक पाठ्यJम थम □◌ेणी के थम और थम □◌ेणी के ि◌;तीय ह◌oए ह◌m, उ<ह= दी◌O◌ा◌ंत समारोह म= Jमश: 5वण पदक और रजत पदक और ि◌व%ि◌व&◌ाIRय ;◌ारा समय-समय पर ि◌लए गए ि◌नणय6 के अनुसार ऐसे अ<य पुर5कार दान ि◌कए जाएंगे।

चयन 3.एसयू अYयेतावृ◌ि◌r, छाM वृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप दान करने के ि◌लए छाM6 का चयन कुलपित ;◌ारा ि◌नयु: सिमित ;◌ारा ि◌कया जाएगा, जो सिमित छाM कRयाण डीन, जो उस सिमित के अYयO ह6गे, सिहत कम से कम तीन 9यि: ;◌ारा गिठत होगी। छाM6 क ि◌तभा और आय के आधार पर सिमित ;◌ारा छाM6 का चयन ि◌कया जाएगा तथा यह चयन कुलपित के अनुमोदन के अधीन होगा।

नवीकरण 4.एसयू अYयेतावृ◌ि◌r, छाMवृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप को नवीकृत ि◌कया जा सकता है, बशत} ि◌क, छाM पहले और दूसरे सेमे5टर क परी◌O◌ाओं म= कम से कम 50% अंक ◌ाIU करता हो और संबि<धत ि◌वभाग के ि◌वभागाYयO ;◌ारा मा◌ि◌णत काय और उपि5थित के समN संतोषजनक ?रकॉड रहा हो।

मू◌dय 5.एसयू अYयेतावृ◌ि◌r, छाMवृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा समय समय पर ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार होगा।

पुरMकार क> शतq 6.एसयू अYयेतावृ◌ि◌r, छाMवृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप के ि◌लए चयिनत छाM वेतन पर अथवा अ<यथा ि◌कसी Cप म= ि◌कसी भी कार के नौकरी Nहण नहf कर=गे अथवा ि◌नयु: नहf ह6गे और उस कालाविध के दौरान ि◌कसी अ<य ¤ोतो से कोई अYयेतावृ◌ि◌r, छाMवृ◌ि◌r और 5टूड=टिशप ◌ाIU नहf कर=गे। यह 5ताव अनुशासनहीनता अथवा कत9य6 क अवहेलना के आधार पर ि◌नलं◌बत ि◌कया जा सकता है।

पुरMकार के ि◌लए 7. संबि<धत संल{नक6 के साथ ◌ाथ□ ;◌ारा ि◌विधवत Cप से भरी गई ि◌नधा?रत पM ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा आवेदन अिधसू◌ि◌चत ि◌तिथ के अंदर छाM कRयाण डीन के पास पह◌ुँच जाना चा◌ि◌हए।

ओसी-11

छा= के ि◌नवास

क> शतJ पर

[◌ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 क धारा 5 (xxii) के अधीन]

उm◌ेnय 1.छाM6 के ि◌लए ि◌नवास गृह क 5थापना करने का उ□◌ेsय ि◌ननिलिखत ह◌m :

i. ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के छाM6 को जीने के ि◌लए सौहाKपूण वातावरण दान करना ता◌ि◌क वे उuच ि◌शO◌ा Nहण करने के ि◌लए 5वयं को समिपत कर सक= ।

ii.छाM6 को उनके भावी उ¥ क अविध के दौरान, जब वे अपने माता-◌ि◌पता/अिभभावक6 से दूर रहते है, बुv संरOण दान करना।

iii.यह सु◌ि◌नि□त करना ि◌क अलग अलग पृpभू◌ि◌म से आए छाM6 को एक साथ रहने, सहयोग और स|◌ावना क भावना को आ1मसात करने और मन क 9यापक सामा◌ि◌जक ◌ाICप को Nहण करने का अवसर ि◌मले।

iv.वैयि:क 9यि:1व के चह◌ुमुखी ि◌वकास करने तथा उनक कला1मक और सृजना1मक ि◌तभाओं को अिभ9यि: दान करने के ि◌लए सह-पाठ्यJम और पाठ्येतर गितिविधय6 के ि◌लए अवसर दान करना; और

v.छाM6 के अपने मामल6 को ि◌नयं◌ि◌Mत करने क Oमता का ि◌वकास करना।

ि◌नवास गृह 2. i. ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ि◌नवास के उ□◌ेsय6 को पूरा करने के ि◌लए आवsयकता के अनुसार ऐसे छाM◌ावास6 का रखरखाव करेगा;

ii. लड़िकय6 और लड़क6 के ि◌लए अलग-अलग ि◌नवास कO ह6गे।

iii. ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ;◌ारा ि◌दये गए के अनुसार 1येक छाM◌ावास का एक नाम होगा

iv. 1येक छाM◌ावास एक वाडन के भार के अंदर म= होगा।

पय3वेBण एवं ि◌नयं=ण 3. सभी छाM6 के ि◌नवास के पयवेOण और ि◌नयं◌Mण का भार छाM कRयाण डीन म= ि◌निहत है, ि◌ज<ह= अपने काय के ि◌नवहन करने म= ◌ावो5ट और वाडन ;◌ारा सहायता दी जाएगी। वाडन को ि◌फेट ;◌ारा सहायता दी जाएगी।

वेश 4. i. ि◌व%◌ि◌व&◌ालय के ि◌नवास म= रहने के इuछुक छाM शैO◌ि◌णक ि◌वभाग6 म= वेश के बाद ि◌नधा?रत पM म= आवेदन कर=।

ii.ि◌वभाग के अYयO वेश ि◌लए गए ◌ाि◌थय6 के सभी छाM◌ावास आवेदन6 को छाM कRयाण डीन को अN◌े◌ि◌षत कर=। उन आवेदन6 क ◌ोवो5ट, जो छाM◌ावास म= सीट आवंटन कर=गे, क अYयOता से बनी सिमित ;◌ारा संवीO◌ा क जाएगी।

iii.दूर5थ 5थान6 से आए छाM6 को छाM◌ावास ि◌नवास के ि◌लए वरीयता दी जाएगी।

iv.छाM◌ावास ि◌नवास एक समय म= एक शैO◌ि◌णक वष के ि◌लए आवं◌ि◌टत ि◌कया जाएगा। 1येक छाM को अYययन के 1येक अगले वष म= छाM◌ावास म= वेश हेतु नए आवेदन जमा करेगा। तीसरे, पांचवे, सातव= अथवा नव= सेमे5टर क कO◌ा शुC होने से 15 ि◌दन पहले आवेदन छाM कRयाण डीन के कायालय म= पहo◌ंचाना चा◌ि◌हए। ि◌नवासी ;◌ारा सभी छाM◌ावास शुRक/ि◌शOण शुRक6 का भुगतान करने का माण 5तुत करने के बाद ही पुन: वेश के ि◌लए अनुमित दी जाएगी।

v.छाM6 को अं◌ि◌तम सेमे5टर क परीO◌ा समाU होने के एक सU◌ाह के अंदर अपना कमरा खाली करना होगा। यिद उ<ह= ि◌व%◌ि◌व&◌ालय म= आयो◌ि◌जत ि◌कसी परीO◌ा म= बैठने के ि◌लए पुन: आने क जCरत है, तो वे छाM◌ावास म= अथवा अितिथ के Cप म= ठहर सकते हm।

vi.रै◌ि◌गंग ि◌वरोधी पर एक शपथ-पM म= छाM ह5ताOर कर=गे और उसे छाM कRयाण डीन के कायालय म= जमा कर=गे।

वाड3न क> ि◌नयु◌ि◌Gयां, 5. i. छाM◌ावास6 के वाडन6 को छाM कRयाण डीन क ि◌सफ़ा?रश के आधार पर कुलपित ;◌ारा तीन वष क शिGयाँ और काय3 अविध के ि◌लए ि◌नयु: ि◌कया जाएगा और वे पुन: ि◌नयु: होने के यो{य ह6गे।

ii.छाM◌ावास6 के वाडन उन सभी कत9य6 का ि◌नवहन कर=गे जैसा ि◌क कुलपित ;◌ारा समय समय पर उ<ह= ि◌दया जाए और वे ◌ावो5ट और छाM कRयाण डीन के परामश से काय कर=गे।

iii.वाडन ◌ावो5ट ;◌ारा दी गई छाM6 क सूची के अनुसार छाM6 को कमरे आवं◌ि◌टत कर=गे और छाM6 के अिभभावक6 के 5थायी पते और आपातकालीन जCरत6 के उ□े◌sय से आवsयक कुछ ऐसी जानका?रय6 सिहत छाM6 क एक सूची बनाएँगे और छाM6 म= अनुशासन बनाए रख=गे;

iv.ि◌नवासी छाM6 के दै◌ि◌नक ?रकॉड रख=गे जैसे ि◌क 1येक ि◌दन क छाM6 क उपि5थित, ि◌नवास कO से अनुपि5थित के कारण के साथ छाM6 क अनुपि5थित;

v.छाM◌ावास के छाM6 के 5व5□य, 5वuछता और सामा<य जीवन क देखरेख कर=गे और छाM6 ;◌ारा अनुशासन का पालन सु◌ि◌नि□त कर=गे।

vi.अपने छाM◌ावास म= रहनेवाले छाM6 के कदाचार, अनुशासनहीनता और बीमारी से संबि<धत सभी मामल6 के ि◌लए छाM कRयाण डीन को सू◌ि◌चत कर=गे।

vii.वाडन को सbपे गए संबि<धत छाM◌ावास क सपिrय6 क सुरिOत अिभरO◌ा और रखरखाव करना तथा ि◌व%◌ि◌व&◌ालय ◌ाि◌धकरण ;◌ारा सपिrय6 क मरमत के ि◌लए आवं◌ि◌टत धनरा◌ि◌श और मानदंड6 के

अनुसार उन सपिrय6 क मरमत करना।

viii.छाM कRयाण डीन, ावो5ट और वाडन को छाMावास के कमर6 का िनरीOण करने का अिधकार होगा और छाMावास म= िनयु: कमचा?रय6 पर शासिनक िनयंMण ह6गे।

ix.वाडन को वाडन के Cप म= आपनी कायाविध के दौरान िनशुRक िकराए पर 5थानीय टेलीफोन सुिवधा के साथ िनशुRक असिxजत िनवास दान िकया जाएगा।

िफेट क> िनयुिG, 6. i. 1येक िनवासीय हॉल म= संब<निधत वाडन के परामश से ावो5ट ;ारा िफेट क िनयुि: क शिG और काय3 जाएगी;

ii. िफेट6 का चयन छाM6 क व?रpतम बैच म= से िकया जाएगा;

iii. िनयुि: के साल के िलए क जाएगी और वाडन ;ारा िविधवत िसफ़ा?रश िकए जाने पर समय बढ़ाया जा सकता है;

iv. एक िफेट छाMावास के 5वा5□य, सuचता और सामा<य कRयाण क देखरेख करेगा; रोल कल और अनुशासन बनाए रखने म= वाडन को सहायता करेगा और भोजनालय म= खा& सुिवधा का िनगरानी रखेगा;

v. िनयुि: के दौरान िफेट एक िनशुRक एकल कमरे का हकदार होगा, िक<तु उ<ह= छाMावास के वेश शुRक6 और मेस शुRक6 का भुगतना करना होगा।

ओसी-12
अनुशासन के
रखरखाव पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविधयाँ, 2006 के धारा 29 के अधीन]

1.अYययन क पूरी अविध के दौरान शोधाि◌थय6 सिहत छाM6 को छाMावास6, कOाओं, परीOा गृह, योगशालाओं, पु5तकालय6 म=, प?रसर के अंदर और साथ ही साथ प?रसर के बाहर भी अनुशासन बनाए रखना होगा और िव%िव&ालय के छाM6 से राखी गई अपेOा के अनुसार आचरण करेगा।

2.छाM6 क गितिविधय6 क कृित के आधार पर छाM वाडन, ोवो5ट, छाM कRयाण डीन, िवभाग6 के अYयO, िव&ापीठ के डीन के समN िनयंMण और मागदशन म= ह6गे।

3.िकसी भी ¤ोत से िकसी भी छाM के िखलाफ िशकायत के मामल6 म= िशकायत छाM कRयाण डीन को क जाएगी, जो छाM के िखलाफ ाIU िशकायत क स1यता क जांच करने के िलए ावो5ट को कह=गे।

4.यिद िकसी छाM6 को थम □t्या म= ही अनुशासन के उRलंघन का दोषी पाया जाता है तो छाM कRयाण डीन अपने 5तर पर दोषी पाये गए छाM6 को या तो डांटकर, या जुमाना लगाकर अथवा चेतावनी देकर आवsयक कारवाई कर सकते हm। यिद उनके मतानुसार अनुशासन के उRलंघन के मामले गंभीर है तो, मामले को िननिलिखत सद5य6 से गिठत िव%िव&ालय अनुशासिनक सिमित को ेिषत िकया जाएगा, गणपूित बनाने के िलए िजनम= से तीन सद5य6 क उपि5थित अिनवाय होगी :

i. डीन, छाM कRयाण अYयO
ii. ावो5ट सद5य- सिचव iii. संबि<धत

ि व&ापीठ के डीन सद5य

iv. संबि<धत ि वभाग के अYयO सद5य

v. संबि<धत छाMावास के वाडन सद5य

vi. अनुशासन के उRलंघन क कृ ित के आधार पर कुलपित ;ारा नाि मत ि कसी अ<य 9यि: ।

5.ि व%ि व&ालय अनुशासना1मक सिमित ि व%ि व&ालय के कुलसिचव को इसक एक ?रपोट 5तुत करेगी, जो ?रपोट पर अपनी ि ट□पणी के साथ ?रपोट को कुलपित के समO 5तुत कर=गे।

6.कुलपित को ऐसी दंडा1मक कारवाई करने, जैसी ि क वे उिचत समझ=, तथा मामले को अित शी§ कायका?रणी प?रषद म= अनुसमथन हेतु 5तुत करने का अिधकार होगा।

7.छाM6 को कुलपित के ि नणय6 के ि खलाफ कायका?रणी प?रषद के समO अपील करने का अिधकार होगा।

स`बP महाि व ालय पर ओडी J`aखला

ओडी-1

ि विव ालय के ि वशेषाि धकार के अंतग3त महाि व ालय, संMथान का वेश पर

[ि सिकम ि व%ि व&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xvii) के अधीन]

पा रभाषाइस अYयादेश के उ□े sय के ि लए महाि व&ालय/सं5थान का अथ है 5नातक अथवा 5नातकोrर 5तर पर ि विभ<न ि वषय6/अYययन पाठ्यJम6 म= ि शO ा दान करनेवाले महाि व&ालय/सं5थान; "ि वषय" श□द इितहास,अथशा~, और भूगोल जैसे ि वषय6 को दशाता है; "पाठ्यJम" का मतलब है पास, ऑनस और 9यावसाि यक पाठ्यJम, और "कायJम" श□द 5नातक, एककृत, ि नdपात, एमिफ़ल और पीएचडी कायJम (एकल अथवा एककृत) को दशाता है।

संबPता सिमित 1शैO ि णक प?रषद ि व%ि व&ालय के अधीन महाि व&ालय6/सं5थान6/ि वषय6/पाठ्यJम6 के ि लए एक संब vता सिमित का गठन करेगी : सिमित का गठन ि ननानुसार होगा :

i. कुलपित अथवा अYयO
उप-कुलपित

ii.सावजिनक ि नद}श/उuच ि शO ा के सद5य ि नदेशक अथवा उनके ि तिनिध

iii.शैO ि णक प?रषद के दो नामां ि कत सद5य

iv.परीO ा ि नयंMक सद5य

v.ि नदेशक, महाि व&ालय ि वकास प?रषद सद5य-सिचव

शिG एवं काय3 2.संब vता सिमित संब vता के ि लए आए आवेदन6 क संवीO ा करेगी और शैO ि णक प?रषद को

महाि व&ालय6/सं5थान6/ि वषय6/पाठ्यJम6 क संब vता क ि सफ़ा?रश करेगी। यिद ि कसी

महाि व&ालय6/सं5थान6/ि वषय6/पाठ्यJम6 क संब vता र□ करने के ि लए भी संब vता सिमित ि सफ़ा?रश

करेगी।

बैठक 3.संबvता सिमित आवsयकता के अनुसार बैठक करेगी।

गणपूि◌त 4.सिमित क बैठक के ि◌लए गणपूि◌त कुल सद5य6 क एक-ि◌तहाई सद5य6 से बनेगा।
।

ि◌ड5◌ी 5.इस अYयादेश के उ□◌ेsय के ि◌लए महाि◌व&◌ालय/सं5थान ◌ासंि◌गक ि◌डिNय6 के ि◌लए ि◌वषय6 म= ि◌शO◌ा दान करने
महाि◌व ◌ालय/वाले 5नातक/5नातकोrर महाि◌व&◌ालय/सं5थान होगा।
संMथान
ि◌विव ◌ालय के 6.ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌वशेषाि◌धकार म= ि◌कसी महिव&◌ालय/सं5थान का अथ होगाइस अ&◌ादेश के उ□◌ेsय के ि◌लए
ि◌वशेषाि◌धकार मa संबvता
वेश
अययन के 7.ि◌व%ि◌व&◌ालय के ि◌वशेषाि◌धकार म= ◌ासंि◌गक ि◌डN◌ी दान करनेवाले ि◌विभ<न पाठ्यJम6
ि◌वषय/पाठ्यhम (पास/ऑनस/9यावसाि◌यक) वेश का अथ है संबvता और इसे इस अYयादेश के अनुसार दान ि◌कया

जाएगा।

एक महाि◌व ◌ालय/ 8. महाि◌व&◌ालय/सं5थान/ि◌वषय6/पाठ्यJम6 क संबvता इस अYयादेश के ◌ावधान6 के अनुसार दो चरण6 म=
संMथान/ि◌वषय/होगी : (i) अ5थायी संबvता और (ii) 5थायी संबvता
अययन पाठ्यhम
क> संबPता के चरण
नएपाठ्यhम/ 9. जब एक नए महाि◌व&◌ालय/सं5थान/ि◌वषय/अYययन पाठ्यJम शुC करने का 5ताव 5तुत ि◌कया जाता है, तो
ि◌वषय/◌ायोजक ि◌नकाय अथवा सरकारी महिव&◌ालय/सं5थान के मामले म= संबि<धत ◌ाि◌धकारी ि◌जस वष से
महाि◌व ◌ालय/ महाि◌व&◌ालय/सं5थान/ि◌वषय/अYययन पाठ्यJम शुC करने क योजना है, उसके पहले वष के 15 अग5त को
संMथानका ◌ार`भ अथवा उससे पहले ि◌नधा?रत पM म= कुलसिचव को आवेदन कर=गे।

आवेदन क> 10. आवेदन ◌ाU होने पर संबvता सिमित आवेदन क ◌ारिभक जांच करेगी और आवsयकता होने पर संबि<धत
◌ारि`भकजांचआवेदक6 से ि◌लिखत Cप म= आगे 5पt◌ीकरण मांग सकती है। यिद सिमित प?रयोजना ?रपोट से संतुt है और

एक नए महाि◌व&◌ालय/सं5थान शुC करने के ि◌लए इसम= एक थम Kt◌ुया मामला पाया गया है तो सिमित एक
ि◌नरीO◌ण टीम का गठन करने के ि◌लए ि◌सफ़ा?रश कर सकती है।

ि◌नरीB◌ण टीम 11.ि◌नरीO◌ण टीम यूजीसी ;◌ारा समय समय पर जारी ि◌दशा-ि◌नद}श6 के अनुसार गिठत क जाएगी।

िनरीBण 12.िनरीOण टीम इसक ?रपोट िविजट के बाद 7 िदन के अंदर िनदेशक, महाि व&ालय िवकास प?रषद को 5तुत
करेगी। िनरीOण टीम 5थान क उपयु:ता, योजना क 9यवहायता, मानव, भौितक और िवrीय संसाधन क
पयाUता, पु5तकालय/योगशाला सुिवधाएं और यूजीसी ;ारा िनधा?रत िकए अनुसार अ<य आवsयकताओं
पर ?रपोट करेगी। यिद संबvता सिमित इस ?रपोट से संतुt होती है, तो सिमित महाि व&ालय/ सं5थान/ िवषय/
अYययन पाठ्यJम शुC करने के िलए िसफ़ा?रश करेगी। शैOिणक प?रषद अपनी िसफ़ा?रश अनुमित दान
करने हेतु कायका?रणी प?रषद को भेजेगी।

अMथायी संबPता के 13.एक महाि व&ालय/सं5थान/िवषय/अYययन पाठ्यJम शुC करने के िलए ाIU अनुमित के आधार पर आवेदक
िलए ायोजक िव%ि व&ालय ाि धकरण ;ारा समय-समय पर अनुमोिदत शुRक और ऐसे अ<य द5तावेज़ जमा िकया जाएगा,
एजaसी/ ाि धकारी जैसे िक यूजीसी ;ारा कला, िवzान, वाि णxय और 9यावसाियक अYययन के िलए िनधा?रत राि श के िलए
cारा िलए गए िफ़5ड िडपॉिज़ट के द5तावेज6 को सा□य के Cप म= िव%ि व&ालय ;ारा मांगा जा सकता है। यह िJया पूरी
ारि`भक कदम होने के बाद महाि व&ालय/सं5थान/िवषय/अYययन पाठ्यJम को अ5थायी सबv के Cप म= माना जाता है
और ऐसी संबvता केवल एक वष के िलए मा<य होगा। संबvता के नवीकरण के िलए अ5थायी संबvता
समाU होने से कम से कम एक सेमे5टर पहले आवेदन िकया जाना अिनवाय है।

नवीकरण दान 14.संबvता सिमित के अYयO नवीकरण के िलए महाि व&ालय/सं5थान6 के िनरीOण करने के िलए एक िनरीOण टीम गठन कर=गे। िनरीOण टीम को िनरीOण करने के बाद 7 िदन के अंदर िनदेशक, महाि व&ालय िवकास प?रषद को एक ?रपोट 5तुत करेगी। ?रपोट ाIU होने के बाद संबvता सिमित अपनी ि□पिणय6 और पयवेOण के साथ ?रपोट को शैOिणक प?रषद को अNेिषत करेगी। यिद शैOिणक प?रषद ?रपोट से संतुt होती है, तो प?रषद अ<य एक वष क अविध के िलए अ5थायी संबvता के नवीकरण के िलए कायका?रणी प?रषद को िसफ़ा?रश कर सकती है।

Mथायी संबPता 15.िजस महाि व&ालय/सं5थान को पाँच वष के िलए अ5थायी संबvता दान क गई है और यूजीसी ;ारा िकसी उ□ेsय के िलए समय-समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अ<य शतc को पूरा करता है, वह महाि व&ालय/ सं5थान 5थायी संबvता के िलए आवsयक शुRक6 के साथ िनधा?रत पM म= िनदेशक, महाि व&ालय िवकास प?रषद को आवेदन कर सकता है।

Mथायी संबPता 16.सबv सिमित के अYयO महाि व&ालय/सं5थान अथवा िवषय/अYययन पाठ्यJम अथवा दोन6 क 5थायी दान संबvता हेतु महाि व&ालय/सं5थान के िनरीOण करने

के िलए एक िनरीOण टीम का गठन कर=गे। िनरीOण टीम इसक िनरीOण के बाद 7 िदन के अंदर िनदेशक, महाि व&ालय िवकास प?रषद को एक ?रपोट 5तुत करेगी।

?रपोट ाIU करने के बाद शैOिणक प?रषद संबvता सिमित उसे अपनी ि ट□पिणय6 और पयवेOण6 के साथ शैOिणक प?रषद को अNेिषत करेगी। यिद शैOिणक प?रषद ?रपोट से संतुt होतो है, तो एक महाि व&ालय/सं5थान अथवा उसके अंतगत िवषय/अYययन पाठ्यJम को 5थायी संबvता दान करने के िलए कायका?रणी प?रषद को िसफ़ा?रश भेज सकती है।

नई शतv लगाने क> 17.शैOिणक प?रषद क िसफ़ा?रश पर कायका?रणी प?रषद संबvता के िलए समय-समय पर नई शत} लगा सकती शिG है, जो ि व%ि व&ालय के िवशेषाि धकार के अंतगत वेश करनेवाले महाि व&ालय6/सं5थान6 के िलए बाYयकारी होगा।

छा= का वेश 18.कोई भी छाM को िकसी भी महाि व&ालय/सं5थान/िवषय/अYययनपाठ्यJम म= ि व%ि व&ालय ;ारा अनुमित दान करने से पहले वेश नहf िदलाया जाएगा। इस िनयम के उRलंघन से महाि व&ालय/सं5थान क संबvता अ5वीकृत हो सकती है।

िकसी संबPता क> 19.कायका?रणी प?रषद के मतानुसार यिद िकसी महाि व&ालय/सं5थान संबvता परआधा?रत इस अYयादेश अनुमित को अथवा ि व%ि व&ालय के िकसी अ<य िनद}श6 का पालन करने म=िवफल हoआ है, कायका?रणी प?रषद के पास वापस लेने क> शिG िकसी भी महाि व&ालय/ सं5थान सेसंबvतावापस लेने क शि: है।

शुdक 20. सबv महाि व&ालय6 ;ारा इस अYयादेश को अपनाए जाने क ितिथ से 1येक वष 2% गैर-संचयी वृि v के साथ िननिलिखत शुRक6 का भुगतान िकया जाएगा :

h.सं.	आवेदन िकए गए संबPता क> कृित	शुdक राि श wपये ma
	सं5थान क अ5थायी संबvता	10,000
2	सं5थान क 5थायी संबvता	50,000
3	5नातक पास िवषय क अ5थायी	5,000
4	5नातक पास िवषय क 5थायी संबvता	25,000
5	5नातक ऑनस िवषय क अ5थायी	8,000
6	5नातक ऑनस िवषय क 5थायी	40,000
7	5नातक 9यावसाियक पाठ्यJम क	10,000
8	5नातक 9यावसाियक िवषय क	50,000
9	माणपM पाठ्यJम क अ5थायी संबvता	3,000
10	माणपM पाठ्यJम क 5थायी संबvता	15,000
11	ि ड□लोमा पाठ्यJम क अ5थायी	5,000
12	ि ड□लोमा पाठ्यJम क 5थायी संबvता	25,000
13	5नातकोrर िवषय क अ5थायी संबvता	5,000
14	5नातकोrर िवषय क 5थायी संबvता	25000
15	कला, वाि णxय और ि वzान म= 5नातक पाठ्यJम पूG करने के िलए	15 लाख अथवा यूनीयी ..पए
16	9यावसाियक पाठ्यJम म= 5नातक पाठ्यJम पूG करने के िलए यूनिष	35 लाख अथवा यूनीयी ..पए

किठनाइय का 21.इस अYयादेश के िकसी भी ावधान6 क 9याhया करने अथवा उसे भावी करने म= िकसी भी कार क

िनवारण किठनाइयाँ उ1प<न होने पर उसे कुलपित को भेजा जाएगा, उस पर िजनक 9याhया अथवा िनणय अंितम

होगा।

ओडी-2

महाि व ालय िवकास पIरषद पर

[िसिकम िव%िव&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 24 के अधीन]

महाि व&ालय िवकास प?रषद को इसके बाद "प?रषद" के Cप म= जाना जाएगा, िजसे िसिकम िव%िव&ालय ;ारा 5थाि पत िकया जाएगा।

1.िव%िव&ालय के अिधिनयम, संिविधय6 और अYयादेश6 के ावधान6 क 9यापकता पर भाव डाले िबना प?रषद का उ□ेsय एक नेतृ1व क भूिमका दान

करना और सामा<यत: िव%िव&ालय के िवशेषाि धकार के अंतगत िवt महाि व&ालय6 को सहायता देना, मागदशन करना और सुझाव देना है।

2.प?रषद सबv महाि व&ालय6/सं5थान6 से संबि<धत सभी िवषय6 म= शैOिणक प?रषद क धान सलाहकार िनकाय होगी.

3.प?रषद का गठन िननानुसार होगा :

i.	कुलपित	अYयO पदेन
ii.	उप कुलपित (यिद कोई हो)	सद5य ''
iii.	कुलपित ;ारा नाि मत िकए जाने वाले दो ि शOक, िजनम= से एक िवzान से और एक मानिवक और सामाि जक िवzान से ह6गे	सद5य
iv.	सबv महाि व&ालय6 के दो ाचाय, िजनम= से एक सरकारी महाि व&ालयो से और एक िनजी/ि मशनरी महाि व&ालय से महाि व&ालय क 5थापना होने क ितिथ से Jम के अनुसार रोटेशन के आधार पर ह6गे	सद5य
v.	कुलपित ;ारा नाि मत िकए जाने वाले सबv महाि व&ालय के दो ि शOक	सद5य
iv.	सावजिनक िदशाि नद}श/रIxय के उuच और तकनीक ि शOा के िनदेशक	सद5य पदेन
v.	छाM कRयाण डीन	-वही- ''
vi.	ि वr अिधकारी	-वही- ''
vii.	परीOा िनयंMक	-वही- ''
viii.	पु5तकालयाYयO	-वही- ''
ix.	कुलसिचव	सिचव ''

4.पदेन सद5य6 को छोड़कर अ<य सद5य6 का कायकाल तीन वष के िलए होगा।

5.अ5व5थता, मृ1यु अथवा पद1याग अथवा िकसी अ<य कारण से पद ?र: होने पर यथासंभव शी§ उसे भरा जाएगा और िनयु: सद5य(सद5य6) अविशt समय

के िलए काय जारी रखेगा।

6. प?रषद के वा5तिवक सद5य6 के एक-ितहाई सद5य प?रषद क बैठक के िलए गणपूित कर=गे।

7.प?रषद एक शैO◌िणक वष म= कम से कम दो बार बैठक करेगी और कुलपित के परामश से कुलसिचव ;◌ारा बैठक बुलाई जाएगी। यिद प?रषद के कम से कम

छ: सद5य6 से कुलपित को ◌िलिखत Cप म= ◌िवशेष बैठक बुलाने के ◌िलए ◌िनवेदन ◌ाIU होता है तो कम से कम 21 ◌िदन पहले सू◌िचत करते ह◌ुए प?रषद क ◌िवशेष

बैठक बुलाई जा सकती है।

8.प?रषद क बैठक के कायवा◌िहय6 का ?रकॉड रखना और प?रषद के कायc का दै◌िनक आधार पर देख-रेख करना कुलसिचव के कत9य ह6गे।

9. प?रषद के ◌िननिलिखत काय ह6गे :

i. महा◌ि व&◌ालय6 के सामा<य शै◌िOक 5तर6 का ◌िनरंतर सुधार को Yयान म= रखते ह◌ुए सबv महा◌ि व&◌ालय6/सं5थान6 म= ◌िश◌Oा के ◌िविभ<न पहलुओं पर

◌िवचार करने के ◌िलए एक मंच दान करना

ii.सबv महा◌ि व&◌ालय6 को रा◌ाxय सरकार अथवा ◌ि व%◌ि व&◌ालय अनुदान आयोग जैसी अ<य ◌ि वr◌ीय सहायता दान करनेवाली एज=◌िसय6 ;◌ारा ◌ि वr पो◌िषत

◌िकए जानेवाली ◌िवकासा1मक प?रयोजनाओं को तैयार करने म= सहायता दान करना।

iii.सबv महा◌ि व&◌ालय6 म= छाM6 क संhया और पढ़ाये गए ◌िवषय6 के संदभ म= भौ◌ितक सु◌िवधाओं का समय समय पर आकलन करना तथा उनके सुधार

हेतु यूजीसी अथवा रा◌ाxय सरकार को ◌िसफ़ा?रश करना।

iv.सबv महा◌ि व&◌ालय6 के शै◌Oि◌णक दशन6 का समय-समय पर समी◌Oा करना तथा उसके सुधार हेतु सुझाव दान करना;

v.परी◌Oा प◌ाv◌ित क समी◌Oा करना तथा समय समय पर नवाचार और सुधार हेतु सुझाव दान करना;

vi.◌िविभ<न महा◌ि व&◌ालय6/सं5थान6 क ◌िनरी◌Oण ?रपोटc पर कारवाई करना;

vii.मौजूदा सु◌िवधाओं का संशोधन करते ह◌ुए और जCरत6 और अंतराल को पहचानते ह◌ुए और आव◌ाsयकतानुसार उसे पूरा करते ह◌ुए ◌ि व%◌ि व&◌ालाय के

1येक सबv महा◌ि व&◌ालय/सं5थान/◌िवषय/अYययन पाठ्यJम6 पर एक अ&तन Cपरेखा तैयार करना और उसका रखरखाव करना; और

10.प?रषद का कायालय ◌िसिकम ◌ि व%◌ि व&◌ालय प?रसर म= ◌ि5थत होगा।

11.इस अYयादेश के ◌िकसी भी ◌ावधान6 को भावी करने अथवा 9याhया करने म= ◌िकसी कार क किठनाई उ1प<न होने पर उसे कुलपित को भेजा जाएगा, उस

पर कुलपित का ◌िनणय अं◌ितम होगा।

ओडी-3

◌िविव ◌ालय के स`बP महा◌ि व ◌ालय मa Mनातको◌Fर ◌िवभाग पर

[◌िसिकम ◌ि व%◌ि व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xvii) के अधीन]

इस अYयादेश म= ◌िनधा?रत मापद□ड6 को पूरा करने पर ◌िकसी सबv महा◌ि व&◌ालय/सं5थान को चयिनत ◌िवषय6 म= 5नातको◌rर पाठ्यJम6 को पढ़ाने के ◌िलए अनुमित

दी जा सकती है।

आवेदन 1. शै◌Oि◌णक प?रषद के अनुमोदन के बाद सबv सिमित ;◌ारा ◌िनधा?रत और ◌िनदेशक, महा◌ि व&◌ालय ◌िवकास

प?रषद ;◌ारा उपल□ध कराये गए ◌ाICप म= आवेदन ◌िकया जाएगा। आवेदन म= ◌िननिलिखत ◌िववरण6 को

शाि◌मल करते ह◌ुए यूजीसी ;◌ारा समय समय पर ि◌नधा?रत ि◌ववरण शाि◌मल ह6गे :

i.पास, ऑनस अथवा 9यावसाि◌यक पाठ्यJम6 को ि◌निद‡ करते ह◌ुए शुC ि◌कए जाने वाले 5ताि◌वत ि◌वषय;

ii.5ताि◌वत ि◌वषय6 को शुC करने का औिच1य (लगभग 500 श□द6 म=);

iii.5ताि◌वत पाठ्यJम के ि◌लए पयाU लासCम, संबि<धत ि◌वषय6 म= पु5तकालय क पु5तक= , योगशाला सुि◌वधाएं और 5ताि◌वत पाठ्यJम6 के ि◌लए ि◌नधा?रत नू<यतम कमचा?रय6 क संhया।

iv.ओडी-1, धारा 20 के अनुसार ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय के नाम पर चेक/ ◌ा¡ट ;◌ारा देय एक अितदेय आवेदन शुRक संल{न कर=।

सीट क> सं?या 2. ि◌नरीOण सिमित क ि◌सफ़ा?रश6 और शैO◌िणक प?रषद के अनुमोदन के अनुसार।

वेश 3. महाि◌व&◌ालय6 का अपना वेश मापदंड हो सकता है, ि◌क<तु उसे ि◌व%ि◌व&◌ालय क शैO◌िणक प?रषद के पूव अनुमोदन से ही केवल कायाि◌<वत ि◌कया जाएगा।

पाठ्यhम 4. अYययन बोड ;◌ारा सं5तुत और शैO◌िणक प?रषद ;◌ारा अनुमोि◌दत पाठ्यJम6 को संबि<धत महाि◌व&◌ालय ;◌ारा तैयार ि◌कया जाएगा।

शुdक 5. संबि<धत महाि◌व&◌ालय ;◌ारा शुRक6 का ि◌नधारण और सं◌Nह ि◌कया जाएगा,हालांि◌क,ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा समय-समय पर ि◌नधा?रत और छाM6 ;◌ारा जमा ि◌कए गए परीO◌ा शुRक6 के आधा शुRक, अंकपM के 100%,

पंजीकरण और माणपM शुRक6 को ि◌व%ि◌व&◌ालय म= जमा ि◌कया जाएगा।

ि◌शBक क> योLयता एवं सं?या 6. ि◌शO क6 क यो{यता और सं◌hया यूजीसी ;◌ारा समय-समय पर ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार होगा।

काय3 भार 7. ि◌व%ि◌व&◌ालय के 5नातको‰र ि◌वभाग6 म= 1येक संकाय सद5य6 के ि◌लए शैO◌िणक कायभार ि◌त सेमे5टर म= 90 ि◌शO◌ण ि◌दन से कम नहf होगा।

कि◌ठनाइय का िनवारण 8. इस अYयादेश के ◌ावधान6 को भावी करने अथवा 9या◌hया करने म= ि◌कसी कार क कि◌ठनाई उ1प<न होने पर कुलपित को भेजा जाएगा और उस पर कुलपित का ि◌नणय अंि◌तम और बाYयकारी होगा।

ि◌विवध ि◌वषय पर ओई Ük`aखला

ओई -1

ि◌विव ◌ालय के शैB◌िणक कैलंडर पर

[ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(पी) के अधीन]

1.ि◌व%◌ि◌व&◌ालय म= एक सेमे5टर म= कम से कम 90 ि◌दन का वा5तिवक ि◌शO◌ण होगा।

¹Hkkx III µ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 39

2.ि◌व%◌ि◌व&◌ालय का कैलंडर ि◌ननानुसार होगा :

टेबल1. ि◌सिकम ि◌विव ◌ालय के ि◌लए कैलंडर		
	शैB◌िणक गितिविधयां	ि◌दनांक/अविध
1	थम सेमे5टर म= वेश	16 जलाई – 30 जलाई
2	ि◌वषम सेमे5टर6 (सेमे5टर I, III और V) के ि◌लए क◌O◌ाओं का	1 अग5त – 21 नवंबर (22 नवंबर से 30 नवंबर छाM6 के तैयारी का
3	ि◌वषम सेमे5टर क परी◌O◌ाएँ	1ि◌दसंबर – 15 ि◌दसंबर
4	शीतकालीन अवकाश के ◌ारभ और	16 ि◌दसंबर – 15 फरवरी
5	सम सेमे5टर6 (सेमे5टर : II, iv और vi के ि◌लए क◌O◌ाओं का	16 फरवरी– 24 जून(15 जून – 4 जुलाई छाM6 के तैयारी का समय, ि◌जसे पाठ्यJम
7	सम सेमे5टर6 क परी◌O◌ाएँ	5 जलाई -19 जलाई
8	सेमे5टर ¨◌ेक/ि◌व%◌ि◌व&◌ालय	20 जलाई – 30 जलाई
9	चतथ सेमे5टर के परी◌O◌ा प?रणाम6	15 अग5त

ि◌वशेष : यिद क◌O◌ाओं और परी◌O◌ाओं का पहला ि◌दन को अवकाश रहता है, तो यह अगले काय ि◌दवस से शुC होगा। सेमे5टर ¨◌ेक न अवकाश है और न ही अवकाश होगा।

टेबल 2. ि◌विव ◌ालय दारा स`बP महाि◌व ◌ालय/सं◌Mथान के ि◌लए		
	शैB◌िणक गितिविध	ि◌दनांक
1	ि◌वषम सेमे5टर क परी◌O◌ा	15 नवंबर – 30 नवंबर
2	सम सेमे5टर क परी◌O◌ा	5 जन – 20 जन
3	पाठ्येतर गितिविधय6 के ि◌लए महाि◌व&◌ालय	21 जन - 30जन

ओई-2

बैठक के

समय-सा◌Iरणी

पर

[ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय सं◌ि◌विध, 2006 के धारा 10(10) के अधीन]

◌ाि◌धकरण का नाम	बैठक क> ि◌तिथ
अYययन बोड	मई के थम स◌U◌ाह और अटबर के थम स◌U◌ाह
ि◌व&◌ापीठ बोड	मई के ि◌:तीय स◌U◌ाह अ\ अटबर के ि◌:तीय
ि◌वr सिमित	फरवरी के चतथ स◌U◌ाह, मई के चतथ स◌U◌ाह और
महाि◌व&◌ालय ि◌वकास प?रषद	मई के ततीय स◌U◌ाह और अटबर के ततीय
शै◌O◌िणक प?रषद	मई के चतथ स◌U◌ाह और अटबर के चतथ स◌U◌ाह
कायका?रणी प?रषद	जन के थम स◌U◌ाह और नवंबर के थम स◌U◌ाह
कोट और दी◌O◌ा◌ंत समारोह	नवंबर के ततीय स◌U◌ाह

ओई-3

दीB◌ा◌ंत

समारोह

पर

[ि◌सिकम ि◌व%◌ि◌व&◌ालय सं◌ि◌विध, 2006 के धारा 32 के अधीन]

दीB◌ा◌ंत समारोह 1. i. सामा<यत: ि◌डN◌ी दान करने के उ□◌ेsय से वष म= एक बार ऐसी ि◌तिथ और 5थान म= दी◌O◌ा◌ंत समारोह का आयोजन

िकया जाएगा, जैसा िक चा<सेलर के पूव अनुमोदन से कुलपित ;ारा िनधा?रत िकया जाए।

ii.दीOांत शुRक िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िकए जाने के अनुसार ह6गे।

iii.चा<सेलर यिद मौजूद हm, तो वे िडNी दान करने के िलए आयोिजत दीOांत समारोह क अYयOता कर=गे। चा<सेलर क अनुपि5थित म= कुलपित दीOांत समारोह क अYयOता कर=गे।

सूचना 2. i. दीOांत समारोह के िलए कम से कम तीन सUाह पहले कुलसिचव ;ारा सूचना दी जाएगी। ii.िजन छाM6 ने दीOांत समारोह आयोिजत िकए जाने वाले वष से पहले अपनी परीOाएं उrीण िकया है, वे छाM दीOांत समारोह म= िवt होने के यो{य ह6गे। यिद दीOांत समारोह कुछ वषc से आयोिजत नहf िकया जाता है, तो बगैर उसके कुलपित िपछले वषc के सफल छाM6 को उनके संबि<धत िडNी म= वेश िदलाने तथा छाM6 ;ारा िनधा?रत शुRक6 का भुगतान करने पर िडNी जारी करने के िलए ाधिकृत करने हेतु सOम ह6गे।

आवेदन 3. i. िकसी परीOाथ को िडNी के िलए 9यि:गत Cप से दीOांत समारोह म= वेश हेतु िनधा?रत शुRक6 के साथ वेश हेतु िनधा?रत ितिथ से कम से कम 7 िदन पहले कुलसिचव को आवेदन करना होगा।

ii.जो परीOाथ दीOांत समारोह म= 9यि:गत Cप से उपि5थत होने के िलए असमथ है, उ<ह= उनक अनुपि5थित म= कुलपित ;ारा िडNी के िलए शािमल िकया जाएगा और िनधा?रत शुRक6 का भुगतान करने पर उ<ह= कुलसिचव ;ारा माणपM दान िकया जाएगा।

शुdक 4. दीOांत समारोह म= िडNी के िलए 9यि:गत Cप से वेश का शुRक िव%िव&ालय ;ारा समय समय पर िनधा?रत िकया जाएगा।

मानद िड5ी 5. i. मानद िडNी केवल दीOांत समारोह म= ही िदया जाएगा और इसे 9यि:गत Cप से िलया जा सकता है। ii.िजन 9यि:य6 को दीOांत समारोह म= मानद िडNी दान िकया जाना है, उन पर कुलपित ;ारा अथवा उनक अनुपि5थित म= िव%िव&ालय के व?रpतम डीन ;ारा 5तुित दी जाएगी।

iii.दीOांत समारोह म= परीOाथ उनक संबि<धत िडNी के अनुसार उपयु: गाउन और टोपी पहनेगा। जो परीOाथ िव%िव&ालय ;ारा दीOांत समारोह के िलए िनधा?रत पोशाक म= नहf होगा, उसे दीOांत समारोह म= वेश नहf िदया जाएगा।

दीBांत समारोह 6. i. दीOांत समारोह म= िडNी दान करने के िलए उपि5थत परीOाथय6 को औपचा?रक Cप से उनके क> िhया संबि<धत िडिNय6 म= वेश के िलए कुलाधिपित/कुलपित के समO 5तुत िकया जाएगा। संबि<धत िवYयापीठ के डीन अपने िव&ापीठ के िनdणात छाM6 को 5तुत कर=गे। कुलपित ;ारा इसी उ□ेsय से नािमत सबv महािव&ालय6 के ाचाय िविभ<न िडिNय6 के िलए 5नातक परीOाथय6 को 5तुत कर=गे। पदक और पुर5कार ाU करनेवाल6 का नाम कुलसिचव ;ारा पढ़ा िकया जाएगा, जो परीOाथय6 को अनुपि5थित म= उनके संबि<धत िडिNय6 म= वेश हेतु उनक िडिNय6 के िलए भी 5तुत कर=गे।

ii.कुलाि◌धपित, मुhय रेटर, कुलपित, उप कुलपित (यिद कोई हो), कुलसिचव, ि◌वr अिधकारी, ि◌व&◌ापीठ6 के डीन और ि◌व%ि◌व&◌ालय ◌ाि◌धकरण के सद5य ि◌व%ि◌व&◌ालय ;◌ारा उनके ि◌लए ि◌नधा?रत ि◌वशेष व~ पहन=गे और ि◌ननिलिखत J◌म से दीO◌ा◌ंत समारोह गृह तक शोभायाM◌ा म= चल=गे।

iii.कुलाि◌धपित, मुhय रेटर, मुhय अितिथ, कुलपित, उपकुलपित (यिद कोई हो), कुलसिचव, डीन,

iv.जब शोभायाM◌ा दीO◌ा◌ंत समारोह गृह म= वेश करेगी, तब परीO◌ाथ□ और दशक खड़े हो जाएंगे और

v.जब कुलाि◌धपित और मुhय अितिथ मौजूद ह6, तब कुलपित उनका 5वागत कर=गे।

vi.दीO◌ा◌ंत समारोह का सबोधन ि◌नयु: व:◌ा ;◌ारा ि◌दया जाएगा।

ि◌वr अिधकारी और ि◌व%ि◌व&◌ालय ◌ाि◌धकरण के सद5य अपने ि◌लए आरिOत 5थान6 पर आसन Nहण कर=गे।

शोभायाM◌ा के सद5य6 ;◌ारा उनके आसन Nहण करने तक खड़े रह=गे। क.कुलसिचव ि◌व%ि◌व&◌ालय के Yवज के साथ ख.◌ाि◌धकरण के सद5य ग.सभा के सद5य घ.शैO◌ि◌णक प?रषद के सद5य ङ.कायका?रणी प?रषद के सद5य च.ि◌व&◌ापीठ बोड के सद5य छ.ि◌व&◌ापीठ के डीन ज.पु5तकालयाYयO झ.परीO◌ा ि◌नयंMक ञ.ि◌वr अिधकारी ट.उप कुलपित ठ. कुलपित ड.मुhय अितिथ ढ.चीफ रेटर ण.कुलाि◌धपित

vii.कुलाि◌धपित/कुलपितसे अनुमित ◌ाIU होने पर कुलसिचव दीO◌ा◌ंत समारोह के ◌ारभ क घोषणा कर=गे। उसके बाद कुलाि◌धपित/कुलपित कह=गे, "परीO◌ाि◌थय6 को उपि5थत ि◌कया जाए"।

viii.परीO◌ाि◌थय6 को उनके संबि<धत ि◌डिNय6 के ि◌लए 5तुत करने के उ□े◌sय से ि◌नयु: 9यि: ि◌ननिलिखत तरीके से ि◌नधा?रत ि◌कए अनुसार 5तुत कर=गे। जब परीO◌ाि◌थय6 को पेश ि◌कया जाएगा तब वे खड़े ह6गे और उ<ह= ि◌वt ि◌कए जाने तक खड़े रह=गे।

"कुलाि◌धपित/कुलपित महोदया अथवा कुलाि◌धपित/कुलपित महोदय, मm आपके समO ……(सं◌hया) ..... ◌ाि◌थय6 को पेश करता/करती हªँ ि◌जनका परीOण ह◌oआ है और।.....ि◌डN◌ी (.....म= .....के 5नातक/ि◌नdपात) के यो{य पाया गया है, ि◌जसके ि◌लए मm ि◌नवेदन करता/करती हªँ ि◌क अब उ<ह= 5वीकार ि◌कया जाए"।

कुलाि◌धपित/कुलपित ि◌डN◌ी के ि◌लए ◌ाि◌थय6 को ि◌ननिलिखत श□द6 म= 5वीकार कर=गे:

"ि◌सिकम ि◌व%ि◌व&◌ालय के कुलाि◌धपित/कुलपित के Cप म= मुझ म= ि◌निहत शि:य6 के आधार पर मm आपको .....।ि◌डN◌ी ◌IU करने के ि◌लए 5वीकार

करता/करती हªँ और आपको यह भार देता/देती हªँ ि‍क आप अपने जीवन म= और बातचीत म= कभी भी अपने आप को इसके यो{यता दिशत कर सकता है"।

इसके बाद ाथ अपने अपने 5थान Nहण करेगा।

ix.इसके प ात कुलसिचव अथवा इसी उ ेsय से ि‍नयु: 9यि: कुलाि‍धपट/कुलपित को ि‍ननिलिखत श द6 म= ि‍विभ<न ि‍डिNय6 के ि‍लए अनुपि5थित म= ाि‍थय6 को 5वीकार करने के ि‍लए ि‍नवेदन कर=गे : "कुलाि‍धपित/कुलपित महोदया अथवा कुलाि‍धपित/कुलपित महोदय, अ<य.....ाि‍थय6 क ओर से, ि‍जनका परीOण हoआ है और ि‍जनको ..... ि‍डNी ाIU करने के यो{य पाया गया है और अनुपि5थित म= ि‍डNी ाIU करने क अनुमित दी गई है, mम ि‍नवेदन करता/करती हªँ ि‍क उ<ह= उनक संबि<धत ि‍डिNय6 के ि‍लए 5वीकार ि‍कया जाए"।

कुलाि‍धपित/कुलपित उन ाि‍थय6 को उनके संबि<धत ि‍डिNय6 के ि‍लए ि‍ननिलिखत श द6 म= 5वीकार कर=गे :

"ि‍सिकम ि‍व%ि‍व&ालय के कुलाि‍धपित/कुलपित के Cप म= मुझम= ि‍निहत शि:य6 के आधार पर mम ाि‍थय6 को उनक अनुपि5थित म= उनके संबि<धत ि‍डिNय6 के ि‍लए 5वीकार करता/करती हªँ" x.सभी ाि‍थय6 को उनके ि‍डिNय6, पदक6 और पुर5कार6 के ि‍लए 5वीकार ि‍कए जाने के बाद कुलसिचव ध<यवाद zापन कर=गे। इसके बाद कुलाि‍धपित/कुलपित क अनुमित से कुलसिचव दीOाि‍ंत समारोह के समापन क घोषणा कर=गे।

xi.इसके बाद शोभायाMा ि‍वपरीत Jम म= दीOाि‍ंत समारोह गृह से ि‍नकलेगी और तब तक 5नातक और दशक खड़े रह=गे।

ओई-4
मिहला
को_ पर

[ि‍सिकम ि‍व%ि‍व&ालय अिधिनयम, 2006 क धारा 30 (ओ) के अधीन]

1.कुलपित को ि‍ननिलिखत ल य एवं उ ेsय6 को साकार करने म= सहायता दान करने के ि‍लए ि‍व%ि‍व&ालय म= एक मिहला कोp क 5थापना क जाएगी। i. लmि‍गक संवेदीकरण।

ii.मिहलाओं के अिधकार के बारे म= जागCकता पैदा करना।

iii.नौकरी तथा कै?रयर क अवसर6 म= ि‍लंग के आधार पर भेदभाव क रोकथाम।

iv.ि‍व%ि‍व&ालय म= यौन उ1पीड़न क रोकथाम।

v.ि‍लंग के आधार पर ि‍कए गए भेदभाव अथवा उ1पीड़न के ि‍कसी भी मामले म= आवsयकता के अनुसार मYय5थता और ि‍नवारण करना। 9याhया1मक ि‍ट पणी: "यौन उपीड़न" म= कुछ इस तरह के अिनp यौन 9यवहार शाि‍मल हm, जो ि‍ननकार हm :

क)शारीरक संपक और पहल करना

ख)यौन पधरता क मांग

ग)यौन रंगीन ि‍ट पणी

घ)अ$ील सािहय िदखाना

ङ)यौन 'कृित के अ*य िकसी 'कार के अ$ील शारीरक, मौिखक अथवा मौिखकेतर आचरण जो 'य अथवा परो 1प से िकसी मिहला को 2यिथत करता हो अथवा धमकाता हो अथवा उ*ह3 मानिसक तौर पर पीिड़त करता हो।

2.मिहला कोp का गठन िननानुसार होगा :

i.कुलपित ;ारा व?रp मिहला कमचा?रय6 के बीच म= से नािमत एक अYयO, जो सह ोIYयापक अथवा उप-कुलसिचव के पद से कम 5तर के नहf ह6गे।

ii.पदेन सद5य के Cप म= छाM कRयाण डीन।

iii.कुलपित ;ारा छाM कRयाण डीन क िसफ़ा?रश6 के आधार पर नािमत िकए जाने वाले छाM समुदाय6 से संबि<धत दो मिहलाएँ।

iv.कुलपित ;ारा कमचारी समुदाय6 से चार 9यि: – दो गैर-िशOण समुदाय6 का ितिनिध1व करने वाले और दो िशOण समुदाय6 को ितिनिध1व करने वाले दो 9यि:, िजनम= से कम से कम एक मिहला होगी, नािमत िकए जाएंगे।

v.कोp के अYयO क िसफ़ा?रश6 के आधार पर कुलपित ;ारा मिहलाओं से संबि<धत मामल6 को िनपटाने म= िवशेषzता रखनेवाले एक मनुनी िवशेषz को नािमत िकए जाएंगे।

vi.कोp के अYयO क िसफ़ा?रश6 के आधार पर कुलपित ;ारा संबि<धत O◌ेM6 म= कायरत दो सामाजिक कायकताओं को नािमत िकए जाएंगे। vii.जब कभी आवsयकता हो, कुलपित के अनुमोदन से कोp ;ारा िकसी अ<य सद5य6 को शािमल िकया जाएगा।

3.पदेन सद5य6 को छोड़कर अ<य सद5य6 का कायकाल तीन वष का होगा।

4.मिहला कोp क शि: एवं काय इस कार ह6गे :

i.लmिगक <याय और यौन उ1पीड़न के मु□6 पर िव%िव&ालय समुदाय6 को जागCक बनाने के िलए आवsयक सेिमनार, कायशाला, 9याhयान, जागCकता िशिवर और इस तरह क अ<य गितिविधय6 का आयोजन करना।

ii.मिहलाओं और पु\ष6 के बीच एक सुरिOत और सौहाKपूण िशOण/काय का वातावरण बनाने के उपाय6 के बारे म= अYयO, कायका?रणी प?रषद को िसफ़ा?रश करना।

iii.यौन उ1पीड़न अथवा यौन भेदभाव के िखलाफ ोIU िशकायत6 क जांच करना तथा यथासंभव िनवारणाथ आवsयक कदम उठाना अथवा अYयO, कायका?रणी प?रषद के समO अपनी िसफ़ा?रश6 के साथ इसके िनdकषc को 5तुत करना।

iv.जहां भी आवsयक हो, िशकायत6 का समयबv िनवारण करना।

v.जब कभी आवsयकता हो, पीिड़त6 के यो{य परामशदाता को िनयु: करना।

vi.अपराध के दोषी 9यि: के िखलाफ कानूनी अथवा अनुशासना1मक कारवाई के िलए यिद कोई थम Kt्या मामला हो तो अYयO, कायका?रणी प?रषद को उसक ?रपोट करना और उस मामल6 को ताि क अंत दान करना।

vii.िव%िव&ालय समुदाय म= मिहलाओं के सामा<य कRयाण के संबंध म= उपाय6 पर सुझाव देना और उसक सुरOा सुिनि□त करना।

5.काय के तौर-तरीके:

i.यौन उ1पीड़न अथवा यौन भेदभाव क घटना घटने क ितिथ से अिधकतम 30 िदन के अंदर संबि<धत पीिड़त6 को कोp के अYयO के समO िशकायत दज करनी होगी। िकसी अवांछनीय प?रि5थित के बारे म=, जो 1यO अथवा परोO Cप से सामा<यत:

ि व%ि व&ालय समुदाय के मिहलाओं को भाि वत करता हो, उसक ि शकायत ि कसी तृतीय पO अथवा ि व%ि व&ालय समुदाय के ि कसी सद5य ;ारा भी दज कराई जा सकती है। ii.ि शकायत कताओं के साथ बैठने क सुि वधा तथा आवsयकता के अनुसार ि वशेषz/9यावसाि यक परामश दान करने हेतु कोp के ि लए

ि व%ि व&ालय ;ारा उपल□ध कराये जाने वाले आवsयक आसबाप से सुसिxजत एक ि नयिमत कायालय 5थल होना चाि हए।

iii.एक वष म= कोp क कम से कम दो बैठक= होगf। ि कसी भी अवसर पर आपातकालीन बैठक6 का आयोजन ि कया जा सकता है।

iv.यिद यह माना जाता है ि क पारदिशता संबि<धत पाि टय6 को 1यO अथवा परोO Cप से अपमाि नत करेगी, तो यौन उ1पीड़न क ि शकायत6 क

ि नपटान करते समय कोp को ि नयत गोपिनयता बनाई रखनी होगी।

6.बैठक6 का आयोजन:

i.गणपूि त: कोp के कुल सद5य6 का एक-ि तहाई सद5य6, ि क<तु कोp के कम से कम चार सद5य कोp क ि कसी बैठक के ि लए गणपूि त बनाएँगे। ii.अYयO कोp क सभी बैठक6 क अYयOता कर=गे। अYयO क अनुपि5थित म= कोp के व?rpतम मिहला सद5य बैठक6 क अYयOता कर=गी। iii.मिहला कोp, जहां तक संभव हो, ि नणय ि लए गए मामल6 पर आम सहमित पर पहoँचने क कोि शश करेगा। हालांि क, जब कभी प?रणाम टाई हो, तो अYयO का मत ि नणायक मत होगा।

ओई-5

पूव3

छा= संघ

पर

[ि सिकम ि व%ि व&ालय संि विधयाँ, 2006 के धारा 38 के अधीन]

1.छाM कRयाण डीन ;ारा संयोि जत एक पूव छाM संघ होगा।

2.पूव छाM संघ के उ□ेsय ि ननानुसार ह6गे :

क)ि व%ि व&ालय के पूव छाM और वतमान छाM6 के बीच सम<वय सेतु का सृजन करना,

ख)पूव छाM6 को वतमान छाM6 के साथ बातचीत करने और मागदशन करने हेतु सOम बनाना।

ग)वतमान छाM6 को पुराने छाM6 के साथ उनके संपक से वैयि:क, शैOि णक और 9यवसाि यक तौर पर लाभ ाIU करने म= सOम बनाना, और घ)पूव छाM6 को शैOि णक, ि वrीय और शासिनक Cप से ि व%ि व&ालय के ि नमाण म= सहयोग देने के ि लए सOम बनाना, चूंि क ि व%ि व&ालय क ि तpा म= उनक भी ि ह5सेदारी है।

3.ि व%ि व&ालय ;ारा संघ के सुचा\ संचालन के ि लए आवsयक सुि वधा दान करने क 9यव5था करेगा। छाM कRयाण डीन पुराने छाM6 के 5थायी पते, टेि लफोन नंबर, ईमेल आईडी और वतमान ि नयुि: क ि 5थितय6 पर डेटा बmक बनाएँगे और रखरखाव कर=गे।

ओई-6

ि शकायत

ि नवारण

पर

[ि सिकम ि व%ि व&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 30(ओ) के अधीन]

1.ि व%ि व&ालय के ि कसी कमचारी अथवा छाM, जो ि व%ि व&ालय के ि कसी ाि धकारी अथवा ि कसी अिधकारी ;ारा ि लए गए ि कसी ि नणय से 9यिथत होता है, ऐसे आदेश अथवा ऐसे 5ताव क ि त IU होने क ि तिथ से 7 ि दन के अंदर उिचत माYयम से अपने अ□यावेदन के समथन म= मामल6 से संबि<धत ि कसी द5तावेजी सा□य के साथ-साथ ऐसे आदेश6 से ि कस कार भाि वत होते हm, उसका 5पt उRलेख करते हoए कुलसिचव को अ□यावेदन कर सकता है।

2.अ□यावेदन क जांच हेतु कुलसिचव अ□यावेदन IU होने क ि तिथ से सात ि दन का अंदर उसे ि शकायत ि नवारण कोp को अNे ि षत कर=गे।

3.ि शकायत ि नवारण कोp इस तरह के संदभ IU होने क ि तिथ से 15 ि दन के अंदर कुलसिचव को अ□यावेदन पर अपनी ि सफ़ा?रश= 5तुत करेगा।

4.ि शकायत ि नवारण कोp क ?रपोट को कायका?रणी प?रषद क अगली बैठक म= 5तुत क जाएगी, उस मामल6 म= ि जसका ि नणय अंि तम होगा।

5.कुलसिचव से ि कसी अ□यावेदन IU करने के बाद कोp ि ननकार से एक सिमित का गठन करेगा:

i. अYयO, ि शकायत ि नवारण कोp	- संयोजक
और सम<वयक	ii.संघ के ि तिनिध,
ि जससे अपीलकता का संबंध हो	- सद5य
iii.अपीलकता ;ारा नाि मत	- सद5य
iv.व?रpतम डीन	- सद5य
v.कुलपित ;ारा नाि मत ि कए जाने वाले एससी/एसटी/ओबीसी अिधकारी, जो सद5य	- मामले से

संबि<धत नहf है।

ओई-7
शोध
पIरयोजना
पर

[ि सिकम ि व%ि व&ालय अिधिनयम, 2006 के धारा 5 (xv) के अधीन]

1.एक "शोध प?रयोजना" यहाँ सरकारी, अv-सरकारी, 5वाय1व ि नकाय6, सावजिनक खंड उपJम6, सावजिनक/ि नजी ि लिमटेड कंपनी, ि नजी <यास/फ़ाउंडेशन और पंजीकृत ि नकाय6 ;ारा ि वrपोि षत ि कसी "योजना" अथवा "प?रयोजना" के Cप म= प?रभाि षत है। ऐसी प?रयोजनाओं का ि वr पोषण ि ननिलिखत उ□े sय6 के ि लए ि कया जाएगा :

क)शैO ि णक अनुसंधान,
ख)ौ&ोि गक का ि वकास,
ग)ि नगरानी और मूRयांकन काय,
घ)ि शO ण और ि वकास गितिविधयां,
ङ)काय शोध सिहत ि व5तार गितिविधयां, और
च)सव}O ण और लेखन काय।

2.ि कसी बा¢ सं5था से ि वrीय सहायता (यहाँ, इसके बाद धान अ<वेषक अथवा पीआई के Cप म= अथवा ऐसे अ<य पदनाम से प?रभाि षत ह6गे, जैसा ि क ि वrपोि षत एज=सी ;ारा ि दया गया हो) क मांग करने के ि लए इuछुक ि शO क संबि<धत ि वrीय/ायोि जत सं5था क अपेO ाओं के अनुसार प?रयोजना 5ताव तैयार कर=गे।

3.यिद प?रयोजना 5ताव आवेदक ;ारा िविधवत माणित हो िक यिद अंतत: प?रयोजना का िवr पोषण िकया जाता है तो प?रयोजना का काय िवभाग म= िकया जाना संभव है तो प?रयोजना को िवभाग के अYयO/भारी ;ारा (अथवा, यिद पीआई अYयO/भारी होने क 5थित म= डीन ;ारा) अNेिषत िकया जाएगा, डीन होने क 5थित म= कुलपित/कुलसिचव ;ारा अNेिषत िकया जाएगा।

4.कुलसिचव अपने कायालय सामिNय6 पर एक अNेषण पM के साथ 5ताव को िवr पोषण एज=सी को ेिषत कर=गे।

5.जब कोई बड़ी प?रयोजना हािसल िकए जाने पर यिद िवr पोिषत एज=सी एक सहमित zापन अथवा ऐसे िकसी अ<य उपकरण6 का िनdपादन करने के िलए िनधा?रत िकया जाता है, तो िव%िव&ालय के िविधक कोp ;ारा िविधवत जांच क जाने के बाद िव%िव&ालय ह5ताOर करने पर िवचार करेगा।

6.िव%िव&ालय िवrपोिषत एज=िसय6 ;ारा देय के अनुसार ओवरहेड भार का दावा करेगा। धान अ<वेषक ओवरहेड रािश के अिधकतम 50% क कुल रािश का दावा करने के िलए हकदार ह6गे िजसे प?रयोजना के िलए फन□चर और कायालय सामिNय6 के Jय के िलए इ5तेमाल िकया जाएगा।

7.1येक ायोिजत प?रयोजना के िलए िव%िव&ालय का अलग अलग बmक खाते ह6गे। 1येक प?रयोना म= िकए गए लेन-देन पर िनकटता से िनगरानी रखी जाएगी और प?रयोजना ?रपोट क 5तुित पर िवr पोिषत सं5थान6 को लेखा परीOक6 क ?रपोट तथा उपयोिगता माणपM सिहत लेखाओं क अंितम िनपटान 5तुत क जाएगी। अंितम प?रयोजना लेखाओं को 5वीकार करने के बाद िवr पोिषत सं5थान6 को सूिचत करते हoए बmक खाते को बंद िकया जाएगा।

8.धान अ<वेषक और आहरण और िवतरण अिधकारी यह सुिनि□त कर=गे िक सभी आविधक ?रपोटc और ?रटन को िनधा?रत समय6 के अंदर ायोजक एज=सी को अNेिषत िकया जा रहा है।

9.इस अYयादेश के उपरो: ावधान6 के अंतगत शामिल नहf हो पाये िकसी भी मामल6 को कुलपित को ेिषत िकया जाएगा और उस पर उनका िनणय अंितम होगा।

टी. के.
कौल, कुलसिचव
[िवzापन
III/4/असा./443/
16]

SIKKIM UNIVERSITY

ORDINANCE

Sikkim, the 31st January, 2017

THE SIKKIM UNIVERSITY FIRST ORDINANCES 2016

OA SERIES ON DEPARTMENTS AND SCHOOLS

No. SU/2007/REG-03/GN-025/923/1728.—The following is published for general information:—

OA-1

ON THE DEPARTMENTS

[Under Section 15(5) (b) of the SU Statutes, 2006]

Constitution 1. Each Department shall consist of the faculty members of the Department and such other persons as may be designated as members of the Department by the School Board on the recommendations of the Department concerned.

Duties of the Department 2. Duties of the Department shall be:

i. To admit students shortlisted by the Central Admission Committee to various programmes offered by the Department and to lay down the procedure for such admissions subject to overall supervision of the Central Admission Committee;

ii. To approve the schedule of classes and continuous evaluation for each course offered by the Department;

iii. To make proposals to the Academic Council on the creation and abolition of teaching posts;

iv. To consider and recommend research proposals for MPhil and PhD degrees to the Board of Studies;

v. To frame the syllabi for various courses and suggest revisions on the same from time to time;

vi. To constitute committees from its members and to assign to these committees specific roles for smooth functioning of the Department;

vii. To appoint from amongst its teachers adviser/mentor to students;

viii. To propose schemes for improvement of the standards of teaching and research in the subject; and

ix. To perform such other functions as may be assigned to it by the concerned Board of Studies, the Dean or the Vice-Chancellor.

Overall Workload 3. The academic work load for every faculty shall not be less than 90 teaching days in a semester. A teacher shall be available for at least 5 hours daily in the University/College for teaching, consultation or any other functions that may be assigned to him by the Head.

Work Unit 4. Each lecture shall be of one hour's duration. Practical classes of 90 minutes shall be counted as one hour of duty.

Number of PhD Students 5. No supervisor shall have more than 5 MPhil scholars at any given time. **MPhil and** Professors, Associate Professors and Assistant Professors may be allotted, on completion of their probation, a maximum of 8, 6 and 4 PhD scholars respectively, or as prescribed by the UGC from time to time.

Quorum 6. The quorum for meeting shall be one-third of the total members, subject to a minimum of two of which one may be the Dean of the concerned School in case of Departments with very few faculty members.

OA-2
ON THE HEADS OF DEPARTMENTS

[Under Section 30 (l) of the SU Act, 2006]

1. Every Department shall have a Head, appointed by the Vice-Chancellor in consultation with the Dean of the School and according to seniority by rotation, for a period of three years. The Head shall be at least of Associate Professor level. Where there are no Professors or Associate Professors in a Department, the Assistant Professors shall be appointed as In-Charge of the Department according to their seniority.

2. The Head/In-Charge of the Departments shall perform, under the general guidance of the concerned Dean, the following functions:

i. Convene and preside over meetings of the Department, prepare the minutes, implement the decisions of the Department and present the ATR in the next meeting.

ii. Organise teaching and research work in the Department;

iii. Allocate teaching work to the teachers in the Department and assign to them such other duties as may be necessary for the proper functioning of the Department;

iv. Communicate on behalf of the Department with all other departments and Authorities of the University;

v. Coordinate the functioning of Departmental Committees appointed by him for specific purposes; and vi. Perform such other duties as may be assigned to him by the Dean and the Vice-Chancellor.

3. The Head/In-Charge shall submit their applications for Casual Leave and Special Casual Leave to their respective Deans. For all other leaves they shall submit their applications to the Vice-Chancellor through the Dean.

4. The Head/In-Charge shall, when out of station or indisposed for duty, give the charge to his immediate junior colleague.

OA-3
ON THE BOARDS OF STUDIES

[Under Section 16 of the SU Statutes, 2006]

Composition

1. The Board of Studies of each Department shall comprise

i. Head of the Department;
ii. All Professors of the Department;
iii. One Associate Professor and two Assistant Professors of the Department by rotation, on the basis of seniority;
iv. One teacher each from other departments within the School on the recommendation of the Department concerned; and
v. Not more than three teachers teaching the concerned subject from affiliated colleges nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Director, College Development Council.
vi. Not more than three teachers nominated by the Vice-Chancellor from colleges/universities outside Sikkim, provided that at least one such teacher shall be from the region and others from rest of the country.

Term of Office

2. The term of office of members, other than the Head of the Department and the Professors, shall be three years. However, the members from the Department may be re-nominated if the number of teachers in the Department is not large enough for rotation.

Chairman

3. Head of the Department shall be the Convener and ex-officio Chairman of the Board. The Vice-Chancellor may also appoint any teacher of the University as Convener and ex-officio Chairman of the Board for subjects that are not taught at the University level and assign the Board to any School that he may deem fit.

Functions

4. The functions of the Board shall be:

i. To recommend to the School Board all matters related to undergraduate and postgraduate courses of studies offered in the concerned subject in the University;
ii. To recommend to the School Board panel of examiners for the undergraduate, integrated, postgraduate, MPhil and PhD programmes;
iii. To consider and recommend to the School Board research proposals for MPhil and PhD degrees;
iv. To recommend to the Board of the School measures for the improvement of undergraduate and postgraduate teaching; and
v. To perform such other functions as may be assigned to it by the School Board, the Academic Council, the Executive Council and the Vice-Chancellor.

Quorum

5. The quorum for the meeting of the Board shall be one-third of the total members.

Meeting

6. The Board shall be convened at least once in each semester. Notice of the meetings of the Board shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meeting.

Minutes

7. The Chairman of the Board shall keep the minutes of the meetings of the Board, implement the decisions and present the Action Taken Report in the next meeting.

OA-4
ON THE SCHOOL BOARDS

[Under Section 15 (3) of the SU Statutes, 2006]

Composition of theSchool Board

1. The School Board shall consist of

i. Dean of the School;
ii. Heads/In-charge of the Departments in the School;
iii. All Professors in the School;
iv. One Associate Professor and one Assistant Professor from each of the Departments by rotation on the basis of seniority;

v. One representative each of the Boards of two other Schools closely related with the School, to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendations of the concerned Dean; and

vi. Not more than three teachers, including retired teachers nominated by the Vice-Chancellor, who have expertise in the subjects around which the departments in the School are organised and who are not employees of the University or of any of its affiliated colleges/institutions.

Provided that ordinarily at least one person shall be from the region and the rest from the rest of the country.

Terms of Office **2.** The term of office of members, other than that of Dean, Heads of Departments and Professors shall be for three years.

Chairman **3.** The Dean of the School shall be the Chairman of the Board.

Powers and Functions **4.** The powers and functions of the Board shall be as follows:

i. To recommend to the Academic Council on various courses of study for various degrees that may be offered by the Departments through their Boards of Studies;

ii. To recommend to the Academic Council the creation or abolition of teaching posts and consider research proposals for PhD registration received from the Boards of Studies under the School;

iii. To consider schemes for the advancement of the standards of teaching and research and to submit the same to the Academic Council for its consideration;

iv. To recommend examiners for appointment for all courses including research degrees offered by the Departments, on the recommendation of the Boards of Studies of the concerned Departments;

v. To recommend to the Academic Council the award of research degrees to candidates who have been found qualified and fit to receive such degrees; vi. To consider and act on any proposal regarding the welfare of the students of the School;

vii. To perform all other functions which may be prescribed by the Act, Statutes and the Ordinances, and to consider all such matters as may be referred to it by the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor; and viii. To delegate to the Dean, or to any other member of the Board or to a Committee, such powers, general or specific, as may be decided by the Board from time to time.

Meetings **5.** i. The Board shall hold at least one meeting in each semester;

vii. The Dean may convene special meetings of the Board at his own initiative, or at the suggestion of the Vice-Chancellor or on a written request from two-third members of the Board.

Quorum **6.** The quorum for the meeting of the Board shall be one-third of its total members.

Notice **7.** Notice for any meeting of the Board shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meeting. However, emergency meetings may be convened, with the approval of the Vice-Chancellor, to consider an urgent matter with a notice of 3 days.

OA-5
ON THE DEANS OF SCHOOLS

[Under Section 5 of the SU Statutes, 2006]

The Dean of the concerned School, in addition to his normal duties as a teacher of a Department, shall: i. Coordinate and generally supervise the teaching and research work in the School through the concerned Heads and In-charges of Departments;

ii. Maintain discipline in the classrooms through the Heads of Departments;

iii. Be overall in-charge of the examinations in respect of the Departments under the School in accordance with such directions as may be given by the Academic Council from time to time; v. Convene and preside over the meetings of the School Board(s), keep the minutes of the meetings and

implement the decisions of the Board. He shall also prepare the ATR and submit it in the next meeting of the Board.

vi. Perform such other academic and administrative duties as may be assigned to him by the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor from time to time.

OA-6

ON THE ASSIGNMENT OF DEPARTMENTS TO SCHOOLS [Under Section 15 of the SU Statutes, 2006]

The assignment of the Departments to the Schools shall be as follows. Assignment of any new department to a School in future shall be with prior approval of the UGC.

1. School of Social Sciences
- i. Department of Economics
- ii. Department of History
- iii. Department of Law
- iv. Department of Social Work
- v. Department of Sociology
- vi. Department of International Relations
- vii. Department of Political Science
- viii. Department of Peace and Conflict Studies and Management

2. School of Life Sciences
- i. Department of Botany
- ii. Department of Biotechnology
- iii. Department of Horticulture
- iv. Department of Microbiology
- v. Department of Zoology

3. School of Physical Sciences
- i. Department of Chemistry
- ii. Department of Computer Applications
- iii. Department of Geology
- iv. Department of Mathematics
- v. Department of Physics

4. School of Languages and Literature
- i. Department of Bhutia
- ii. Department of Chinese
- iii. Department of English
- iv. Department of Hindi
- v. Department of Lepcha
- vi. Department of Limbu
- vii. Department of Linguistics
- viii. Department of Nepali

5. School of Human Sciences
- i. Department of Anthropology
- ii. Department of Geography
- iii. Department of Psychology

6. School of Professional Studies
- i. Department of Architecture
- ii. Department of Management
- iii. Department of Commerce
- iv. Department of Music
- v. Department of Education
- vi. Department of Library and Information Science
- vii. Department of Mass Communication
- viii. Department of Tourism

OA-7

ON THE DEANS' COMMITTEE

[Under Section 22 of the SU Statutes, 2006]

The University shall constitute a Committee of Deans of the University to be known as the Deans' Committee.

Composition of the Committee

1. The Deans' Committee shall consist of the following:

i. The Vice-Chancellor – Chairman, ex-officio or the Pro Vice-Chancellor, if any

ii. All Deans of Schools – Members, ex-officio

iii. The Registrar – Member-Secretary

iv. The Finance Officer – Permanent Invitee

Functions

2. The functions of this Committee shall be as follows:

i. Consider the policies on applications of teachers of the University for financial support to attend national and international conferences;

ii. Consider policies on matters arising from conduct of examination, results, etc. of the undergraduate, integrated, postgraduate, MPhil and PhD students;

iii. Consider and recommend to the Finance Committee the distribution of funds for books and journals, laboratories, maintenance grant to Departments, and special allocations, if any, among Schools and Departments;

iv. Consider and recommend to the Academic Council/Executive Council the allocation of teaching/non-teaching posts sanctioned by the UGC;

v. Consider general administrative and financial matters relating to functioning of Schools and Departments; and

vi. Such other matters as may be assigned to it by the Executive Council or referred to by the Vice-Chancellor.

Meeting

3. The meetings of the Committee shall be convened by the Member-Secretary.

Quorum

4. The quorum for the meeting of the Committee shall be one third of its members.

OB SERIES ON TEACHERS, OFFICERS AND STAFF

OB-1

ON THE SCREENING AND SELECTION OF TEACHERS [Under Section 18 of the SU Statutes, 2006]

Screening of the applications:

i. All applications shall be received by the University online and shall be processed in a transparent manner.

ii. If the number of eligible candidates called for interview against the first advertisement is less than three in all, the post shall be re-advertised with the stipulation that candidates who have applied earlier need not apply again. In such cases, the Vice-Chancellor shall also initiate personal contact with other scholars, including vice-chancellors of other universities, for eligible candidates so that interview can be held. However, if the total number of eligible candidates is less than three even after the post is readvertised interview may be held even with less than three eligible candidates.

iii. The initial screening of candidates shall be done by an officer of not less than an Assistant Registrar's rank, who will take the help of at least two faculty members of the concerned department.

iv. All eligible candidates shall be invited to teach the students of concerned department on a topic related to their syllabus for the semester for 10-20 minutes each and participate in group discussion. They will be ranked by the students and faculty members and only the top six candidates will be interviewed and paid TA. In case of SC, ST or OBC posts the University may invite 10 eligible candidates per post.

v. All eligible candidates shortlisted for interview shall be informed through email and sms about the venue and date of interview at least two weeks ahead of the date of interview. The list will also be uploaded in the University website.

vi. The Vice-Chancellor, under special exigencies to be recorded, may invite one or more candidates, not otherwise shortlisted but eligible, for interview.

Selection Committee:

i. The composition of the Selection Committee shall be as notified by the UGC/MHRD from time to time;

ii. The Chairman of the Selection Committee shall fix the date and venue of the meeting.

iii. Ordinarily, a week's notice shall be given to the members.
Provided that the meetings of the Selection Committee shall be fixed only after ascertaining the convenience of the nominee of Visitor.
Provided further that the proceedings of the Selection Committee shall not be valid unless there is quorum as per the Statutes of the University.

iv. The Selection Committee shall make recommendations as to the suitability of the candidates for consideration of the Executive Council.

v. The decision of the Selection Committee shall be arrived by a majority vote. In case there is a tie, the Chairman shall exercise a casting vote.

vi. The Chairman shall have the power to lay down procedures in respect of matters not specified in these Ordinances.

vii. The Selection Committee shall interview the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and OBC before other candidates are interviewed. The Selection Committee shall also have one member from the reserved category if the committee does not already have a member from the reserved category.

viii. The Selection Committee may, for reasons to be recorded, consider the curriculum vitae of a candidate in absentia and make recommendations for consideration of the Executive Council.

ix. Every Selection Committee shall be competent to adopt its own procedure regarding the mode of assessment of the candidates presented before it.

x. If more candidates than the number of vacancies are selected, the Selection Committee shall prepare a panel containing names of candidates in order of preference. The extra candidates found suitable shall constitute the reserve list. The reserve list shall remain confidential till an occasion arises for its use or till one year from the date of interview and shall not be used for appointments against posts other than those advertised.

xi. The proceedings of the Selection Committee shall be treated as confidential till the EC has taken its decision on the same.

OB-2
ON THE SERVICE CONDITIONS, SALARY SCALES, CLASSIFICATIONS AND QUALIFICATIONS OF TEACHERS

[Under Section 23 of the SU Statutes, 2006]

Members of the Teaching Staff **1.** The members of the Teaching Staff shall be designated as follows:
i. Professor
ii. Associate Professor
iii. Assistant Professor

Scales of Pay **2.** The Scales of Pay for the teaching staff shall be as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India from time to time and adopted by the University. In addition to pay such other allowances, increments, facilities and perks will be admissible to the teachers as notified by the UGC/MHRD, Government of India/University from time to time.

Qualification **3.** The qualifications for the post of Professors, Associate Professors and Assistant Professors shall be as prescribed by the UGC from time to time.

Teacher to be whole time employees **4.** i. For the purpose of this Ordinance "teacher" means a whole-time salaried teacher of the University and shall devote his whole time to the University.
ii. No whole-time salaried teacher of the University shall, without the permission of the Executive Council, engage directly or indirectly in any trade or business whatsoever or any private tuition or other work to which any emolument or honorarium is attached.

Provided that nothing in this Ordinance shall apply to work undertaken in connection with the examination of universities or learned bodies or Public Service Commissions or to any literary work or publication or radio talk or

extension lectures or any other work with the permission of the Vice-Chancellor.

Nature of Duties **5.** i. Every teacher shall undertake such activities of the University and perform such duties in the University as may be required under this Ordinance or as directed by the Authorities of the University from time to time.

ii. Teaching and evaluation of test papers, assignments, setting papers and evaluation of papers/dissertations submitted by his students, including conduct of practical examinations, shall be the duty of a teacher. In addition he is expected to do research, attend seminars and workshops, and publish his findings in reputed journals and in books.

iii. A teacher is also expected to participate, without extra remuneration, in various committees and such activities as directed by the Head or Dean concerned and the Vice-Chancellor.

Probation **6.** The probation period for all teachers shall be one year from the date of assuming the charge of the post.

Provided that the Executive Council may, for reasons to be recorded, waive the condition of probation or keep a teacher on probation for more than one year.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 51

Confirmation **7.** i. It shall be the duty of the Registrar to place before the Executive Council the case of confirmation of a teacher on probation.

ii. The Executive Council may either confirm a teacher or decide not to confirm him. Where the Executive Council decides not to confirm the teacher, he shall be informed in writing to that effect at least 30 days before the completion of the probation period.

Provided that the decision not to confirm a teacher shall require a two-third majority of the members of the Executive Council present and voting.

iii. A teacher appointed by the Executive Council under Statute 19 shall be deemed to be confirmed with effect from the date he joins duty.

Increment **8.** Every teacher shall draw increment in his scale of pay, unless it is withheld or postponed by a resolution of the Executive Council on a reference by the Vice-Chancellor, and after the teacher has been given sufficient opportunity to make his written representation.

Provided that advance increments shall be admissible to those who enter the University system with select professional degrees, MPhil and PhD degrees, or acquire the same afterwards, in the scale and norm prescribed, and from such dates as provided for, in the UGC Guidelines issued from time to time.

Age of Retirement **9.** The age of retirement for a teacher shall be 65 or as per UGC/MHRD order issued from time to time.

Resignation **10.** A teacher may terminate his engagements by giving the Vice-Chancellor three months' notice in writing.

Provided further that if the notice period ends in the middle of a semester the teacher concerned may be released only at the end of the semester.

Contract **11.** i. A written contract between a teacher and the University will be required to be signed. If a contract is not executed by a teacher for any reason, he shall be governed by the general principles like equity, fair play, the overall academic interests of the students, harmonious functioning of the institution and healthy development of the University.

ii. Special contract: Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Executive Council may, in special cases, appoint teachers on contract on such terms and conditions as it may deem fit. Such teachers shall execute a contract.

Provided that no appointment shall be made under this clause for a period exceeding five years at a time.

Retirement Benefits **12.** A teacher of the University shall be entitled to such retirement benefits and leave encashment as prescribed by the UGC/MHRD from time to time.

OB-3

ON GOVERNING LEAVE TO TEACHERS OF THE UNIVERSITY [Under Section 21 of the SU Statutes, 2006]

A. Permanent Teachers

Kinds of Leave **1.** i. The following kinds of leave shall be admissible to permanent teachers:

a. Leave treated as duty

(i) Casual Leave, (ii) Special Casual Leave, and

(iii) Duty Leave

b. Leave earned by duty

(i) Earned Leave

(ii) Half-pay Leave, and

(iii) Commuted Leave

c. Leave not earned by duty

(i) Extra-ordinary Leave, and

(ii) Leave not due

d. Leave not debited to leave account

(i) Leave for academic pursuits

(a) Study Leave, and

(b) Sabbatical Leave

(ii) Leave on grounds of health

(a) Maternity leave

(b) Paternity leave, and

(c) Child care leave

ii. The Executive Council may, in exceptional cases, grant any other kind of leave subject to such terms and conditions as it may deem fit.

Casual Leave **2.** i. Casual Leave granted to a teacher shall not exceed 4 days in a semester and 8 days in an academic year.

ii. Casual Leave cannot be combined with any other kind of leave except Special Casual Leave. However, such leave can be combined with holidays, including Saturdays and Sundays. Holidays or Sundays falling within the period of casual leave shall not be counted as casual leave.

Special Casual Leave **3.** i. Special Casual Leave, not exceeding 5 days in a semester and 10 days in a year, may be granted to a teacher (a) to conduct examination of another university, Public Service Commission, Board of Examination or other similar bodies/institutions, and (b) to inspect academic institutions attached to a statutory board. In computing the leave, the days of actual journey shall be excluded.

ii. In addition, special casual leave may also be granted (a) to undergo sterilization operation (vasectomy or salpingectomy) under family welfare programme, leave in which case will be restricted to 6 working days; and (b) to a female teacher who undergoes non-puerperal sterilization. Leave in this case will be restricted to 14 days.

iii. Special casual leave cannot be accumulated, nor can it be combined with any other kind of leave except casual leave. It may be granted in combination with holidays or vacation.

Duty Leave **4.** i. The duration of Duty Leave shall ordinarily not exceed 7 days in a semester (excluding holidays and days of travel) and should be such as may be considered necessary by the sanctioning authority on each occasion.

ii. Duty Leave may be granted for the following purposes:

a. Attending conferences, congresses, symposia, workshop and seminars on behalf of the University or with the permission of the University; b. Delivering lectures at the invitation of institutes or universities;

c. Participating in a delegation or working on a committee appointed by the Government of India, State Government, the University Grants

Commission, or any other academic institution, and also for attending meetings in the UGC, MHRD etc.

d. For performing any other duty of the University assigned by the Vice-Chancellor.

iii. Duty Leave shall be sanctioned by the Vice-Chancellor.

iv. The application for duty leave shall be recommended by the Head of the Department and forwarded by the Dean of the School to the Vice-Chancellor after taking into account the academic needs of the Department. While recommending the application, the Head of the Department shall specify that alternative arrangements for the academic duties of the faculty member concerned have been made without asking for a substitute/extra academic position.

v. Duty leave may be combined with earned leave, half-pay leave or extra-ordinary leave.

Earned Leave

5. i. Earned Leave admissible to a teacher shall be 1/30th of actual service including vacation plus 1/3rd of the period, if any, during which he is required to perform duty during vacation.

For purposes of computation of period of actual service, all periods of leave except casual, special casual and duty leave shall be excluded.

ii. Earned Leave of a teacher shall not accumulate beyond 300 days. The maximum earned leave that may be sanctioned at a time shall ordinarily not exceed 60 days. Earned leave exceeding 60 days may, however, be sanctioned in the case of higher study or training or leave on medical certificate or when the entire leave or a portion thereof is spent outside India.

Half-Pay Leave

6. Half-pay leave admissible to a permanent teacher shall be 20 days for each completed year of service. Such leave may be granted on medical certificate, private affairs or for academic purposes.

Note:*A "completed year of service" means continuous service of specified duration under the University and includes periods spent on duty as well as leave including Extra-Ordinary Leave.*

Commuted Leave

7. Commuted leave not exceeding half the days of half-pay leave due shall be granted on medical certificate to a permanent teacher subject to the following conditions:

i. Commuted leave during the entire service shall be limited to a maximum of 240 days.

ii. When commuted leave is granted, twice the amount of such leave shall be debited against the half-pay leave due; and

iii. The total duration of earned leave and commuted leave taken in conjunction shall not exceed 240 days at a time.

Provided that no commuted leave shall be granted under this Ordinance unless the authority competent to sanction leave has reason to believe that the teacher will return to duty on its expiry.

Extra-Ordinary Leave

8. i. A permanent teacher may be granted extra ordinary leave:

a. When no other leave is admissible; or

b. When other leave is admissible but a teacher applies in writing for the grant of extra-ordinary leave.

c. Extra-ordinary leave shall be granted to a teacher for holding a salaried appointment or a fellowship outside the University for more than three months at a time.

ii. This leave can be allowed only to a teacher who has been confirmed in the post held by him and has served the University for a period of at least three years.

Provided further that such leave shall not be granted unless a teacher has returned and served for the number of months/years for which extra-ordinary leave was granted earlier.

The application for such leave shall be sent through the Dean of the School concerned who shall give his recommendations taking into account the strength of the teaching staff in the Department. Except in very special cases, at no time more than 10% of the strength of the teachers in the Department shall be allowed to be absent on extra-ordinary leave, study leave and sabbatical leave.

In case of his failure to return to duty at the end of the period of leave sanctioned to him, the services of a teacher shall be liable to be terminated from the date of commencement of the period of leave granted to him. He shall also refund to the University, pay and allowances, if any, received by him during the leave (including other kinds of leave taken in continuation) sanctioned to him for the purpose.

iii. a. The Executive Council may also grant, at its discretion, extra-ordinary leave to a permanent teacher who has been selected for a teaching or research assignment in a university, research institute or other similar important institution in India or abroad provided he has served the University for a period of at least three years and the application has been duly forwarded by the Dean;

b. The leave in such cases shall not exceed a maximum period of two years;

c. Notwithstanding any other leave which may be due to a teacher of the entire period for which the teacher holds the appointment outside the University shall be without pay; and

d. The period so spent shall not be counted for increment but shall count for seniority. The period shall not also count for pensionary/ contributory provident fund benefits unless the pension / contributory provident fund contributions are paid by the teacher or the foreign employer.

iv. The total amount of extra-ordinary leave granted to a teacher shall not exceed five years during his entire service.

v. Extra-ordinary leave shall always be without pay.

vi. Extra-ordinary leave may be combined with any other leave except casual leave and special casual leave provided that the total period of continuous absence from duty or leave (including periods of vacation) shall not exceed three years except in cases where leave is taken on medical ground. The total period of continuous absence from duty shall in no case exceed five years in all.

vii. The authority empowered to grant leave may commute retrospectively period of absence without leave into extra-ordinary leave.

Leave-not-due **9.** i. Leave not due may, at the discretion of the Vice-Chancellor, be granted to a permanent teacher for a period not exceeding 360 days during the entire service out of which not more than 90 days at a time and 180 days in all may otherwise be on medical certificate. Such leave may be debited against the half-pay leave earned by him subsequently.

Provided that the teachers who are appointed on probation against substantive posts be treated as 'Probationers' for the purpose of granting leave not due.

ii. Leave not due shall not be granted unless the Vice-Chancellor is satisfied that the teacher will return to duty on the expiry of the leave and earn the leave granted.

iii. A teacher to whom leave-not-due is granted shall not be permitted to tender resignation from service so long as the debit balance in his leave account is not covered by active service, or he refunds the amount paid to him as pay or allowances for the period not so earned. Where retirement is unavoidable on account of reason of ill-health incapacitating the teacher for further service, refund of leave salary for the period of leave to be earned may be waived by the Executive Council.

Provided that the Executive Council may waive, for reasons to be recorded, the refund of leave salary for the period of leave still to be earned.

Study Leave **10.** i. The scheme of Study Leave provides an opportunity to avail of scholarships/fellowships awarded to the faculty who wish to acquire new knowledge and to improve analytical skills. When a teacher is awarded a scholarship or stipend (by whatever nomenclature used) for pursuing further studies leading to Ph.D / Post-doctoral qualification or for undertaking research project in a higher education institution abroad, the amount of the scholarship/ fellowship shall not be linked to the recipient's pay/ salary paid to her / him by his / her parent institution. The awardee shall be paid salary for the entire duration of fellowship/ scholarship, provided of course s/he does not take up any other remunerative jobs like teaching, in the host country.

ii. A teacher on Study Leave shall not take up, during the period of that leave, any regular or part-time appointment under an organisation in India or abroad. S/he may however be allowed to accept a fellowship or a research scholarship or an ad hoc teaching and research assignment with honorarium or any other form of assistance, other than regular employment in an institution either in lndia or abroad, provided that the Executive Council of his / her parent institution may, if it so desires, sanction study leave on reduced pay and allowances to the extent of any receipt in this regard, in lieu of teaching etc., which may be determined by his / her employer.

iii. Study leave may be granted to entry-level appointees as Assistant professor /Assistant Librarian/Assistant Director of Physical Education and Sports/College DPE&S (other than an Associate Professor or Professor of a university/college/institution, who is otherwise eligible for sabbatical leave) after a minimum of three years of continuous service, to pursue a special line of study or research directly related to his / her work in the university/college/institution or to make a special study of the various aspects of university organization and methods of education giving full plan of work.

iv. Study Leave shall be granted by the Executive Council on the recommendation of the Head of the Department concerned. The leave shall not be granted for more than three years in one spell, save in very exceptional cases, in which the Executive Council is satisfied that such extension is unavoidable on academic grounds and necessary in the interest of the university/college/institution.

v. Study Leave shall not be granted to a teacher who is due to retire within five years of the date on which s/he is expected to return to duty after the expiry of study leave.

vi. Study Leave may be granted not more than twice during one's career. However, under no circumstances, shall the maximum period of study leave admissible during the entire service exceed five years.

vii. Study Leave may be granted more than once provided that not less than five years have elapsed after the teacher returned to duty on completion of earlier spell of study leave. For subsequent spell of study leave, the teacher shall indicate the work done during the period of earlier leave as also give details of work to be done during the proposed spell of study leave.

viii. No teacher who has been granted Study Leave shall be permitted to alter substantially the course of study or the programme of research without the permission of the Executive council. In the event of the course of study falls short of study leave sanctioned, the teacher shall resume duty on the conclusion of the course of study unless the previous approval of the Executive Council to treat the period of short-fall as Extra-Ordinary Leave has been obtained.

ix. Subject to the maximum period of absence from duty on leave not exceeding three years, Study Leave may be combined with earned leave, half-pay-leave, extra-ordinary leave of vacation provided that the earned leave at the credit of

the teacher shall be availed of at the discretion of the teacher. When Study Leave is taken in continuation of vacation, the period of study leave shall be deemed to begin to run on the expiry of the vacation. A teacher, who is selected to a higher post during study leave, shall be placed in that position and shall get the higher scale only after joining the post.

x. The period of Study Leave shall count as service for the purposes of retirement benefits (pension / contributory provident fund), provided that the teacher rejoins the university/college/institution on the expiry of his/her study leave, and serve for the period for which the bond has been executed.

xi. Study Leave granted to a teacher shall be deemed to be cancelled in case it is not availed of within 12 months of its sanction, provided that where study leave granted has been so cancelled, the teacher may apply again for such leave.

xii. A teacher availing herself / himself of study leave, shall undertake that s/he shall serve the university/college/institution for a continuous period of at least three years to be calculated from the date of his/her resuming duty on expiry of the study leave.

xiii. A teacher-

a) who is unable to complete his / her studies within the period of study leave granted to him / her, or

b) who fails to rejoin the service of the university on the expiry of his / her study leave, or

c) who joins the service of the university but leaves the service without completing the prescribed period of service after rejoining the service, or

d) who within the said period is dismissed or removed from the service by the university shall be liable to refund to the university/college/ institution, the amount of leave salary and allowances and other expenses, incurred on the teacher or paid to him/her or on his/her behalf in connection with the course of study.

EXPLANATION:

lf a teacher asks for extension of Study Leave and is not granted the extension but does not rejoin duty on the expiry of the leave originally sanctioned, s/he shall be deemed to have failed to rejoin the service on the expiry of her/his leave for the purpose of recovery of dues under these guidelines.

Notwithstanding the above, the Executive Council may order that nothing in these guidelines shall apply to a teacher who, within three years of return to duty from study leave is permitted to retire from service on medical grounds, provided further that the Executive Council may, in any other exceptional case, waive or reduce, for reasons to be recorded, the amount refundable by a teacher under these guidelines.

xiv. After the leave has been sanctioned, the teacher shall, before availing himself / herself of the leave, execute a bond in favour of the university/college/institution, binding himself/herself for the due fulfillment of the conditions laid down in para 11 above and give security of immovable property to the satisfaction of the Finance Officer or a fidelity bond of an insurance company or a guarantee by a scheduled bank or furnish security of two permanent teachers for the amount which might become refundable to the university/ college/institution in accordance with para 11 above.

xv. The teacher on study leave shall submit to the Registrar/Principal of his/her parent university/college/institution six-monthly reports of progress in his/ her studies from his / her supervisor or the Head of the institution. This report shall reach the Registrar/Principal within one month of the expiry of every six months of the study leave. If the report does not reach the Registrar/Principal within the specified time, the payment of leave salary may be deferred till the receipt of such report.

xvi. The teacher on Study Leave shall submit a comprehensive report on the completion of the Study Leave period. A copy of the research document/

monograph/academic paper produced during the period of Study Leave shall be put in the public domain, preferably on the website of the university/college/institution.

xvii. With a view to enhancing knowledge and skills of faculty members, especially junior faculty, at the rank of Assistant Professor, the Heads of universities/colleges/institutions and their subordinate departments are enjoined to be generous in the award of Study Leave in the interest of faculty improvement, thereby impacting academic standards of universities/colleges/institutions in the long run.

Sabbatical Leave

11. i. Permanent whole time teachers of the University who have completed six years of service may be granted sabbatical leave to undertake study or research or other academic pursuits solely for the object of increasing their proficiency and usefulness to the University. This leave shall not be granted to a teacher who has less than three years of service in the University to retire.

ii. The duration of leave shall not exceed one year and shall be eligible for the leave again only after completion of six years in continuous service.

iii. The teacher shall execute a bond, with proper sureties as in the case of study leave, that after the expiry of sabbatical leave he will return to the service of the University and serve thereafter at least for three years, failing which he will refund to the University the leave salary and allowances and other expenses, if any, spent on him, or on his behalf plus such amount as may be decided by the Executive Council from time to time.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 57

Provided that the Executive Council may, in exceptional cases, waive or reduce, for reasons to be recorded, the amount refundable by a teacher under this Ordinance.

iv. A teacher shall, during the period of sabbatical leave, be paid full pay and allowances (subject to the prescribed conditions being fulfilled) at the rates applicable to him immediately prior to his proceeding on sabbatical leave. The University shall not, however, fill up the post or make other alternative arrangements involving additional expenditure.

v. A teacher on sabbatical leave shall not take up, during the period of that leave, any regular appointment under another organization in India or abroad. He may, however, be allowed to accept a fellowship or a research scholarship or ad-hoc teaching and research assignment with honorarium or any other form of assistance, other than a regular employment in an institution of advanced studies, provided that in such cases the Executive Council may, if it so desires, sanction sabbatical leave on reduced pay and allowances.

vi. During the period of sabbatical leave, the teacher shall be allowed to draw the increment on the due date. The period of leave shall also count as service for purposes of pension/contributory provident fund provided the teacher rejoins the University on the expiry of his leave. On return from leave, the teacher shall report to the University on the nature of studies, research or other work undertaken during the period of leave. He shall also present a resume of his work at a School-level seminar specially organized for the purpose by the Head of the Department.

Maternity Leave

12. i. A woman teacher with less than two surviving children may be granted Maternity Leave for a period of not exceeding 180 days, to be availed twice in the entire career. Maternity leave may also be granted in case of miscarriage including abortion subject to the condition that the leave applied for does not exceed 45 days in all and the application for leave is supported by a Medical Certificate.

ii. Maternity leave may be combined with earned leave, half pay leave or extra-ordinary leave but any leave applied for in continuation of maternity leave may be granted if the request is supported by a medical certificate.

Paternity Leave

13. i. Paternity leave of 15 days may be granted to a male teacher during the confinement of his wife, provided the limit is up to two children.

ii. Adoption leave may be granted as per the rules of the Central Government.

Child Care Leave

14. Women teachers having minor children may be granted leave up to two years for taking care of their minor children. Child care leave for a maximum period of two years (730 days) may be granted to the women teachers during entire service period in lines with Central Government women employees. In the cases where the child care leave is granted more than 45 days the University may appoint a part time/guest substitute teacher with intimation to the UGC.

Vacation

15. i. All teachers, except those posted in research departments, shall be entitled to vacation. Vacation may be taken in combination with any kind of leave except casual and special casual leave provided that vacation shall not be both prefixed and suffixed to leave.

ii. Except in special circumstances, vacation and earned leave taken together shall not extend beyond six months in an academic year.

iii. When vacation falls between two periods of leave so as to result in a continuous period of absence from duty during the entire period, such vacation shall be treated as part of the leave.

iv. For the vacation period, a teacher shall be entitled to the same pay as when on duty. A teacher shall, however, be entitled only to half of such pay if he has given notice of resignation and the period of such notice expires during the vacation or within one month from the last day thereof.

16. B. Teachers on Probation

A teacher appointed as a probationer against a substantive vacancy and with definite terms of probation shall, during the period of probation, be granted leave as admissible to a permanent teacher.

17. C. Temporary Teachers

A teacher appointed as a Temporary Teacher shall be granted leave as admissible to a permanent teacher subject to the following conditions:

i. No half-pay leave may be granted to a temporary teacher unless the authority competent to sanction leave has reason to believe that the teacher will return to duty on the expiry of such leave.

ii. Temporary teachers shall not be entitled to commute any portion of the half-pay leave.

iii. In the case of a temporary teacher the duration of extra-ordinary leave on any occasion shall not exceed the following limits:

a. Threemonths at a time;

b. Six months where a teacher has completed three years' continuous service and the leave application is supported by a medical certificate;

c. Eighteen months where a teacher is undergoing treatment for tuberculosis, cancer or leprosy;

d.

i) Twenty-four months in cases where the leave is required for prosecuting studies, certified to be in the University's interest, provided that the teacher has completed three years' continuous service on the date of commencement of extraordinary leave. In cases where this condition is not satisfied, extra-ordinary leave to this extent may be sanctioned in commutation of any other kind of leave due and applied for (including three months extra-ordinary leave under (a) above) if the teacher completes three years' continuous service on the date of expiry of such leave.

ii) When a temporary teacher fails to resume duty on the expiry of the maximum period of extra-ordinary leave granted to him or where a teacher who is granted a lesser amount of leave remains absent from duty for any period which exceeds the limit up to which he could have been granted such leave under (a) above, he shall, unless the Executive Council in view of the exceptional circumstances of the

case otherwise determine, be deemed to have resigned and shall accordingly cease to be in the University employee.

iv. Temporary teachers shall not be entitled to the grant of leave-not-due, study leave and sabbatical leave.

v. A temporary teacher shall be entitled to pay for the following winter vacation only if he joined duty within two months of the beginning of the academic year and has worked continuously and satisfactorily from the date of joining up to the last working day of the session.

vi. The vacation salary may be paid to a temporary teacher if his appointment continues for a part or whole of the next semester and the teacher joins on the opening day and has also served on the last working day before the vacation.

18. D. Teachers on Contract

Teachers appointed on contract shall be granted leave in accordance with the terms of the contract.

19. E. Honorary and Part-Time Teachers

Honorary and part-time teachers of the University shall be entitled to leave on the same terms as are applicable to whole-time temporary teachers of the University.

Leave how Earned

20. F. General

i. Leave is earned by duty only. The period spent in foreign service counts as duty if contribution towards leave salary is paid for such period.

ii. a) Leave cannot be claimed as a matter of right. Leave of any kind may be refused or revoked by the competent authority without assigning any reason, if such action is in the interest of the University.

b) No leave shall be granted to a teacher when a competent authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from service nor shall any leave be granted to a teacher when he is under suspension.

Application for Leave

iii. Leave should always be applied for in advance and the sanction of the competent authority obtained before it is availed except in cases of emergency and for satisfactory reasons.

Rejoining of Duty before the Expiry of leave

iv. A teacher on leave may not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority sanctioning the leave to him.

Leave on medical Grounds

v. A teacher who applies for leave on medical grounds shall support his application with a medical certificate from the Medical Officer of the University or where no such Medical Officer has been appointed, from an Authorised Medical Practitioner. The authority competent to sanction leave may, however, require the applicant to appear before a Medical Board.

Rejoining duty on return from leave on medical ground

Leave or extension of leave on medical certificate shall not be granted beyond the date a teacher is pronounced by a Medical Officer or Board to be permanently incapacitated for further service.

vi. No teacher who has been granted leave (other than casual leave) on medical certificate shall be allowed to return to duty without producing a medical certificate of fitness.

Employment during Leave

vii. A teacher on leave shall not, without the written permission of the University, engage directly or indirectly in any trade or business to which any emolument or honorarium is attached but this prohibition shall not apply to work undertaken in connection with the examination of a University, Public Service Commission, Board of Education or similar bodies/institutions of any literary work or publication or radio or extension lectures or with the permission the Vice-Chancellor, to any other academic work.

The leave salary of a teacher who is permitted to take up any employment during leave shall be subject to such restrictions as the Executive Council may prescribe.

Absence without leave or overstayal of Leave

viii. A teacher who absents himself without leave or remains absent after the expiry of the leave granted to him, shall be entitled to no leave allowance or salary for the period of such absence. Such period shall be debited against his leave account. Willful absence from duty may be treated as misconduct.

Increment

ix. If the increment of pay falls during any leave, other than casual leave,

during Leave special casual leave, duty leave or sabbatical leave, the effect of increase of pay will be given from the date the teacher resumes duty without prejudice to the normal date of his increment, except in those cases where the leave does not count for increment.

Leave Year x. For the purpose of this Ordinance, unless otherwise specified, the term 'year' shall mean an academic year running from the commencement of the academic session to the end of the academic session.

21.

Authorities empowered to sanction Leave i. The Head of the Department shall have the powers to sanction Casual and Special Casual Leave to teachers within the limits specified in relevant sections of this Ordinance.

ii. The Deans of Schools shall have the powers to sanction Casual Leave and Special Casual Leave to Heads and I/Cs of Departments within the limits specified in relevant sections of this Ordinance.

iii. The Vice-Chancellor shall have the powers to sanction Casual Leave and Special Casual Leave to the Deans and all other kinds of leave to all employees of the University as permissible under this Ordinance.

OB-4
ON CAREER ADVANCEMENT SCHEME

[Under Section 30 (p) of the SU Act, 2006]

1. There shall be a Career Advancement Scheme (CAS) for placement/promotion of teachers of the University from Assistant Professor Stage I to Stage II, III and IV/ Associate Professor, from Associate Professor (Stage IV) to Professor (Stage V) and from Stage V to Stage VI (HAG).

2. Selection Committees for CAS shall be as specified by the UGC from time to time.

3. The existing scheme of career advancement for other academic staff shall continue.

4. Qualification and requirements for promotion under CAS shall be as per the UGC Regulations adopted by the University from time to time.

OB-5
ON THE TERMS AND CONDITIONS OF THE SERVICE OF THE VICE-CHANCELLOR [Under Section 2 and 3 of the SU Statutes, 2006]

1. The Vice-Chancellor shall receive a salary as fixed by the Govt. of India/UGC from time to time plus such other allowances as admissible from time to time.

2. During the tenure of his office, the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent-free furnished residential accommodation maintained by the University.

3. The Vice-Chancellor shall be entitled to use a University vehicle for official purposes. He shall also be eligible to use the University vehicle for private purposes and for such journeys he will be liable to pay such charges as are prescribed by the government for private use of government vehicle by officers on the basis of kilometers involved in private use.

4. The Vice-Chancellor shall be eligible to opt for the General Provident Fund-Pension-Gratuity Scheme of the University if he has not attained the normal age of superannuation prior to commencement of his tenure and provided he has been eligible for pension scheme as an employee of the Central/State Government or a Central/State autonomous body or a Central/State University before joining as Vice-Chancellor. If he opts to join GPF-cum-Pension Gratuity Scheme of the University, the Vice-Chancellor shall be entitled to the benefit of combining his past services with the services as Vice-Chancellor up to the normal age of superannuation for the purpose of pension. For this purpose the University will receive the pension/contributory provident fund liability from the previous organizations. The period of service rendered by him in the University beyond the normal age of superannuation shall not qualify for the purpose of pensionary benefits. Pension-cum-gratuity benefits shall be payable on the date of normal superannuation. If the Vice-Chancellor assumes his office either after superannuation or superannuates during the tenure, he shall be entitled to join Contributory Provident Fund-Gratuity Scheme from the date of his joining the post if already superannuated or the date of his superannuation during the tenure as applicable.

5. i. The Vice-Chancellor shall be entitled to leave on full pay @30 days in a calendar year. The leave shall be credited to his account in advance in two half yearly installments of 15 days each on the first day of January and first day of July every year, provided that if the Vice-Chancellor

assumes/relinquishes charge of the office of Vice-Chancellor during the currency of a half year, the leave shall be credited proportionately at the rate of 21/2 days for each completed month of service.

ii. The leave at the credit of the Vice-Chancellor at the close of the previous half year shall be carried forward to the new half year, subject to the condition that the leave so carried forward does not exceed the maximum limit as prescribed by the Government of India from time to time.

iii. The Vice-Chancellor on relinquishing the charge of his office shall be entitled to receive a sum equivalent to the leave salary admissible for the number of days of leave on full pay due to him at the time of his relinquishment of charge subject to a maximum of the number of days as prescribed by the Government of India from time to time.

iv. The Vice-Chancellor shall also be entitled to half pay leave at the rate of 20 days for each completed year of service. This half pay leave may only be availed of as commuted leaves on full pay on medical

certificate. When commuted leave is availed, twice the amount of half pay leave shall be debited against half pay leave due.

v. The Vice-Chancellor shall also be entitled to avail himself extra-ordinary leave without pay for a maximum period of three months during full term of five years on medical ground of otherwise.

6. The Vice-Chancellor shall be reimbursed the actual expenditure incurred while on official tour in addition to the TA/DA entitled as per rules.

7. Further, if in case accommodation as per entitlement of the staff accompanying the Vice-Chancellor is not available, the Vice-Chancellor may provide them accommodation and other facilities which will be reimbursed to him and the staff shall be entitled to 1/4th DA only.

8. In addition to the other staff allotted to the official residence of the Vice-Chancellor, the Vice-Chancellor shall be entitled to a personal orderly.

9. The Vice-Chancellor shall be entitled to all other benefits such as medical attendance and Leave Travel Concession as admissible to other University employees.

10. The Vice-Chancellor shall be entitled to Travelling Allowance on Transfer on his appointment as Vice-Chancellor and after relinquishment of his charge.

OB-6
ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE REGISTRAR [Under Section 6 of the SU Statutes, 2006]

This Ordinance shall be called the Ordinance on the Terms and Conditions of Service of the Registrar, Sikkim University.

1. i. The Registrar shall be paid a monthly salary and allowances and perks as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.

ii. All appointments to the post of Registrar shall be through advertisement and interview for a tenure of 5 years, which may be renewed on similar terms, except the appointment of the First Registrar who shall be appointed by the Visitor for a period of 3 years only.

2. The minimum qualification for the post of Registrar shall be as follows:

a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent in any subject from any university recognized by the University.

b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in a University or equivalent grade of which at least 8 years shall be in Associate Professor's grade along with experience in educational administration.

or

Comparable experience in establishments and other institutions of higher education.

or

15 years of administrative experience of which 8 years as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.

3. The Registrar shall be entitled to leave, leave-salary, allowances, provident fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.

4. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the rate fixed by the University from time to time.

5. Notwithstanding anything contained in these Ordinances, the Registrar shall be governed by such terms and conditions of service as the Executive Council may specify from time to time.

OB-7
ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE FINANCE OFFICER [Under Section 7 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance may be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Finance Officer, Sikkim University'.

2. The minimum qualification for the post of Finance Officer shall be as follows:

a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade of 'B' in the UGC 7 point scale.

b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in the AGP of Rs.7000 and above or with 8 years' of service in the AGP of Rs.8000 and above including as Associate Professor along with experience in educational administration.

or

Comparable experience in research establishment and/or other institutions of higher education.

or

15 years of administrative experience of which 8 years shall be as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.

3. i. The Finance Officer shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.

ii. The Finance Officer shall be entitled to leave, leave salary, allowances, provident fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.

Provided that, a person appointed as Finance Officer on deputation shall be entitled to the benefits under the usual deputation terms as contained in the Government of India rules form time to time.

iii. Appointment to the post of Finance Officer shall be through advertisement and shall require the following minimum qualifications:

(a) "Members of any of the Central Accounts Services in the same scale of pay or with 5 years' service in the next below grade, or

(b) A Chartered Accountant having minimum experience of 10 years as Chartered Accountant.

4. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the rate fixed by the University from time to time.

5. The Finance Officer shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.

OB-8
ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE CONTROLLER OF EXAMINATIONS [Under Section 8 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance shall be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Controller of Examinations, Sikkim University'.

2. i. The Controller of Examinations shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.

ii. The Controller of Examinations shall be entitled to leave, leave salary, allowances, Provident Fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.

iii. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the usual rate.

iv. Appointment to the post of Controller of Examinations shall be through advertisement and selection for a tenure of 5 years which can be renewed on similar terms. The minimum qualifications should be read as follows:

a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade.

b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in a University or Post Graduate College of which eight years shall be in the Associate Professor's grade along with experience in educational administration.

or

Comparable experience in research establishments and other institutions of higher education.

or

15 years of administrative experience of which 8 years as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.

3. Subject to the provisions of the Act, Statutes and Ordinances, the Controller of Examinations shall perform the duties concerning the conduct of the examinations and such duties and functions as may be assigned to him from time to time by the Executive Council.

4. The Controller of Examinations shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.

OB-9
ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE LIBRARIAN [Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance shall be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Librarian, Sikkim University'.

2. i. The Librarian shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time. ii. The Librarian shall be entitled to leave, leave salary, allowances, Provident Fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.

iii. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the usual rate.

3. Subject to the provisions of the Act, Statutes and Ordinances, the Librarian shall perform the duties concerning the library and such duties and functions as may be assigned to him from time to time by the Executive Council.

4. The Librarian shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.

5. The minimum qualification of a University Librarian shall be as follows:

i. Master's degree in library science/ information science / documentation with at least 55% marks or its equivalent grade and consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.

ii. At least 13 years as a Deputy Librarian in a university library or 18 years as a PG College Librarian.

iii. Evidence of innovative library service and organization and/or published work.

Desirable: MPhil/PhD degree in library science/information science/ documentation/ archives and manuscript keeping.

OB 10
ON THE SCALES OF PAY AND ALLOWANCES AND SERVICE CONDITIONS OF NON-TEACHING (OTHER THAN STATUTORY) EMPLOYEES OF THE UNIVERSITY FROM GROUP A TO C [Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

1. The scales of pay, allowances and service conditions of the Non-teaching (other than Statutory) employees of the University from Groups A, B, and C shall be the same as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.

2. The date of retirement of such employees shall be the same as prescribed by the UGC/MHRD, Govt. of

India and accepted by the University from time to time.

3. They shall be entitled to such allowances and perks as may be prescribed by the Govt. of India/ UGC/University from time to time.

4. The recruitment and promotion policy in relation to such posts shall be in accordance with the Government of India rule framed and adopted by the University from time to time.

5. The Recruitment and Promotion policy in relation to such posts shall be as framed and adopted by the University from time to time.

6. Other conditions of service such as leave, pay fixation, probation period, retirement benefits etc. of this category of employees shall be as prescribed by the Govt. of India from time to time.

7. The probation period shall be one year from the date of joining.

OB-11

ON THE MINIMUM QUALIFICATIONS FOR DIRECT RECRUITMENT TO THE POSTS OF DEPUTY LIBRARIAN, ASSISTANT LIBRARIAN, DEPUTY REGISTRAR, ASSISTANT REGISTRAR, DIRECTOR OF

PHYSICAL EDUCATION, DEPUTY DIRECTOR AND ASSISANT DIRECTOR OF PHYSICAL EDUCATION

[Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

University Deputy Librarian	**1.**	Minimum Qualifications: i. Master's degree in library science/ information science / documentation with at least 55% marks or its equivalent grade and consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Five years' experience as University Assistant Librarian / College Librarian. iii. Evidence of innovative library services, published work, professional commitment and computerization of library. **Desirable:** MPhil/PhD degree in library science/information science/ documentation/archives and manuscript keeping, computerization of library.
University Assistant Librarian/ College Librarian/ Documentation Officer	**2.**	Minimum Qualification: i. PhD or qualifying in the national level-test conducted for the purpose by the UGC. ii. Master's degree in library science/information science/ documentation or an equivalent professional degree with at least 55% marks or its equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.
Deputy Registrar	**3.**	Minimum Qualification: i. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Eight years' experience as an Assistant Professor in a university or college with experience in educational administration. or Comparable experience in research establishment and / or other institutions of higher education. or Eight years of administrative experience as Assistant Registrar or in an equivalent post.
Assistant Registrar	**4.**	Minimum Qualification: Good academic record plus Master's degree with at least 55% marks or its

equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.

University Assistant Director of Physical Education and Sports/College DPEs (Selection Grade)	**5.**	Minimum Qualification: i. Master's degree in Physical Education (two years' course) or Master's degree in Sports or an equivalent degree with at least 55% marks or its equivalent grade plus consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Record of having represented the University/College at the inter-university/inter-collegiate competitions or the state/national championship. iii. Passed the physical fitness test. iv. PhD or certificate of having cleared in the national test conducted for the purpose by the UGC.
University Assistant DPEs/College DPEs (Senior Scale)	**6.**	Minimum Qualification: i. Should have completed six years of service as University Assistant DPEs/College DPEs with a benefit of two years for PhD and one year for MPhil Degree holders. ii. Passed the physical fitness test. iii. Possesses satisfactory self-appraisal reports. iv. Should have attended at least one orientation and one refresher course of about three to four weeks' duration each with proper and well-defined evaluation procedure (exemption from one refresher course is granted to PhD degree holders).
University Assistant DPEs/College DPEs (Selection Grade)	**7.**	Minimum Qualification: i. Completed five years of service as University Assistant DPEs/College DPEs in the senior scale. ii. Has attended at least two refresher courses of about three-four weeks duration with proper and well-defined evaluation procedure after placement in the senior scale. iii. Shown evidence of having produced good teams/athletes and of having organized and conducted coaching camps of at least two weeks' duration. iv. Passes the physical fitness test. v. Possesses satisfactory self-appraisal reports.
University Deputy DPEs/College DPEs (Reader's Scale)	**8.**	Minimum Qualification: i. PhD in physical education. Candidates from outside the University system, in addition, shall also possess at least 55% marks or an equivalent grade at the Master's degree level. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Five years' experience as University Assistant DPEs/College DPEs, with a benefit of two years and one year for PhD and MPhil degree holders respectively. iii. Evidence of organizing competitions and conducting coaching camps of at least two weeks' duration. iv. Evidence of having produced good performance team/athletes for competitions at state/national/inter-university/combined university level, etc. v. Passed the physical fitness test. vi. Possesses satisfactory self-appraisal reports.
University DPEs	**9.**	Minimum Qualification: i. PhD in Physical Education. ii. Experience of at least 10 years as University deputy of 15 years as University Assistant DPEs/College/DPEs (selection grade) iii. Participation in at least two national/international seminars/ conferences.

iv. Possesses satisfactory self-appraisal reports.

v. Evidence of organizing competitions and conducting coaching camps of at least two weeks' duration.

vi. Evidence of having produced good performance teams/athletes for competitions at stat/national/inter-University/combined University, etc.

OC SERIES ON STUDENTS

OC-1
ON THE ADMISSION OF STUDENTS TO THE UNIVERSITY INCLUDING ITS AFFILIATED COLLEGES

[Under Section 5(xx) of the SU Act, 2006]

1. Without prejudice to the provisions of the Act, Statutes, and Ordinances of the University a student shall be eligible for admission to any Under-Graduate, Integrated, Post-Graduate, MPhil or PhD programmes under the University if he has passed the qualifying examination or examinations with the subjects and minimum percentage of marks prescribed by the University for admission to the concerned course or programme.

2. The candidates seeking admission to a programme/course of study in the University, including its affiliated colleges, must satisfy the rules of the University.

3. Foreign students may be admitted to various programmes of study on extra-numerary basis, not exceeding 10% of the total seats, provided they are able to secure the required visa and are otherwise eligible for admission. They shall pay the same fees as paid by Indian students and shall be given the same facilities as provided for other Indian students.

OC-2
ON THE MEDIUM OF INSTRUCTION AND EXAMINATION [Under Section 5(xx) of the SU Act, 2006]

English shall be the medium of instruction and examination in the research and study programmes of the University.

Provided that for certain subjects like Hindi, Chinese, Nepali, Lepcha, Bhutia and Limboo the medium of instruction and examination in the research and study programmes of the University may be the respective languages.

OC-3
ON FEES PAYABLE BY STUDENTS

[Under Section 5 (xxi) of the SU Act, 2006]

3. Students admitted to various programmes of study offered by the University on its campus shall pay the fees as specified below with 2% non-cumulative increase every year. The fees for college students shall be decided by the state government in case of government colleges and Governing Body in case of missionary/private colleges. The admitted college students shall however pay Registration Fee, Marksheet Fee, Certificate Fee, and Examination Fee to the University through their respective colleges.

2. A. To be paid one time only at the time of admission by all students.

Sl. No.	Type of Fees	UG (with lab)	UG (without lab)	PG (with lab)	PG (without lab)	MPhi/ PhD (All)	Cert/ Dip (All)
1	Admission	500	200	1000	500	1500	300
2	Marksheet	200	200	200	200	200	200
3	Certificate	300	300	300	300	300	300
4	Examination	2000	1000	2000	1000	8000	1000
5	Registration	200	200	200	200	200	200
6	Library	500	500	500	500	500	200
7	Medical Insurance	300	300	300	300	300	300
8	Students' Council	200	200	200	200	200	200
9	Identity Card	100	100	100	100	100	100
10	Hostel Admission	500	500	500	500	500	500
	Total	4800	3500	5300	3800	11800	3300

B. To be paid in the beginning of every semester by all students.

Sl. No	Type of Fees	UG (with lab)	UG (without lab)	PG (with lab)	PG (without lab)	MPhil and PhD with lab	MPhil and PhD with-out lab	Cert/ Dip (with/out lab

1	Tuition Fees for non-professional students	1000	600	1000	600	3000	1000	1200
2	Tuition Fees for professional students*	6000	4000	8000	6000	10,000	8,000	10,000
3	Hostel Accommodation (1/2/3/4 bedded)	1800/90 0/ 600/ 450	1800/90 0/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450	1800/ 900/ 600/ 450

Note: The mess fees will be paid by the students as per rates agreed between the University and the caterer from time to time.

3. The following are categorized as Professional Courses* by SU:

i) Bachelor of Education (B.Ed) and Master of Education (M.Ed)
ii) Bachelor of Law (B.A. LL.B) and Master of Law (LL.M)
iii) B.Sc. Nursing
iv) Bachelor of Business Administration (BBA) and Master of Business Administration (MBA)
v) Bachelor of Computer Applications (BCA) and Master of Computer Applications (MCA) vi) Bachelor and Master of Engineering
vii) Bachelor and Master of Medicines
viii) Bachelor and Master of Architecture
ix) Bachelor of Social Work (BSW) and Master of Social Word (MSW)
x) Bachelor and Master of Horticulture
xi) Bachelor and Master of Tourism
xii) Bachelor and Master of Pharmacy

4. The fees may be paid in cash in the designated bank(s) or by cheque/draft in the office of the Head of the Department at any time during the semester but positively before 30 days of the end-semester examination. The fees mentioned under A however must be paid at the time of admission and must be paid by all categories of students.

5. Permission to appear in an examination shall be subject to clearance of all fees and at least 75% attendance, which may be condoned by the Principal/Dean concerned up to 5% shortage on production of documents that establish the reason for shortage of attendance.

6. Tuition Fees shall be relaxed by 50% for SU employees, wards of SU employees and Yangang villagers. The same shall be relaxed by 100% for the Differently Abled students, the people of Yangang who sold their lands to the state government for the University campus, and the people belonging to the "Primitive Tribe" of Sikkim.

7. If after having paid the fees, a candidate desires to withdraw his candidature before the starting of the course, he shall be refunded all fees and deposits after deducting Rs.1000/- as processing fee as per the UGC Public Notice in this regard dated 23rd April 2007.

OC-4

ON THE BACHELOR OF ARTS, SCIENCE, LAW, MEDICINE, EDUCATION, HOME SCIENCE, COMMERCE, VOCATIONAL AND PROFESSIONAL COURSES

(STAND ALONE AND INTEGRATED)

[Under Section 30 (b) of the SU Act, 2006]

There shall be courses of study leading to the Degrees of Bachelor of Arts, Bachelor of Science, Bachelor of Law, Bachelor of Medicine, Bachelor of Education, Bachelor of Home Science, Bachelor of Commerce, Bachelor of Vocation and Bachelor of Professional Courses (stand alone and integrated).

Eligibility

1. Students who have passed Class XII examination from any recognised University/Board shall be eligible to seek admission to the first year of the Degree course. However, the candidates desiring to opt for Honours shall be required to have minimum 45% marks in the concerned subject or in the aggregate if that particular subject is not offered at Class XII or equivalent level.

Duration and Structure

2. The duration of the Degree courses with or without Honours shall ordinarily be six semesters or three years. This may however vary in case of professional courses from three to five years. There shall be continuous evaluation of the progress of students throughout the semester in a manner approved by the Academic Council and an End-Term examination at the end of each semester.

Award of Degree with Class

3. The following classes shall be awarded according to the CGPA obtained by a student:

i. Pass: 4.0 in Honours and 3.5 in Pass.

ii. Second Class: 5.0-5.9

iii. First Class: 6.0-6.9

iv. First Class with Distinction: 7.0 and above

Further, First Class First and First Class Second in each subject shall be awarded Gold and Silver medals respectively.

Besides the above the marksheet and certificate shall also indicate the alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale to facilitate the students.

Course Structure

4. The distribution of papers shall be as follows:

Table 1. Distribution of Papers for Bachelor of Arts, Commerce, Vocation, Science, Law, Home Science and other Professional Courses (Pass and Honours) etc.

Semester/ Subject/Paper	Semester I					Semester VI	Total Marks
English	100	-	-	-	-	-	100
GFC	-	100	-	-	-	-	100
EH/HR/GS	-	-	100	-	-	-	100
Elective-I (Hons)	100	100	100	200	200	200	900
Elective-2	100	100	100	-	-	-	300
Elective-3	-	-	-	100	100	100	300
Total Marks	300	300	300	300	300	300	1800

Note: English and GFC shall be common for all UG courses. Elective-2 and Elective-3 shall be common for all UG students.

A student shall opt for a Pass or Honours (Elective) in a subject and any one of the Elective Subject Combination groups (A or B and not one each from both A and B) of the following:

Pass/Honours (Elective 1)	Group-A Elective 2 and 3	Group-B Elective 2 and 3
Chemistry	Physics, Mathematics	Botany, Zoology
Physics	Maths, Chemistry	Maths, Computer Sc
Mathematics	Physics, Chemistry	Physics, Commerce, Stats
Computer Science	Electronics, Physics	Physics, Maths, Stats
Economics	Maths, Commerce	History, Pol. Science
Earth Sciences	Physics, Mathematics	Chemistry, Mathematics
Geography	Chemistry, Physics	Sociology, History
Botany	Chemistry, Zoology	Geography, Tourism
Zoology	Chemistry, Botany	Geography, Anthro
English	El. Lang, Education	Pol. Science, History
Nepali	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Lepcha	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Limbu	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Bhutia	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Education	History, Pol Sc	El. Lang, Sociology

History	Sociology, Political Sc.	El. Lang, Pol. Sc.
Political Science	El. Lang, Geography	History, Sociology
Economics	Pol. Sc, History	Pol. Sc., Sociology
Sociology	Economics, Pol. Sc	El. Lang, Geography
Commerce	Account & Finance group	Management group
Tourism	English, Geography	History, Geography
Physical Education	History, El. Lang.	Education, Geography
Journalism and Mass Communication	History, El. Lang	Education, Geography
Statistics	Mathematics, Economics	Physics, Chemistry
Microbiology	Botany, Zoology	Geography, Anthropology

Note: El. Lang refers to English, Nepali, Lepcha, Bhutia, and Limbu, provided that the same language cannot be taken as two elective papers. There shall be no Elective 2 or 3 for subjects like Horticulture, Music and Law, as they are self-contained courses.

OC-5
ON THE MASTER'S DEGREE PROGRAMME IN ARTS, SCIENCE, LAW, MEDICINE, EDUCATION, HOME SCIENCE, COMMERCE AND PROFESSIONAL COURSES (STAND ALONE AND INTEGRATED) [Under Section 30(b) of the SU Act, 2006]

The Master's Degree Programmes in Arts, Science, Law, Medicine, Education, Home Science, Commerce and Professional Courses (stand alone or integrated) under the University shall be full time courses of study spread over a period of four Semesters or two academic years.

1. i. A candidate seeking admission to any of the courses must possess the qualifications prescribed by the University for the same from time to time.

ii. Admissions to different courses shall be made only in the first semester at the beginning of each academic year unless specifically decided for a course by the Academic Council.

iii. Candidates who have taken the Bachelor's Degree (Honours or Integrated), of this University or any other recognised university shall be eligible to apply for admission to the courses offered by the Departments subject to provisions relating to prerequisites if any. The minimum marks and subjects qualifying for admission to the different courses shall be prescribed in the prospectus.

iv. Admission to a course shall be made on the basis of a candidate's marks and subjects taken in the qualifying degree and admission test, if any, conducted by the concerned Department besides the Government of India rules and notifications issued from time to time.

2. i. Subject to the general guidance of the Dean, the instruction and routine in each course shall be under the control and direction of the Head of the Department concerned.

ii. Each student, with respect to his work in the course as well as his general conduct in the University, shall remain under the control of the School and the discipline of the concerned Department.

3. Ordinarily, a student shall earn 64 credits during the period of four semesters. Out of this total 56 credits shall be earned from the core courses of the programme to which he is admitted. The balance 8 credits may be earned by the student from the courses offered by other departments during II (4 Credit) and III (4 Credit) semesters only. A student shall, however, earn 64 credits within a maximum period of six semesters.

4. A student must have attended a minimum of 75% of the lectures during a semester to be eligible to appear at the End Semester examination. A maximum of 5% shortage of attendance may be condoned by the concerned Dean on the recommendation of the HoD/IC of the department concerned and production of valid documents to prove that the shortage of attendance was for some genuine reasons.

5. The Dean of the School or Principal of a college may, on the recommendation of the Head of the Department concerned, condone the shortage of attendance up to 5% under exceptional cases.

6. A student who fails in one or all the courses in a given semester, for whatsoever reasons, may repeat the examination for those courses during the next academic year. If an SC/ST/OBC student does not pass all the core courses with a minimum of 50% within six semesters he may pray within the prescribed date for reevaluation of his answer scripts for those courses where he has scored less than 50% after paying the fees decided by the University but shall not be eligible for any awards, prizes, medals etc.

7. i. Each semester shall have at least 90 working days excluding examination days.

ii. The dates of commencement and termination of each semester shall be fixed by the Academic Council.

8. Examiners for each course of study shall be appointed by the Controller of Examinations on the recommendation of the Board of Studies and from the panel approved by the Academic Council.

9. A candidate shall apply for admission to the End-Semester examination in the prescribed form to the Dean of the concerned School through the Head/IC of the Department who shall certify that:

i. The candidate has attended the minimum number of lectures etc. in respect of Core courses as well as Open courses in II and III semesters.

ii. All dues including prescribed examination fees have been deposited.

10. The End-Semester results shall be moderated by the Result Moderation Board chaired by the Vice-Chancellor and convened by the Controller of Examinations.

11. Successful candidates with the following CGPA shall be awarded the Degree under the following categories:

First Class: 6.0and above
First Class with Distinction: 7.0 and above
Second Class: 5.0 to 5.9Pass:4.0 to 4.9
Further, the candidate scoring the highest CGPA with a minimum of 6.0shall be awarded a Gold

Medal and the candidate scoring the second highest with a minimum of 6.0 shall be awarded a Silver Medal.

Besides the above the marksheet and certificate shall also indicate the alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale to facilitate the students.

OC-6

ON THE MASTER OF PHILOSOPHY PROGRAMME

[Under Section 30(d) of the SU Act, 2006]

Objectives **1.** i. The University shall have M.Phil. programme with the objective of providing deeper insight in the relevant subject, broadening horizons, emphasising the unity of all knowledge normally divided in numerous disciplines, equipping scholars with necessary tools and practical experience for further researche in different fields. The M.Phil. degree shall be the first research degree of the University.

ii. The M.Phil. programme shall consist of two parts: (a) course work, and (b) dissertation/project work, both the parts having equal weightage, i.e., 12 credits each.

Coursework **2.** i. The coursework of one semester shall consist of three papers offered by the Department out of which one shall be on research methodology. A teacher of this University having M.Phil./PhD degree shall be eligible to teach M.Phil. courses. The coursework shall be for one semester only.

ii. The M.Phil. scholars shall be required to attend and participate in seminars organised by the Department for the purpose of discussing new results, developments in the subject and/or interpretation of data.

Each scholar shall be required to present two seminars, one in the early phase of his dissertation/project work and the other just before submission of his thesis.

Admission **3.** i. The admission to M.Phil. programme shall be done once in a year together with admission to other programmes of the University.

ii. The candidates with at least 55% (50% in the case of candidates belonging to SC/ST/OBC) marks in the Master's Degree in the subject concerned or cognate subject shall be required to appear in a written test and an interview to be conducted by the Department. The candidates shall be selected according to merit determined after considering the following: (i) CGPA or percentage of marks in the Master's Degree or equivalent, (ii) performance in the admission test

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 71

and interview. The admission shall be finalised on the basis of the number of seats available and the performance of the candidates. A candidate shall be assigned a supervisor by the Department after successful completion of the coursework and securing the required CGPA in the same.

iii. A candidate who has qualified UGC/CSIR (JRF) Examination/SLET/ GATE/Teacher Fellowship shall be exempted from appearing in admission test but shall have to attend the interview.

Registration **4.** A candidate shall apply through the Department's Board of Studies for registration along with the synopsis which shall be considered for approval by the School Board. The date of registration shall be the date of approval by the School Board.

Duration **5.** i. A scholar shall normally complete his M.Phil. in not more than three semesters. An extension of only one semester shall be allowed in suitable cases on the recommendation of the supervisor. In the case of college teachers undertaking M.Phil. programme, one extra semester time may be given for completing the programme over and above that allowed for regular candidates.

ii. If a candidate after clearing the course work of one semester, out of which at least one paper shall be on research methodology, discontinues his

dissertation work for some unforeseen reason, the School Board may condone a break of not more than two semesters and the candidate may be allowed to resume his work. If the break is for more than two semesters, the scholar shall seek fresh admission to the M.Phil. programme. The period of the break shall be computed from the date of publication of the course work result.

Attendance **6.** An M.Phil. student is expected to attend all lectures pertaining to his coursework. The attendance of the candidate shall be at least 75% in each course. A maximum of 5% shortage may be condoned by the concerned Dean on the recommendation of the Hod/IC of the concerned department and production of some valid document to establish the reason for shortage of attendance.

Evaluation **7.** i. The evaluation of the coursework will be internal.

of ii. The performance of the scholar shall be evaluated in the following **coursework** grades:
'O' (outstanding), 'A' and 'B' with grade point valuation in the 10 point scale, i.e. 7.0-10.0 corresponding to '0' grade, 6.0-6.9 corresponding to 'A' grade, 5.0 to 5.9 corresponding to 'B' grade. Those securing less than 5.0 points shall be graded as 'C'. To clear a course, a candidate should secure at least grade 'A'.

The MPhil candidates shall also be awarded alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale.

Pre-Submission Seminar **8.** When the supervisor is of the opinion that the dissertation is in the final stage of completion, the scholar shall be required to give a pre-submission seminar on his research findings. This seminar will be given in the presence of a committee of at least three faculty members, of which one will be from the allied department. The candidate may incorporate the recommendation of the committee in his dissertation.

Submission **9.** i. An M.Phil. candidate shall submit 1 soft copy in a CD/DVD and 3 hard **of** copies of his dissertation duly recommended by the Supervisor and

Dissertation forwarded by the Department to the Controller of Examinations.

ii. The dissertation shall contain a declaration from the candidate and his supervisor stating that the dissertation incorporates bonafide research of the student and that this has not been submitted for another degree of this or any other University.

iii. They shall further certify that if the scholar has indulged in plagiarism his dissertation shall not be sent to the examiners for evaluation. Under such circumstances, a candidate will be given the opportunity to rewrite his thesis within a period of six months failing which his registration will be cancelled.

Panel of **10.** At least two months before the proposed date of submission of the **Examiners** dissertation, the supervisor shall present a panel of four names of examiners along with mobile numbers and email ids from the panel already approved by the Academic Council for necessary action by the Controller of Examinations.

Evaluation **11.** i. The dissertation will be examined by two examiners (one of them being the Supervisor) to be appointed by the Vice-Chancellor from the panel approved by the Academic Council and the Executive Council. At least one of the examiners should be from outside the state where the University is located.

ii. However a supervisor shall not act as an examiner where a candidate is a wife or husband, son or daughter, brother or sister of the Supervisor. Where a candidate is related to the Supervisor, the dissertation submitted by a candidate for M.Phil. degree shall be sent to another examiner selected from the panel of examiners. In such cases, the panel of examiners will be submitted by the HoD/IC of the department and if the

HoD/IC happens to be the supervisor the same will be submitted by the Dean of the School.

Award of the Degree

12. i. The dissertation work shall be accepted for the award of the M.Phil. degree on the unanimous recommendation of both the examiners.

ii. If there is a difference of opinion between the two examiners the matter shall be referred to a third examiner to be appointed by the Vice-Chancellor out of the panel already submitted. The third examiner will act as the adjudicator and his decision shall be final.

iii. In case the examiner suggests some modifications for improvement of the dissertation or points out certain lacunae in the same, the candidate shall be asked to reply or to modify the dissertation on the suggested lines and resubmit the dissertation within a period of six months of the communication of the decision.

iv. In the event of unanimous recommendation by both the examiners, the final grade point may be computed keeping in mind the average of both coursework and dissertation grade points. In the event of one of the examiners for dissertation not recommending, the final grade point may be computed keeping in mind the average of the course work and the grade point awarded to the candidate by the third examiner.

v. All the reports of the examiners shall be submitted to the School Board, which, on being satisfied, may recommend to the Academic Council that the M. Phil. Degree may be awarded to the candidate. A copy of the recommendation of the School Board may be sent to the Controller of Examinations for declaration of the result.

Removal of Difficulties

13. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor may take such measures as may be necessary for removal of difficulties.

OC-7
ON THE DOCTOR OF PHILOSOPHY PROGRAMME

[Under Section 30(d) of the SU Act, 2006]

Admission and Eligibility

1. The admission to the PhD Programme shall be in the beginning of each academic year. The candidates with at least 55% (50% for SC/ST/OBC) marks in their Master's Degree in the subject concerned or allied/cognate subject offered by the Departments shall be required to appear in a written test and interview to be conducted by the University. The candidates shall

be selected according to merit determined after considering the following:

v. Performance in the entrance test and interview.

vi. Candidates with MPhil/NET/CSIR (JRF)/SLET/GATE/ Teacher Fellowship shall be exempted from appearing in admission test but shall have to face the interview.

Coursework

2. Coursework of minimum one semester and 12 credits, out of which one shall be on research methodology, is compulsory except for those who have completed MPhil degree from any university recognized by the University.

Supervisor

3. The Department shall appoint a supervisor. The supervisor shall be a Professor, Associate Professor or Assistant Professor of the University with PhD. The Department may, in addition and with the approval of the School Board, appoint one or two joint supervisors in which case the Supervisor shall be in overall charge of the supervision. A joint supervisor need not necessarily be a teacher of the University but should be a person recognised by the University as qualified and knowledgeable enough to supervise a doctoral work.

Registration

4. The application for registration of PhD shall be made to the Department concerned in the proforma as may be prescribed by the University along with a detailed research proposal including the topic, statement of research, objectives, research questions, and research methodology. The Department

shall forward the research proposal to the School Board through the Board of Studies. The date on which the School Board accepts the proposal for registration shall be the date of registration of the scholar for the purpose of this Ordinance. However, the maximum permissible period between the date of admission and the date of registration for PhD programme shall be 3 semesters or 18 months.

Duration

5. A scholar shall be permitted to submit the thesis for the PhD degree if he has pursued research at the University for not less than two years from the date on which his synopsis has been registered. The name of a scholar shall be removed from the rolls of the University if he fails to submit his thesis within four years from the date of his registration.

Provided in exceptional circumstances, the School Board, on the recommendation of the Board of Studies, may extend the date for submission of his thesis for a maximum period of one more year. If the candidate fails to submit his thesis within the extended period his registration shall lapse automatically.

Review of Progress

6. The Supervisor shall regularly monitor the progress of the research work of the candidate. If the Supervisor finds that the progress of the scholar's work is not satisfactory, a report to that effect shall be submitted to the School Board through the Department for appropriate action.

Pre-Submission Seminar

7. When the Supervisor is of the opinion that the thesis is in the final stage of completion, the scholar shall be required to give a pre-submission seminar on his research findings. This seminar will be given in the presence of an evaluation committee of at least three faculty members, of which one will be from outside the Department, who will be nominated by the Dean of the concerned School. The candidate may incorporate the recommendations of the Committee in the thesis.

Modification Title

8. If there is a need for modification of the title of research the candidate shall **of** submit an application to the Dean through the Head/IC at least six months before the date of submission of the thesis for approval of the concerned boards.

Submission Thesis

9. i. A candidate shall submit his thesis for PhD in which he may incorporate **of** the text of any work which he may have published on the subject. But he shall not submit as his thesis any work for which a degree has already been conferred on him by this or any other university.

ii. A PhD candidate shall publish at least one research paper in a refereed journal before the submission of his thesis, and produce evidence of the same in the form of acceptance letter or reprint.

iii. The scholar shall satisfy that it is a piece of research work characterised either by discovery of new facts or by fresh interpretation of facts or theories. In either case it should evince his capacity for critical examination, original thinking and judgment. Its literary presentation should also be satisfactory.

iv. The thesis shall include a certificate from the Supervisor and the declaration from the candidate that the thesis incorporates the student's bonafide research and that the same has not been submitted for award of any degree in this or any other university or institute of learning.

v. The application for submission of thesis shall be countersigned by the Head of the concerned Department. The Head of the Department shall forward the thesis together with the observations of the Evaluation Committee for pre-submission seminar to the Controller of Examinations for further necessary action.

vi. If the office of the Controller of Examinations is convinced that plagiarism has been committed in the thesis the same shall not be sent to the examiners for evaluation. Such a candidate may be given six months to rewrite his thesis, failing which his registration shall stand cancelled.

Panel of Examiners

10. The Supervisor shall submit a panel of six examiners, including his own name as Internal Examiner, with postal address, email id and mobile phone number, in the prescribed proforma to the School Board through the Head of the Department for approval and submission to the Controller of Examinations. The School Board shall also submit a copy of the panel of examiners to the Chairman of the Academic Council.

Evaluation

11. The thesis submitted by the candidate for PhD shall be examined by at least three examiners from a panel approved by the Executive Council on the recommendation of the Academic Council. Two of the examiners shall be those who are not in the roll of the University and at least one of them shall be from outside the state, while the third examiner shall be the Supervisor. Provided that the Supervisor shall not serve as examiner where the candidate is a wife or husband, son or daughter, brother or sister. In such a situation the panel of experts shall be submitted by the HoD/IC of the department and if the supervisor happens to be holding such a position the same shall be submitted by the Dean of the School.

Examiner's and Viva-Voce

12. i. Each examiner shall, after examining the thesis submit a report in a prescribed proforma to the University clearly stating that in his opinion (a) the thesis is recommended for the award of PhD Degree, or (b) the thesis should be modified/revised, or (c) the thesis may be rejected. **Report**

ii. In case an examiner suggests some modifications/ improvements of the thesis or points out certain lacunae in the thesis, the candidate should be asked to reply or modify the thesis as suggested and resubmit the thesis to be forwarded to the concerned examiner within a period of one year from the date of intimation of the requirement of modification by the University. If the examiner is still not satisfied the matter shall be referred to a Committee of Experts to be appointed by the Vice-Chancellor.

iii. A thesis shall be accepted for the award of the Degree of Doctor of Philosophy on unanimous recommendation of the examiners. If both the external examiners reject the thesis, no degree will be awarded. If there is a difference of opinion between the external examiners it should be referred to a fourth examiner to be nominated by the Vice-Chancellor out of the panel already approved by the Academic Council and the Executive Council. The opinion of the 4th Examiner shall be final.

iv. If the reports are satisfactory he will undergo a viva voce examination which shall be openly defended.

Award of Degree

13. Based on the reports of the examiners and the viva-voce the School Board shall recommend to the Executive Council through the Academic Council for the award of the degree or otherwise.

Removal of Difficulties

14. Notwithstanding anything contained in the above Ordinance, the Vice-Chancellor may take such measures or make such regulations as may be necessary for removal of difficulties.

OC-8
ON THE AWARD OF DEGREES, DIPLOMAS AND CERTIFICATES [Under Section 5(2) of SU Act, 2006]

The following Degrees, Diplomas and Certificates in accordance with conditions, which may be laid down from time to time in each case by a Regulation or otherwise, shall be awarded by the University:

1. Research Degrees of Doctor of Philosophy, Doctor of Science, Doctor of Literature, Doctor of Law, and Doctor of Medicine;

2. Master's Degree in Arts, Sciences, Commerce, Education, Home Science, Law, Agriculture, Professional Courses, Management Studies, Pharmacology, Medicine and Engineering;

3. Bachelor's Degree (Pass and Honours) in Arts, Science, Commerce, Home Science, Pharmacology, Education, Agriculture, Professional Courses, Medicine, Engineering and Law;

4. Post Graduate Certificate and Diploma in special branches of learning or practical skills;

5. Diploma in Civil, Mechanical and Electrical Engineering, Electronics, Agriculture and such other fields as may be approved by the Academic Council from time to time;

6. Certificates and Diplomas in special branches of learning or practical skills, technical subjects, foreign languages, etc.;

7. Honorary Degrees; and

8. Degrees, diplomas and certificates in various professional courses introduced by the University from time to time.

OC-9
ON THE POWERS AND FUNCTIONS OF THE DEAN, STUDENTS' WELFARE [Under Section 30(p) of the SU Act, 2006]

The Dean, Students' Welfare shall:

1. Advise the Vice-Chancellor on the policies and procedures of the admissions to the various Undergraduate, Integrated and Postgraduate courses, research degrees, certificate/diploma courses, and other full-time and part-time courses as approved by the University from time to time.

2. Coordinate through the Provost the admission to hostels in the University.

3. Advise the Vice-Chancellor on the appointment of the Provost and Wardens and their powers and functions.

4. Deal with the matters of overall discipline and conditions of living in the halls of residence maintained by the University.

5. Advise the Vice-Chancellor on all matters related to students, including their association/council and activities.

6. Coordinate the elections of the Students' Association duly recognized by the University.

7. Advise the Vice-Chancellor on the nomination of student representatives to various bodies of the University.

8. Supervise and fund various co-curricular and sports activities of the students and Research Scholars.

9. Issue travel concession forms to the students and recommend educational tours/excursions of the students to various parts of India.

10. Supervise career guidance and counseling activities for the welfare of the students.

11. Organise such programmes and activities which shall strengthen the student-teacher, student- administration and student-society relationships.

12. Undertake such other activities that are desirable for the welfare of the students, or as directed by the Vice-Chancellor from time to time.

OC-10
ON THE AWARD OF FELLOWSHIPS, SCHOLARSHIPS, STUDENTSHIPS, MEDALS AND PRIZES [Under Section 5(xiii) of the SU Act, 2006]

Objective **1.** To prevent hardship to poor and meritorious students who are pursuing their studies at this University in various Departments.

Eligibility **2.** Students who have secured 55% (50% for SC/ST/OBC) at the qualifying examinations for admission to various Departments of the University are eligible for consideration of the award of SU Fellowships, Scholarships, and Studentships.

Those who secure First Class First and First Class Second in each programme shall be awarded, on the Convocation Day, Gold and Silver medals respectively and such other prizes as the University may decide from time to time.

Selection **3.** Selection for the award of SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall be made by a committee to be appointed by the Vice-Chancellor consisting of not less than three persons including the Dean of Students' Welfare who shall be the Chairman thereof. The selection by the Committee shall be on the basis of merit and income, and shall be subject to the approval of the Vice-Chancellor.

Renewal **4.** The SU Fellowships, Scholarships and Studentships may be renewed provided the student secures at least 50% marks in I and II Semester examinations and maintains an all round satisfactory record of work and attendance, to be certified by the Head of the Department concerned.

Value **5.** The value of the SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall be as determined from time to time by the University.

Conditions of Award

6. The selected students for SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall not accept or hold any appointment, paid or otherwise, and will not receive any Fellowships, Scholarships and Studentships from any other source during the tenure. The offer may be suspended on grounds of indiscipline or negligence of study.

form duly completed by the candidates along **for Award** with relevant enclosures should reach the Dean, Students' Welfare within the date to be notified by the University.

OC-11

ON THE CONDITIONS OF RESIDENCE OF THE STUDENTS [Under Section 5(xxii) of the SU Act, 2006]

Objectives **1.** The objectives of establishing halls of residence for students are as follows :

i. To provide to the students of the University a congenial atmosphere to live so that they can devote themselves to the pursuit of higher learning;

ii. To provide enlightened guardianship to the students during an impressionable age when they are living away from their parents/guardians;

iii. To ensure that students coming from different backgrounds have an opportunity to live together, imbibe a spirit of cooperation and goodwill and acquire broader societal frame of mind;

iv. To provide opportunities for co-curricular and extra-curricular activities for all round development of individual personality and for giving expression to their artistic and creative talent; and

v. To develop in the students the capacity to govern their own affairs.

Halls of Residence **2.** i. The University shall maintain such hostels as may be necessary to fulfill the objectives of residence;

ii. There shall be separate halls of residence for girls and boys;

iii. Every hostel shall have a name as the University may assign to it; and

iv. Each hostel shall be under the charge of one Warden.

Supervision Control **3.** The supervision and control of the residence of all students is vested in the **and** Dean of Students' Welfare who shall be assisted by the Provost and Wardens in performing his function. The Wardens in turn shall be assisted by Prefects.

Admission **4.** i. Students desirous of residing in the University hostel may apply in the prescribed form after admission to the academic departments.

ii. The Heads of the Departments may forward all hostel applications of admitted candidates to the Dean, Students' Welfare. The applications shall be scrutinised by a committee headed by the Provost who shall allot seats in the hostel.

iii. Students from distant places shall be given preference for hostel accommodation.

iv. Hostel accommodation shall be allotted for one academic year at a time. Every student shall submit a fresh application for admission to the hostel in every subsequent year of study. The applications should reach the office of the Dean, Students' Welfare at least 15 days before the commencement of the classes for the III, V, VII, or IX semester. Re-admission will be permitted only after the resident furnishes proof of having paid all hostel/tuition dues.

v. The students must vacate their rooms within one week from the end of their last semester examination. They may stay in the dormitory or as guest if they need to come again for appearing in any examination held in the University.

vi. The students shall sign an affidavit on Anti-Ragging and submit the same to the office of the Dean of Students' Welfare.

Appointments, and Functions of Wardens **5.** i. Wardens of Hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor on the **Powers** recommendation of the Dean, Students' Welfare for a period of three years and they shall be eligible for reappointment.

ii. The Wardens of Hostels shall perform such duties as are assigned to them by the Vice-Chancellor from time to time and they shall function in consultation with the Provost and Dean, Students' Welfare.

iii. The Warden shall allot rooms to the students as per the list given by the Provost, maintain a list of students along with permanent addresses of

guardians and such other information as may be required for emergency purposes, and maintain discipline among them.

iv. Maintain daily record of the resident students such as students present each day, students absent from the Hall together with reasons for absence;

v. Oversee health, hygiene and general life of the students in the hostels and to ensure that the students observe discipline;

vi. Report to the Dean, Students' Welfare all cases of misbehaviour, indiscipline and illness of students residing in his/her hostel;

vii. Safe custody and maintenance of such properties of the concerned hostel as are entrusted to him and for their repairs within the funds allotted and norms laid down by the University authorities for the same;

viii. The Dean of Students' Welfare, Provost and Wardens shall have the right to inspect hostel rooms and shall have administrative control over the staff assigned to the hostel;

ix. Free unfurnished residential accommodation with free local telephone facilities will be provided to a Warden on rent-free basis for the period of his wardenship.

Appointments, Powers and Functions of Prefects

6. i. Each hall of residence shall have Prefect(s) appointed by the Provost, in consultation with the concerned Warden;

ii. Choice of the Prefect(s) shall be from the senior-most batch of students;

iii. Appointment shall be made for one year and may be extended if duly recommended by the Warden;

iv. A Prefect shall look after the health, hygiene and general welfare in the hostel; assist the Warden in roll calls and ensuring discipline; and monitor catering facilities in the mess;

v. The Prefect shall be entitled to a free single room during the tenure of his appointment but he will have to pay the hostel admission fees and mess fees.

OC-12
ON THE MAINTENANCE OF DISCIPLINE

[Under Section 29 of the SU Statutes, 2006]

1. During the entire period of their study, the students, including research scholars, shall maintain discipline in the hostels, classrooms, examination halls, laboratories, libraries, on campus as well as off campus and behave in a manner expected of the students of the University.

2. The students shall be in the overall control and guidance of the Wardens, the Provost, the Dean of Students' Welfare, the Heads of the Departments and the Deans of the School, depending on the nature of their activities.

3. In case of any complaint against any student from any source, the complaint shall be addressed to the Dean of Students' Welfare who shall ask the Provost to examine the veracity of the complaint against a student.

4. If the student is prima facie found guilty of breach of discipline, the Dean of Students' Welfare may take necessary action at his own level either by reprimanding the guilty student, imposing a fine, or issuing a warning. If the nature of breach of discipline is serious in his opinion the matter shall be referred to the University Disciplinary Committee consisting of the following members of which three must be present to form the quorum:

a.	The Dean, Students' Welfare	Chairman
b.	The Provost	Member-Secretary
c.	The Dean of the concerned School	Member
d.	The Head of the concerned Department	Member
e.	The Warden of the concerned Hostel	Member
f.	Any other person the Vice-Chancellor may like to nominate depending on the nature of breach of discipline.	

5. The University Disciplinary Committee shall submit its report to the Registrar of the University who shall place the same before the Vice-Chancellor with his comments on the report.

6. The Vice-Chancellor shall have the powers to take such punitive action as he deems fit and bring the matter for ratification in the Executive Council at the earliest.

7. The student shall have the right to appeal before the Executive Council against the decision of the Vice-Chancellor.

OD SERIES ON AFFILIATED COLLEGES

OD-1
ON THE ADMISSION OF COLLEGES AND INSTITUTIONS TO THE PRIVILEGES OF THE UNIVERSITY

[Under Section 5(xvii) of the SU Act, 2006]

Definition For the purpose of this Ordinance, colleges/institutions mean colleges/institutions imparting education at UG or PG level in various subjects/courses of study; the word "subjects" refer to subjects like History, Economics, and Geography; the word "courses" refer to Pass, Honours and Professional courses; and the word "programme" refers to Bachelor's, Integrated, Master's, MPhil and PhD programmes (stand alone or integrated).

Affiliation Committee **1.** The Academic Council shall constitute an Affiliation Committee forColleges/ Institutions/Subjects/Courses under the University. The composition of the Committee shall be as follows:

i.	Vice-Chancellor or Pro-Vice-Chancellor	Chairman
ii.	Director of Public Instruction/ Higher Education or his nominee	Member
iii.	Two nominees of the Academic Council	Members
iv.	Controller of Examinations	Member
v.	Director, College Development Council	Member-Secretary

Powers and Functions **2.** The Affiliation Committee shall scrutinize the applications for affiliation and recommend to the Academic Council affiliation of Colleges/ Institutions/ Subjects/Courses. Withdrawal of affiliation, if any, of Colleges/Institutions/ Subjects/Courses, shall also be recommended by the Affiliation Committee.

Meetings **3.** The Affiliation Committee shall meet as and when necessary.

Quorum **4.** The Quorum for the meeting of the Committee shall be one-third of its total members.

Degree College/ Institution **5.** The college/institution for the purpose of this Ordinance shall be UG/ PG college/institutionproviding instructions in subjects for relevant degrees.

Admission to the Privileges the University **6.** Admission of a college/institution to the privileges of the University shall **of** mean affiliation for the purposes of this Ordinance.

Affiliation of a Subject/ Course of Study **7.** Admission to the privileges of the University of various courses (Pass/ Honours/Professional) leading to relevant degrees shall mean affiliation and shall be granted as per this Ordinance.

affiliation of a **8.** Affiliation of a college/institution/subjects/courses of study as per the **Stages of** provisions of this Ordinance shall be granted in two stages: (i) temporary affiliation and (ii) permanent affiliation.

college/course study When it is proposed to start a new college/institution/subject/course of **of**

New **9.** study, the sponsoring body, or in the case of a Government College/ **Starting a**

Subject/ Institution the authority concerned, shall submit an application to the **Course/** Registrar on the prescribed proforma on or before 15th of August of the year

College/ Institution prior to which it is intended to start the college/ institution/subject/course of study.

Initial Screening of Application **10.** On receipt of the application, the Affiliation Committee shall scrutinize the application and may seek further clarification, if necessary, from the **the** applicant concerned in writing. If the Committee is satisfied with the project report and having found that there is a prima facie case for starting a new college/institution, then it shall recommend constitution of an inspection team.

Inspection Team **11.** The inspection team shall be constituted in a manner instructed by the UGC from time to time.

Inspection **12.** The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Inspection Team shall report on suitability of the site, feasibility of the plan, adequacy of human, physical and financial resources, library/laboratory facilities and other requirements as prescribed by the UGC from time to time. If the Affiliation Committee is satisfied with the report, it shall recommend to the Academic Council starting the college/institution/subject/course of study. The Academic Council shall send its recommendations to the Executive Council for grant of permission.

Preliminary Steps by the Sponsoring Agency/ Authority for Temporary Affiliation **13.** On receipt of permission to open a college/institution/subject/course of study, the applicant shall deposit the fees approved by the Authorities of the University from time to time and other such documents that the University may seek such as the evidence of fixed deposits for amounts prescribed by the UGC from time to time for Arts, Science, Commerce and Professional Courses. On completion of this the college/institution/subject/course of study is considered as temporarily affiliated and such affiliation shall remain valid for one year only. The application for renewal of affiliation must be made at least one semester before the termination of the temporary affiliation.

Grant of Renewal **14.** The Chairman of the Affiliation Committee shall constitute an Inspection Team to inspect the college/institution for renewal. The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Affiliation Committee after receiving the report shall forward the same to the Academic Council along with its comments and observations. If the Academic Council is satisfied with the report, it may recommend to the Executive Council for the renewal of temporary affiliation for a period of another one year.

Permanent Affiliation **15.** A college/institution which has been granted provisional affiliation for five years and fulfills such other conditions as prescribed by the UGC for the purpose from time to time, may apply for permanent affiliation to the Director, College Development Council, on the prescribed proforma with the required fee.

Grant of Permanent Affiliation **16.** The Chairman of the Affiliation Committee shall constitute an Inspection Team to inspect the college/institution for permanent affiliation of the college/institution or subject/course of study or both. The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Affiliation Committee, after receiving the report, shall forward the same to the Academic Council along with its comments and observations. If the Academic Council is satisfied with the report, it may recommend to the Executive Council for grant of permanent affiliation to a college/institution or subject/course within it. The grant of permanent affiliation to a college/institution does not entitle it to claim, ipso facto, permanent affiliation to a subject/course of study and vice versa.

Power to lay New Conditions

17. The Executive Council may, on the recommendation of the Academic Council, lay down new conditions for affiliation from time to time, which shall be binding on the college/institution admitted to the privileges of the University. **down**

Admission of Students

18. No student shall be admitted to any college/ institution/subject/ course of study before expressed permission is granted by the University. Breach of this rule may invite refusal of affiliation to the college/institution.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 81

Power to withdraw Permission of Affiliation

19. The Executive Council shall have the powers to withdraw any affiliation from a college/institution if, in its opinion, the college/institution has failed to comply with the Ordinances on Affiliation or any other directives of the University. **any**

Fees

20. The following shall be the fees to be paid by the affiliated colleges with 2% non-cumulative increase every year from the date of adoption of this Ordinance:

Removal of Difficulties

21.

Sl. No	Nature of Affiliation applied for	Amount of Fees to be paid in Rs.
1	Temporary Affiliation of Institution	10,000
2	Permanent Affiliation of Institution	50,000
3	Temporary Affiliation of UG Pass Subject	5,000
4	Permanent Affiliation of UG Pass Subject	25,000
5	Temporary Affiliation of UG Honours Subject	8,000
6	Permanent Affiliation of UG Honours Subject	40,000
7	Temporary Affiliation of UG Professional Subject	10,000
8	Permanent Affiliation of UG Professional Subject	50,000
9	Temporary Affiliation of Certificate Course	3,000
10	Permanent Affiliation of Certificate Course	15,000
11	Temporary Affiliation of Diploma Course	5,000
12	Permanent Affiliation of Diploma Course	25,000
13	Temporary Affiliation of PG Subject	5,000
14	Permanent Affiliation of PG Subject	25000
15	Fixed Deposit for starting UG Programmes in Arts, Commerce and Science	15 lakhs or as prescribed by UGC
16	Fixed Deposit for UG Programmes in Professional Courses	35 lakhs or as prescribed by UGC

Any difficulty arising in interpretation of or giving effect to any provisions of this Ordinance, shall be referred to the Vice-Chancellor, whose interpretation or decision thereon shall be final.

OD-2

ON THE COLLEGE DEVELOPMENT COUNCIL

[Under Section 24 of the SU Act, 2006]

A College Development Council, to be known as the "Council" hereinafter, shall be established by Sikkim University.

1. Without prejudice to the generality of the provisions of the Act, the Statutes and the Ordinances of the University, the objects of the Council shall be to provide a leadership role and generally extend help, guidance and advice to the Colleges admitted to the privileges of the University.

2. The Council shall be the Principal Advisory Body to the Academic Council in all matters relating to the affiliated colleges/institutions.

3. Composition of the Council shall be as under:

i.	Vice-Chancellor	Chairman	Ex-Officio
ii.	Pro-Vice-Chancellor (if any)	Member	’’
iii.	Two teachers of the Postgraduate Departments, of which one shall be from Sciences and another from Humanities and Social Sciences, to be nominated by the Vice-Chancellor	Members	
iv.	Two Principals of affiliated colleges, of which one shall be from government college and one from private/missionary college by rotation in order of the date of establishment of a college	Members	
v.	Two teachers of the affiliated to be nominated by the Vice-Chancellor	Members	
vi.	Director of Public Instruction/Higher & Technical Education of the State	Member	Ex-Officio
vii.	The Dean of Students’ Welfare	-do-	’’
viii.	The Finance Officer	-do-	’’
ix.	The Controller of Examinations	-do-	’’
x.	The Librarian	-do-	’’
xi.	Registrar	Secretary	’’

4. The term of office of members, other than ex-officio, shall be three years.

5. Any vacancy arising due to illness, death or resignation or otherwise, shall be filled up as soon as possible and the member(s) so appointed shall continue in office for the residual term.

6. One-third of the actual members of the Council shall form the quorum for the meetings of the Council.

7. The Council shall meet at least twice in an academic year and meetings shall be convened by the Registrar in consultation with the Vice-Chancellor. A special meeting of the Council may be convened if a request to that effect is received by the Vice-Chancellor in writing from not less than six members of the Council giving a notice of at least 21 days.

8. It shall be the duty of the Registrar to keep record of the proceedings of the Council meetings and generally look after the day to day business of the Council.

9. The Council shall have the following functions:

i. To provide a forum for consideration of various aspects of education in the affiliated colleges/institutions of the University with a view to continuously improve the general educational standards in the colleges;

ii. To help the affiliated colleges prepare developmental projects which may be financed by the state government or other funding agencies such as University Grants Commission;

iii. To assess periodically the physical facilities in the affiliated colleges with reference to the number of students and the subjects taught and make recommendations to the UGC or state government for their improvement;

iv. To review the academic performance of affiliated colleges from time to time and make suggestions for improvement;

v. To review the examination systems and suggest innovations and improvement from time to time;

vi. To take action on the Inspection Reports on various colleges/institutions;

vii. To prepare and maintain an up-to-date profile on each college/institution/subject/courses of study affiliated to the University, revising the existing facilities and identifying the needs and gaps that need to be filled for their development; and

10. The Office of the Council shall be located at SU campus.

11. Any difficulty arising in giving effect to or interpreting any of the provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision thereon shall be final.

OD-3

ON THE PG DEPARTMENTS IN COLLEGES AFFILIATED TO THE UNIVERSITY

[Under Section 5(xvii) of the SU Act, 2006]

An affiliated college/institution may be granted the permission to teach PG courses in selected subjects on

fulfillment of the criteria laid down in this Ordinance.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 83

Application **1.** The application shall be made in the proforma, as prescribed by the Affiliation Committee and made available by the Director, College Development Council, after approval of the Academic Council. The application shall include the details specified by the UGC from time to time, including the following:

i. The subject(s) proposed to be started stating Pass or Honours or Professional;

ii. Justification (in about 500 words) for starting the proposed subject(s);

iii. Adequate classroom, library books in the concerned subject(s), laboratory facilities, and minimum number of staff prescribed for the proposed course.

iv. Enclose a non-refundable application fee as per OD-1, Section 20, payable by cheque/draft in favour of Sikkim University.

Number of Seats **2.** As recommended by the Inspection Team and approved by the Academic Council.

Admission **3.** The colleges may have their own admission criteria but the same shall be implemented only with prior approval of the Academic Council of the University.

Syllabus **4.** Syllabi shall be prepared by the concerned college, recommended by the Board of Studies and School Board, and approved by the Academic Council.

Fees **5.** Fees shall be specified and collected by the colleges concerned. However, half of the examination fees and 100% of marksheet, registration and certificate fees, as prescribed by the University from time to time and paid by the students shall be deposited with the University.

Qualifications Number of Teachers **6.** The qualification and number teachers shall be as prescribed by the UGC **and** from time to time.

Work Load **7.** The academic workload for every faculty member shall not be less than 90 teaching days per semester, as in the University PG departments.

Removal of Difficulty **8.** Any difficulty arising out of giving effect to or interpreting any of the provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision thereon shall be final and binding.

OE SERIES ON MISCELLANEOUS SUBJECTS

OE-1
ON ACADEMIC CALENDAR OF THE UNIVERSITY

[Under Section 30(p) of the SU Act, 2006]

1. The University shall have at least 90 days of actual teaching in a semester.

2. The University shall have the following calendar:

Table 1. Calendar for Sikkim University

	Academic Activity	Date/Period
1	Admission to Semester I	July 16 to 30
2	Commencement and end of the classes for Odd Semesters (Semesters I, III and V)	August 1-November 21 (Nov 22 - 30 Preparatory for Students, which period may be used for completion/revision of courses.)
3	Examinations of Odd Semesters	December 1 - 15
4	Commencement and end of Winter Vacation	December 16 – February 15
5	Commencement and end of the classes for Even Semesters (Semesters: II, IV and VI)	February 16 – June 24 (June 25 - July 4 Preparatory for Students, which period may be used for completion/revision of the courses.)
7	Examinations of Even Semesters	July 5 - 19

8	Semester Break/Varsity Week	July 20-30
9	Publication of Results of IV Semester	August 15

NB. If the first day for classes and examinations is a holiday it will start on the next working day. The Semester Break is neither vacation nor holiday.

Table 2. Calendar for Colleges/Institutions affiliated with the University	
Academic Activity	**Date**
1. Examination of Odd Semesters	November 15 – 30
2. Examination of Even Semesters	June 5 – 20
3. College Week for Extra-Curricular Activities	June 21 – 30

OE-2

ON THE SCHEDULE OF MEETINGS

[Under Section 10(1) of the SU Statutes, 2006]

Names of the Authorities	**Date for meeting**
Board of Studies	May 1st week and October 1st week
School Board	May 2nd week and October 2nd week
Finance Committee	February 4th week, May 4th week, and October 4th week
College Development Council	May 3rd week and October 3rd week
Academic Council	May 4th week and October 4th week
Executive Council	June 1st week and November 1st week
Court and Convocation	November 3rd week

OE-3

ON THE CONVOCATION

[Under Section 32 of the SU Statutes, 2006]

Convocation **1.** i. A Convocation for the purpose of conferring degrees shall ordinarily be held once in a year on such date and place as may be fixed by the Vice-Chancellor with prior approval of the Chancellor.

ii. The Convocation fees shall be as decided by the University from time to time.

iii. The Chancellor shall, if present, preside over the Convocation of the University for conferring degrees. In the absence of the Chancellor, the Vice-Chancellor shall preside over the convocation.

Notice **2.** i. Not less than three weeks' notice shall be given by the Registrar for the Convocation.

ii. The candidates who have passed their examinations before the year in which the Convocation is held shall be eligible to be admitted to the Convocation. If the Convocation is not held for some years, the Vice-Chancellor shall be competent to authorise admission of successful candidates in the previous years to their respective degrees in absentia and issue the degrees on payment of prescribed fees.

Application **3.** i. A candidate for the degree must submit to the Registrar his application at least 7 days before the date prescribed for admission to the degree at the Convocation in person along with the prescribed fees.

ii. The candidates who are unable to present themselves in person at the Convocation shall be admitted to the degree in absentia by the Chancellor or in his absence by the Vice-Chancellor and their certificates shall be given by the Registrar on payment of the prescribed fees.

Fees **4.** The fees for admission to the degree at the Convocation in person shall be decided by the University from time to time.

Honorary Degree **5.** i. Honorary degree shall be conferred only at a Convocation and may be taken only in person.

ii. The presentation of the person(s) at the Convocation on whom honorary degrees are to be conferred shall be made by the Vice-Chancellor or in his absence the senior-most Dean of the University.

iii. Candidates at the Convocation shall wear gowns and hoods appropriate to their respective degrees. No candidate shall be admitted to the

Convocation who is not in proper convocation dress prescribed by the University.

Convocation procedure

6. i. For the award of degree at the Convocation, candidates present shall be formally presented to the Chancellor/Vice-Chancellor for admission to their respective degrees. The Deans of respective Schools shall present the Master students of their Schools. The Principals of the affiliated colleges, nominated for the purpose by the Vice-Chancellor, shall present the undergraduate candidates for various degrees. The names of the recipients of medals and prizes shall be read out by the Registrar who shall also present the candidates for their degrees in absentia for admission to their respective degrees.

ii. The Chancellor, the Chief Rector, the Chief Guest, the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor (if any), the Registrar, the Finance Officer, the Deans of Schools and the members of the University authorities shall wear their special robes prescribed by the University and shall walk in procession in the following order to the convocation hall:

a. The Registrar with the University flag
b. Members of the Authorities
c. The Court Members
d. The Academic Council Members
e. The Executive Council Members
f. The Members of School Boards
g. The Deans of Schools
h. The Librarian
i. The Controller of Examinations
j. The Finance Officer
k. The Pro Vice-Chancellor
l. The Vice-Chancellor
m. The Chief Guest
n. The Chief Rector
o. The Chancellor

iii. The Chancellor, the Chief Rector, the Chief Guest, the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor (if any), the Registrar, the Deans, the Finance Officer, and the Members of University Authorities shall take their seats in places reserved for them.

iv. When the procession enters the Convocation Hall, the candidates and the audience shall rise and remain standing until the members of the procession have taken their seats.

v. When the Chancellor and the Chief Guest are present, the Vice-Chancellor will welcome them.

vi. The Convocation address will be delivered by the appointed speaker.

vii. Having obtained the permission of the Chancellor/Vice-Chancellor, the Registrar shall declare the convocation open. The Chancellor/Vice-Chancellor shall then say, “Let the candidates be presented”.

viii. The persons appointed for the purpose of presentation of candidates for their respective degrees shall present in the manner prescribed in the following form. The candidates when presented shall rise and remain in standing position they have been admitted.

“Madam Chancellor/Vice-Chancellor or Chancellor/Vice-Chancellor Sir, I present to you ...(No)... candidates who have been examined and found qualified for the Degree of ...(Bachelor/Master of...in...)...to which I pray that they may now be admitted”.

The Chancellor/Vice-Chancellor will admit the candidates to the degree in the following words:

“By virtue of the powers vested in me as the Chancellor/Vice-Chancellor of Sikkim University, I admit you to the Degree of .....and I charge you that ever in your life and conversation you show yourselves worthy of the same”.

The candidates will then take their seat.

ix. The Registrar or the person appointed for the purpose shall then request the Chancellor/Vice-Chancellor to admit the candidates in absentia to the various Degrees in the following words:
"Madam Chancellor/Vice-Chancellor or Chancellor/Vice-Chancellor Sir, on behalf of the other..... candidates who have been examined and found qualified for the Degree of ..... and have been permitted to receive their Degrees in absentia, I pray that they be admitted to their respective degrees".
The Chancellor/Vice-Chancellor shall admit those candidates to their respective degrees in the following words:
"By virtue of the powers vested in me as the Chancellor/Vice-Chancellor of Sikkim University, I admit the candidates to their respective degrees in absentia".

x. When all candidates have been admitted to their degrees, medals and prizes the Registrar shall propose a vote of thanks. After this the Registrar shall, with the permission of the Chancellor/Vice-Chancellor, declare the Convocation Closed.

xi. The procession shall then leave the Convocation Hall in the reverse order, while the graduates and the audience keep standing.

OE-4

ON THE WOMEN'S CELL

[Under Section 30(o) of the SU Act, 2006]

1. A Women's Cell shall be set up in the University to assist the Vice-Chancellor in realising the following aims and objectives.

i. Gender sensitization.

ii. Create awareness about the rights of women.

iii. Prevention of discrimination on the basis of gender in job and career opportunities.

iv. Prevention of sexual harassment in the University.

v. Mediation and redressal as may be necessary following any case of discrimination or harassment on the basis of gender.

Explanatory Note: *"Sexual harassment" includes such unwelcome sexual behaviours as the following:*

a. Physical contacts and advances
b. Demand for sexual favours
c. Sexually coloured remarks
d. Showing pornography
e. Any other unwelcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature which directly or impliedly humiliates or intimidates women or harasses them psychologically.

2. The Women's Cell shall be constituted as under:

i. A Chairperson to be nominated by the Vice-Chancellor from amongst senior women employees not below the rank of an Associate Professor or Deputy Registrar.

ii. Dean, Students' Welfare as Ex-Officio member.

iii. Two women belonging to the students' community to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Dean, Students' Welfare.

iv. Four persons belonging to the employees' community — two representing the non-teaching community and two representing the teaching community to be nominated by the Vice-Chancellor provided at least one shall be a woman.

v. One legal expert with expertise in handling cases of women's issues to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Chairperson of the Cell.

vi. Two Social Workers working in the relevant field to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Chairperson of the Cell, one of whom should be a woman.

vii. Any other member(s) to be co-opted by the Cell as and when necessary with the approval of the Vice-Chancellor.

3. The terms of the members except ex-officio members shall be three years.

4. The powers and functions of the Women's Cell shall be:

i. To organise seminars, workshops, lectures, awareness camps and such other activities necessary to sensitise the University community on issues of gender justice and sexual harassment.

ii. To recommend to the Chairman, Executive Council, measures for creation of a secure and cordial learning/working atmosphere between men and women.

iii. To examine complaints against sexual harassment or sexual discrimination and take necessary remedial measures wherever possible or submit its findings along with recommendations to the Chairman, Executive Council.

iv. To pursue time-bound treatment of the complaints, wherever necessary.

v. To engage qualified counsellors to the victim as and when necessary.

vi. To report to the Chairman, Executive Council, if there is a prima-facie case for legal or disciplinary action against the perpetrator of the crime and to pursue the case to its logical end.

vii. To suggest measures and ensure protection of the general welfare of the women in the University community.

5. Modalities of Functioning:

i. Complaints shall be lodged with the Chairperson of the Cell by the victim concerned not later than 30 days from the date of occurrence of the incident of sexual harassment or sex discrimination.

Complaints may also be lodged by a third party or any member of the University community about any undesirable situation which directly or indirectly affects the women of the University community in general.

ii. The Cell should have a regular office space with the necessary infrastructure to be provided by the University to facilitate meetings with the complainants and to provide expert/professional counselling, when necessary.

iii. The Cell should meet at least two times a year. Emergency meetings may also be held on any occasion.

iv. The Cell should maintain due confidentiality while dealing with complaints of sexual harassment if it is convinced that transparency would directly or indirectly humiliate the parties concerned.

6. Conduct of Meetings:

i. Quorum: One third of the total members, subject to a minimum of four members of the Cell, shall make the quorum for a meeting of the Cell.

ii. The Chairperson shall preside over all the meetings of the Cell. In the absence of the Chairperson, the senior-most woman member of the Cell shall preside over the meetings.

iii. The Women's Cell shall, as far as possible, try to arrive at a consensus on cases decided. However, should there be a division resulting in a tie, the Chairperson shall have the casting vote.

OE-5
ON THE ALUMNI ASSOCIATION

[Under Section 38 of the SU Statutes, 2006]

1. There shall be an Alumni Association coordinated by the Dean of Students' Welfare.

2. The objectives of this Association shall be as follows:

a. To create a bridge between the past and present students of the University,

b. To enable the past students to interact with and guide the present students,

c. To enable the present students to benefit personally, academically and professionally from their contacts with the past students, and

d. To enable the alumni students to contribute academically, financially and administratively to build the University, as they have a permanent stake in the reputation of the same.

3. The University shall create the necessary facilities for the Association to function smoothly. The Dean of Students' Welfare shall create and maintain data bank on permanent addresses, telephone numbers, email ids and current employment status of the past students.

OE-6
ON THE REDRESSAL OF GRIEVANCES

[Under Section 30(o) of the SU Act, 2006]

1. Any employee or student of the University who is aggrieved by a decision of any authority or officer of the University may represent to the Registrar through proper channel within 7 days of receipt of such orders or copy of such resolution clearly stating how he is affected by such a decision along with any documentary evidence on the matter supporting the representation.

2. The Registrar upon scrutiny of the representation shall forward the same to the Grievance Redressal Cell within 7 days of receipt of the representation.

3. The Grievance Redressal Cell shall submit its recommendations on the representation to the Registrar within 15 days of receipt of such a reference.

4. The report of the Grievance Redressal Cell may be placed before the next meeting of the Executive Council whose decision on the matter shall be final.

5. The Cell shall constitute a committee as follows after receiving a representation from the Registrar:

i. Chairman - Coordinator & Convener,
Grievance Redressal Cell ii. Nominee of the Association to which the Appellant belongs - Member iii. Nominee of the Appellant
- Member iv. Senior-most Dean - Member v.
One SC/ST/OBC officer not connected with the case to be Nominated by the Vice-Chancellor. - Member

OE-7
ON RESEARCH PROJECTS

[Under Section 5 (xv) of the SU Act, 2006]

1. A 'research project' is defined hereunder as a 'scheme' or 'project' funded by government, semi-government, autonomous body, public sector undertaking, public/private limited company, private trust/foundation and registered body. Such project funding shall be for the following purposes:

a. Academic investigations,
b. Development of technology,
c. Monitoring and evaluation work,
d. Training & development activities,
e. Extension activities including action research, and
f. Carrying out surveys and documentation.

2. A teacher desirous of seeking financial support (referred to hereafter as Principal Investigator or PI or such other designation as may be given by the funding agency) from an external organisation shall prepare the project proposal as per the requirements of the funding/sponsoring organisation concerned.

3. The project shall be forwarded by the Head/IC of the Department (or Dean if the PI happens to be the Head/IC), and in case of Deans the Vice-Chancellor/Registrar shall forward it if it has been duly certified by the applicant that it is possible to carry out the project in the Department if it is funded ultimately.

4. The Registrar shall send the proposal to the funding agency with a forwarding letter on his office stationery.

5. When securing a major project, if the funding agency stipulates execution of a Memorandum of Understanding or such other instruments the University shall consider signing it after due scrutiny by the Legal Cell of the University.

[1]Hkkx IIIµ[k.M 4º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 89

6. The University shall claim Overhead Charges as admissible by the funding agency. The PI shall be entitled to claim a sum not exceeding 50% of the overhead amount which shall be used for purchase of furniture and office stationery for the project.

7. The University shall have separate bank accounts for each sponsored project. Transactions pertaining to individual projects shall be closely monitored and final settlement of accounts, including auditor's report and utilization certificate, submitted to the funding organization on submission of the project report. On acceptance of the final project account, the bank account shall be closed under intimation to the funding organization.

8. The Principal Investigator and the Drawing and Disbursing Officer shall ensure that all periodical reports and returns are forwarded to the sponsoring agency within the stipulated time.

9. Anything not covered under the above provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision on the matter shall be final.

T. K. KAUL, Registrar

[ADVT.-III/4/Exty./443/16]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.03.16 15:28:07 +05'30'